हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

अख़बार भी, आन्दोलन भी

mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159

RNI : JHAHIN/2014/54374

www.rashtriyamukhyadhara.com

बोकारो, रविवार

16.02.2025

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/

वर्ष : 12, अंक : 16

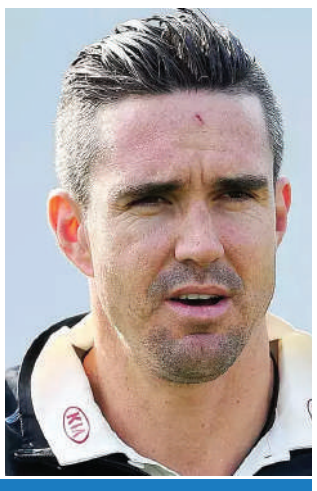

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

फ्रांस और अमेरिका की यात्रा से लौटे पीएम मोदी, वैश्विक सहयोग पर हुई अहम चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी फ्रांस और अमेरिका की महत्वपूर्ण यात्रा संपन्न कर स्वदेश लौट आए हैं। उनका विमान शुक्रवार रात दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर लैंड हुआ, जहां उन्होंने अधिकारियों का अभिवादन किया। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर विभिन्न द्विपक्षीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की। इसके बाद दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को लेकर चर्चा की। पीएम मोदी ने 14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए फ्रांसीसी कंपनियों को भारत में निवेश के अवसरों पर जोर दिया। उन्होंने दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले क्षेत्र में जाकर स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। वहीं, अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा की। यह मुलाकात राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद पहली बार हुई। व्हाइट हाउस में आयोजित इस बैठक में भारत और अमेरिका ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा वैश्विक सहयोग को नए आयाम देने और भारत की कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

पीएम मोदी के स्वदेश लौटते ही दिल्ली सीएम को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की अपनी दो देशों की यात्रा पूरी करने के बाद दिल्ली पहुंच गए हैं। पीएम मोदी की स्वदेश वापसी के साथ ही दिल्ली के नए मुख्यमंत्री को लेकर जहां राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गईं वहीं अलग-अलग खेमों ने लामबंदी भी शुरु कर दी है। पीएम मोदी के स्वदेश वापस आने के बाद दिल्ली में नई सरकार के गठन को लेकर कवायद तेज हो गई है। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का चयन कर लिया जाएगा। वहीं, दिल्ली में बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है। नई सरकार की कमान किसके हाथों में होगी, इसे लेकर सियासी हलके में कयासों का बाजार भी गर्म है, वहीं अलग-अलग खेमों ने अपने नेता को आगे करने और ताजपोशी करवाने के लिए लामबंदी भी करना शुरु कर दी है। वैसे पार्टी सूत्रों की मानें तो दिल्ली सीएम चुने हुए विधायकों में से ही तय किया जाएगा, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह चौंकाने वाला फैसला भी ले सकते हैं। फिलहाल सभी की नजरें दिल्ली के नए सीएम के नाम पर टिकी हुई हैं।

नई सरकार की प्रथमिकताएं : दिल्ली की नई सरकार के सामने वैसे तो अनेक समस्याएं होंगी, लेकिन जिन पर फोकस रहेगा उनमें रोजाना की अन्य चीजों के अलावा स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, बेहतर नागरिक बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की योजना बनाने का है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि दिल्ली की नई सरकार पूर्व की सरकार द्वारा चलाई गई जनहितकारी योजनाओं को ज्यादा नहीं छेड़गी, लेकिन जहां आवश्यक होगा वहां बदलाव जरुर किया जाएगा।

पीएम ने संत सेवालाल महाराज को उनकी जयंती पर नमन किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पूज्य संत सेवालाल महाराज को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा कि उनके सद्विचार एक न्यायप्रिय, सौहार्दपूर्ण और मानवता की सेवा में समर्पित समाज के निर्माण के लिए सदैव मार्गदर्शन देते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सेवालाल महाराज की समाधि के दर्शन करते हुए अपनी एक पुरानी तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए लिखा, "पूज्य संत श्री सेवालाल महाराज जी की जयंती पर उन्हें मेरा शत-शत नमन। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पूरी क्षमता के साथ उन्होंने निरंतर सामाजिक अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। समानता, सद्भावना, भक्ति और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों के प्रति भी महाराज जी का सदैव समर्पण रहा।

सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति में कैसे शामिल हो सकते हैं प्रधान न्यायाधीश?

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश, सीबीआई के निदेशक जैसे शीर्ष पदों पर नियुक्तियों में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे मानदंडों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने शुक्रवार को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में कहा कि उनके विचार में मूल संरचना के सिद्धांत का न्यायशास्त्रीय आधार बहस योग्य है। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि हमारे जैसे देश में या किसी भी लोकतंत्र में, वैधानिक निर्देश के जरिये प्रधान न्यायाधीश सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में कैसे शामिल हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्या इसके लिए कोई कानूनी दलील हो सकती है? मैं इस बात की सराहना करता हूं कि वैधानिक निर्देश इसलिए बने क्योंकि उस समय की कार्यपालिका ने न्यायिक फैसले के आगे घुटने टेक दिए थे, लेकिन अब इस पर पुनर्विचार करने का समय आ है। यह निश्चित रूप से लोकतंत्र

- उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा- ऐसे मानदंडों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया

के साथ मेल नहीं खाता है। हम भारत के प्रधान न्यायाधीश को किसी शीर्ष स्तर की नियुक्ति में कैसे शामिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायिक आदेश के जरिये कार्यकारी शासन एक संवैधानिक विरोधाभास है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता। धनखड़ ने कहा कि सभी संस्थानों को अपनी संवैधानिक सीमा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारें विधायिका के प्रति जवाबदेह होती हैं। वे समय-समय पर मतदाताओं के प्रति भी जवाबदेह होती हैं, लेकिन अगर कार्यकारी शासन अहंकारी हो या आउटसोर्स किया गया है, तो जवाबदेही नहीं रहेगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विधायिका या न्यायपालिका की ओर से शासन में कोई भी हस्तक्षेप संविधानवाद के विपरीत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संस्थागत अलगाव पर नहीं, बल्कि समन्वित स्वायत्तता पर चलता है। निस्संदेह, संस्थाएं अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करते हुए उत्पादक एवं इष्टतम योगदान देती हैं। न्यायिक समीक्षा की शक्ति पर धनखड़ ने कहा कि यह एक अच्छी बात है, क्योंकि यह सुनिश्चित करती है कि कानून संविधान के अनुरूप हों। धनखड़ ने कहा कि मैं वर्तमान स्थिति पर पुनर्विचार करना चाहता हूं ताकि हम फिर से उसी प्रणाली में आ सकें एक ऐसी प्रणाली जो हमारी न्यायपालिका को उत्कृष्टता दे सके। जब हम दुनिया भर में देखते हैं, तो हमें कभी भी न्यायाधीशों का वह रूप नहीं मिलता, जैसा हम सभी मुद्दों पर यहां देखते हैं। इसके बाद उन्होंने मूल संरचना सिद्धांत पर चल रही बहस पर बात की, जिसके अनुसार संसद भारतीय संविधान की कुछ बुनियादी विशेषताओं में संशोधन नहीं कर सकती।

संक्षिप्त समाचार

साइबर अपराध मामले में सीबीआई ने 11 स्थानों पर छापेमारी की

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराध से संबंधित एक मामले की चल रही जांच में दिल्ली-एनसीआर में नौ स्थानों सहित दो राज्यों में 11 स्थानों पर व्यापक तलाशी ली. संघीय जांच एजेंसी ने शनिवार को कहा कि जांच एजेंसी के अधिकारियों के अनुसार, साइबर अपराध से संबंधित एक मामले की चल रही जांच में सीबीआई ने दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा सहित दो राज्यों में 11 स्थानों पर छापेमारी की. तलाशी के दौरान करीब 1.08 करोड़ रुपये, 1000 डॉलर की विदेशी मुद्रा और 252 ग्राम सोना जब्त किया गया. सीबीआई प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई आरसी 14/2023 के तहत दर्ज एक मामले के जुड़ी थी, जिसे धारा 120बी के साथ 420 आईपीसी और आईटी अधिनियम की धारा 66डी के तहत पंजीकृत किया गया था. यह कार्रवाई विश्वसनीय स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर की गई थी कि संदिग्ध आपस में और दूसरों के साथ साजिश करके सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करके और कंप्यूटर संसाधनों और क्रिप्टो उपकरणों का उपयोग करके क्रिप्टो धोखाधड़ी करके अवैध गतिविधियों में लगे हुए थे. आरोपी भारत और विदेशों में लोगों को फर्जी तकनीकी सहायता परामर्श देकर और बेईमानी से क्रिप्टो करेंसी के रूप में धन हस्तांतरित करने के लिए प्रेरित करके धोखा देते पाए गए. अधिकारी ने बताया कि इस धन को फिर कई क्रिप्टो वॉलेट के माध्यम से भेजा गया और नकदी में परिवर्तित किया गया. सीबीआई ने पहले ही मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ धारा 120बी के साथ 420 और 384 आईपीसी और आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 66डी के तहत आरोप पत्र दायर किया है. तलाशी के दौरान सीबीआई को महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य मिले और छह लैपटॉप, आठ मोबाइल फोन और एक आईपैड जब्त किया गया. जांच में वीओआईपी-आधारित कॉल करने और डार्कनेट तक पहुंचने के लिए कंप्यूटर प्रोग्राम के इस्तेमाल का भी पता चला।

प्रधानमंत्री आज दिल्ली में भारत टेक्स 2025 में भाग लेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को शाम 4 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत टेक्स-2025 में भाग लेंगे। इस अवसर पर वे उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

इसमें 120 से अधिक देशों के नीति निर्माता और वैश्विक सीईओ, प्रदर्शक, अंतरराष्ट्रीय खरीदार भाग लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि भारत टेक्स 2025, एक व्यापक स्तर का वैश्विक कार्यक्रम है और इसका आयोजन 14-17 फरवरी को भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह एक विशिष्ठ कार्यक्रम है क्योंकि यह कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला को एक ही मंच पर एक साथ लाता है। भारत टेक्स प्लेटफॉर्म कपड़ा उद्योग का सबसे बड़ा और सबसे व्यापक आयोजन है, जिसमें दो स्थलों पर फैला एक मेगा एक्सपो शामिल है। इसमें संपूर्ण वस्त्र पारिस्थितिकी व्यवस्था को प्रदर्शित किया जाएगा। इस दौरान हैकथॉन आधारित स्टार्टअप पिच फेस्ट और इनोवेशन फेस्ट, टेक टैंक और डिजाइन चुनौतियों को भी शामिल किया गया है और यह प्रमुख निवेशकों के माध्यम से स्टार्टअप के लिए वित्तपोषण के अवसर प्रदान करेंगी। बयान में कहा गया है कि 17 फरवरी तक चलने वाले भारत टेक्स 2025 में नीति निर्माताओं, वैश्विक सीईओ के साथ-साथ 5000 से अधिक प्रदर्शकों, 120 से अधिक देशों के 6000 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और अन्य आगंतुकों के आने की उम्मीद है।

केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ीं, अब सीवीसी ने दिए शीशमहल की जांच के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ना शुरू हो गई हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने भाजपा की ओर से केजरीवाल के मुख्यमंत्री आवास यानी शीशमहल के रिनोवेशन पर किए गए खर्च को लेकर लगाए गए आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले में नवंबर 2024 से ही सीवीसी के आदेश पर जांच चल रही थी। अब केजरीवाल पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है। सीवीसी ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को उन आरोपों की विस्तृत जांच करने के लिए कहा है, जिनमें कहा गया है कि 40,000 वर्ग गज (करीब 8 एकड़) जमीन में आलीशान बंगले (शीशमहल) के निर्माण में भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन किया गया है। बता दें कि इस मामले में पहली बार 14 अक्टूबर, 2024 को भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता ने सीवीसी में शिकायत दी थी। उसके बाद सीवीसी ने सीपीडब्ल्यूडी को प्राथमिक जांच के आदेश दिए थे। सीवीसी को दी गई शिकायत में गुप्ता ने आरोप लगाया था कि राजपुर रोड पर प्लॉट नंबर 45, 47 और 2 बंगले 8-ए और 8-बी को ध्वस्त कर दिया गया और नया आवास बनाया गया। गुप्ता का आरोप था कि केजरीवाल ने करदाताओं के करोड़ों रुपये को अपने आवास की लग्जरी सुविधाएं बढ़ाने पर खर्च किया और वह भी उचित सीमा से कही अधिक था। इस मामले में सीवीसी ने 15 फरवरी को विस्तृत जांच करने का आदेश दे दिए।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना भारत सरकार का दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम : नड्डा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना भारत सरकार का दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम है। इसकी शुरुआत 10 करोड़ 74 लाख परिवारों से हुई यानी 55 करोड़ लोग शामिल थे। इस तरह से भारतीय आबादी के 40 प्रतिशत लोगों को स्वास्थ्य कवरेज मिला। शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री नड्डा ने अंतरराष्ट्रीय बाल कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में एम्स में आयोजित ऑन्कोलॉजी कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग योजना की शुरुआत की गई थी। आज यह दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कवरेज कार्यक्रम है। इस योजना से अब 36 लाख आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और अन्य को जोड़ा गया है। अब तीसरे कार्यकाल में इस योजना में 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वरिष्ठ नागरिक को शामिल कर लिया गया है, फिर चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। इस तरह अब वे पांच लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के लिए पात्र हैं। इसके साथ अब इस योजना का लाभ भारतीय आबादी का लगभग 40 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। पीएमजेएवाई से लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। नड्डा ने कहा कि केवल छह वर्षों में एम्स झज्जर एक विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में उभरा है, जिसने चिकित्सा उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित किए हैं। संकाय सदस्यों, डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को हार्दिक बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इनके अथक प्रयासों ने इस संस्थान को प्रतिष्ठित और उच्च गुणवत्ता वाले स्वास्थ्य देखभाल केंद्र में बदल दिया है। उन्होंने स्टेट आफ आर्ट राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की सुविधाओं को निरीक्षण भी किया और बाढ़सा गांव स्थित एम्स-2 (राष्ट्रीय कैंसर संस्थान) में उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करते हुए कई नई सुविधाओं का शुभारंभ किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इन सेवाओं

को जनता को समर्पित किया। इसके साथ नई स्वास्थ्य सेवाओं में बोन मैरो ट्रांसप्लांट इकाई की शुरुआत हुई। इससे रक्त कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा मिलेगी। उन्होंने नाभिकीय चिकित्सा विभाग के तहत कैंसर के आधुनिक इलाज के लिए रेडियो न्युक्लिड थेरेपी वार्ड का शुभारंभ किया।

कनाडा की सबसे बड़ी चोरी का आरोपी चंडीगढ़ में, 173 करोड़ रुपये का सोना चुराया था

चंडीगढ़। कनाडा के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी का मुख्य आरोपी सिमरन प्रीत पनेसर चंडीगढ़ में एक किराए के घर में रह रहा है। पनेसर एयर कनाडा एयरलाइन का पूर्व मैनेजर है और कनाडा में करीब 173 करोड़ रुपये की चोरी में शामिल रहा है। पनेसर चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में अपनी पत्नी के साथ रह रहा है और पारिवारिक कारोबार संभाल रहा है। कनाडा ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर रखा है। रिपोर्ट के मुताबकि, अप्रैल 2023 में टोरंटो के पियर्सन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो टर्मिनल से 400 किलोग्राम की 6,600 सोने की छड़ें और लगभग 2.5 मिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा चोरी हो गई थी। यह सामान स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से एक विमान में आया था और कार्गो में आते ही कुछ ही घंटों के भीतर गायब कर दिया गया था। इस पूरी वारदात में पनेसर समेत 9 आरोपी शामिल थे। सूत्रों ने कनाडा की पील क्षेत्रीय पुलिस के दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि मामले पर बीते एक साल से 20 अधिकारियों की टीम जांच में जुटी है। टीम ने कई लोगों से पूछताछ की, रिकॉर्ड खंगाले और सीसीटीवी कैमरों से फुटेज जुटाई। जिस ट्रक में सोना था उसके 28 किलोमीटर के सफर और कार्गो टर्मिनल के पूरे वीडियो फुटेज जांचे गए, जिसमें टीम को 4 हफ्ते लगे।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश के आसार, मौसम विभाग में ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में दिन के समय बढ़ते तापमान के कारण फरवरी में ही गर्मी का एहसास हो रहा है। दूसरी तरफ कई इलाकों में सुबह-शाम के वक्त अभी भी गलन के कारण लोग परेशान हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, हिमालयी क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से उत्तर भारत में फिर से मौसम में बदलाव आएगा। इससे पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और 20 फरवरी तक मैदानी इलाकों में बारिश होने के आसार बने हुए हैं। दिल्ली में तल्ख धूप के कारण गर्मी परेशान करने लगी है। शुक्रवार को दिनभर धूप खिली रही, जिससे अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री अधिक 26.4 दर्ज किया गया और न्यूनतम 10.7 डिग्री रहा है। शनिवार (15 फरवरी) को अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 11 डिग्री के आस-पास रहने की संभावना जताई गई है। राजधानी में 18 फरवरी के बाद पश्चिमी विक्षोभ का असर दिखाई दे सकता है, जिससे आंशिक तौर पर बादल छाए रह सकते हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली समुद्री हवाओं की वजह से राजस्थान और गुजरात के कई हिस्सों में तापमान 2 से 3 डिग्री नीचे आ गया है। इससे जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर में 20 फरवरी तक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ज्यादातर हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और तापमान माइनस में रहने की संभावना है।

लोकतंत्र पर उठा सवाल तो जयशंकर ने जर्मनी में स्याही लगी फिंगर दिखाई

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से जर्मनी के म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में जब उनसे पूछा कि क्या वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र खतरे में है, तो उन्होंने स्याही लगी इंडेक्स फिंगर दिखाई। अपनी उंगली दिखाते हुए जयशंकर ने कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र केवल एक सिद्धांत नहीं बल्कि एक डिलीवर किया गया वादा है। इसके बाद जयशंकर ने खतरे में लोकतंत्र का झंडा बुलंद करने वाले पश्चिमी देशों को आईना दिखाया। बांग्लादेश का नाम लिए बगैर वहां अमेरिका की चालबाजी पर कटाक्ष किया। जयशंकर ने कहा कि पश्चिम ने

- कहा- पश्चिमी देश बाकी दुनिया पर अपने लोकतंत्र का मॉडल थोपने में लगे

ग्लोबल साउथ में गैर-लोकतांत्रिक ताकतों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देश बाकी दुनिया पर अपने लोकतंत्र का मॉडल थोपने में लगे हैं, उन्हें भी पश्चिम के बाहर के सफल मॉडलों को अपनाना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि एक समय था जब पश्चिम ने लोकतंत्र को एक पश्चिमी विशेषता के रूप में माना और वैश्विक दक्षिण में गैर-लोकतांत्रिक ताकतों को प्रोत्साहित करने में व्यस्त था और यह अभी भी ऐसा ही करता है। विदेश मंत्री शुक्रवार को म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में चुनावों के दौरान करीब दो-तिहाई वोटर मतदान करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल हमारे यहां आम चुनाव हुए, जिसमें करीब 900 मिलियन मतदाताओं में से 700 मिलियन ने वोट डाला। एक ही दिन में गिनती होती है और नतीजों पर कोई विवाद नहीं होता।

परमाणु ऊर्जा का पावरहाउस बनेगा भारतः केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने हाल ही में कहा कि विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन की शुरुआत घरेलू परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने और एडवांस्ड परमाणु टेक्नोलॉजी को स्थापित करने की एक बड़ी योजना की रूपरेखा तैयार करती है। भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाते हुए केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए 20,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसका लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए एसएमआर को चालू करना है।

भारत को नए युग के उद्योगों में प्रतिस्पर्धा के लिए खोखले भाषणों की नहीं, मज़बूत उत्पादन आधार की जरूरत : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारत में प्रतिभा तो है, लेकिन उसे अपने युवाओं को रोजगार देने के लिए नई तकनीक में औद्योगिक कौशल का निर्माण करने के लिए मजबूत उत्पादन आधार की जरूरत है, न कि खोखले भाषणों की। राहुल गांधी ने शनिवार को एक्स पोस्ट में इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे चीन ने ड्रोन का उत्पादन शुरू किया है जो दुनियाभर में युद्ध में क्रांति ला रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी बनने के लिए एक रणनीति विकसित करने की आवश्यकता है। राहुल गांधी ने इस पोस्ट के साथ ड्रोन तकनीक पर नौ मिनट का एक वीडियो भी टैग किया है। उन्होंने कहा कि ड्रोन ने युद्ध लड़ने के तरीके को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। बैटरी, मोटर और ऑप्टिक्स के संयोजन से

युद्ध के मैदान में घात-प्रतिघात और संचार में अभूतपूर्व बदवाल आया है लेकिन ड्रोन सिर्फ एक टेक्नोलॉजी भर नहीं है वह एक मज़बूत इंडस्ट्रियल सिस्टम द्वारा ज़मीनी और छोटे-छोटे स्तर पर उत्पादित होने वाला नवाचार है। राहुल ने कहा कि ड्रोन्स ने टैंक, तोप और यहां तक कि एयरक्राफ्ट कैरियर के महत्व को भी कम कर दिया है। एयर पावर को प्लाटून लेवल तक ला दिया है और युद्धक्षेत्र में खुफिया तंत्र एवं सटीकता को नया रूप दिया है लेकिन यह क्रांति सिर्फ युद्ध तक सीमित नहीं है बल्कि यह उद्योग, एआई और अगली पीढ़ी की तकनीक की भी बात है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री इसे समझने में असफल रहे हैं। ऐसे समय में जब वह एआई पर सिर्फ़ 'टेलीप्रॉम्प्टर' से पढ़कर भाषण देने में लगे हैं, हमारे कंपिटिटर्स नई टेक्नोलॉजी में महारत हासिल कर रहे हैं। भारत को खोखले भाषणों की नहीं बल्कि मजबूत उत्पादन बेस की ज़रूरत है। असली शक्ति सिर्फ ड्रोन बनाने में नहीं, बल्कि उनके पीछे की इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और उत्पादन तंत्र को नियंत्रित करने में है, लेकिन भारत इस क्षेत्र में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम एआई या तकनीक में नेतृत्व नहीं कर सकते अगर हमारा उत्पादन पर नियंत्रण नहीं है। हमने अपनी उपभोक्ता डेटा सौंप दी है।

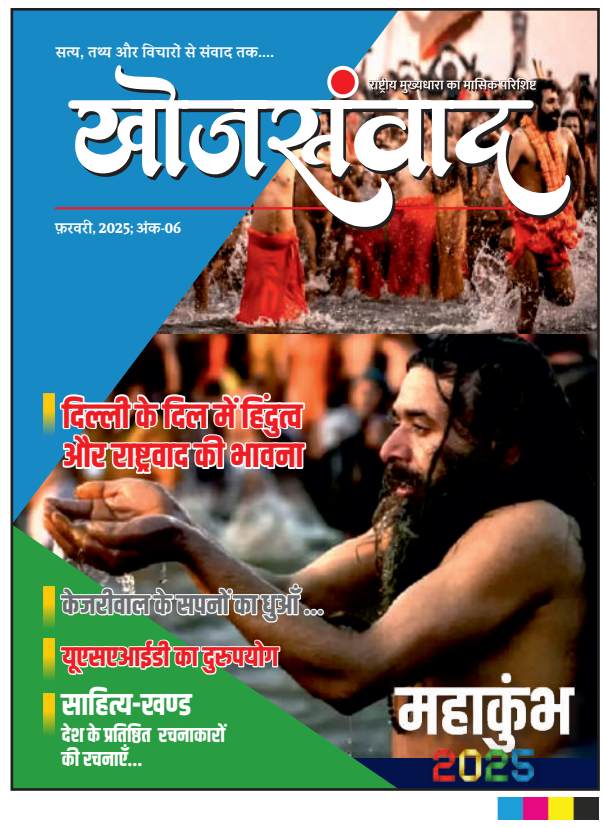

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

दूर नहीं हो रहा एचईसी कर्मियों के वेतन का संकट

एजेंसी:रांची। एचईसी कर्मियों के वेतन संबंधित संकट दूर नहीं हो रहा है। 26 माह से वेतन नहीं मिलने से कर्मियों में घोर निराशा है। कर्मचारी पाई पाई का मुहताज हो गए हैं। उनके पास घर चलाने के लिए पैसे नहीं हैं। हालांकि कई कर्मी वैकल्पिक रोजगार कर किसी तरह से घर परिवार का खर्च वहन कर रहे हैं, लेकिन अधिसंख्य कर्मचारी टकटकी लगाकर एचईसी प्रबंधन और केंद्र सरकार की ओर देख रहे हैं। कर्मचारियों को एचईसी प्रबंधन की ओर से पिछले वर्ष नवंबर माह में महज 15 दिनों का वेतन छठ महापर्व को लेकर दिया गया था। लेकिन उसके बाद फिर किसी तरह का भुगतान उन्हें नहीं किया गया है। यही वजह है कि कई कर्मियों के बच्चों की पढाई भी छूटने को है। उल्लेखनीय है कि एचईसी में लगभग 2340 कर्मचारी और अधिकारी हैं, जिसमें 1400 ठेका कर्मचारी और शेष 900 अधिकारी और स्थायी कर्मचारी शामिल हैं। कर्मियों का बकाया 26 माह से जबकि अधिकारियों का 29 माह से बकाया है। वहीं एचईसी मंजदूर संघ के महामंत्री रामाशंकर प्रसाद कहते हैं कि कर्मियों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। स्कूल में कर्मियों के बच्चों की फीस कई माह से बकाया है। प्रबंधन को चाहिए कि एचईसी की जमीन पर जिन स्कूलों का संचालन हो रहा है उन स्कूलों में पढ़ रहे कर्मियों के बच्चों की फीस माफ करा दे। ताकि, कर्मियों पर से कुछ आर्थिक बोझ कम हो।

आंदोलनकारी के रूप में रही टेकलाल की पहचान : कमलेश

एजेंसी रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में शनिवार को कांग्रेस भवन में गिरिडीह के पूर्व सांसद और मांडू से पांच बार विधायक, रहे आंदोलनकारी टेकलाल महतो की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं कांग्रेस नेताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किय प्रदेश अध्यक्ष कहा कि टेकलाल महतो के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उनकी पहचान पूरे उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में आंदोलनकारी नेता के रूप में थी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महाजनी प्रथा व धान पेडी की लेवी के खिलाफ चलाये गये आंदोलन के अलावा झारखंड अलग राज्य आंदोलन में उनकी सक्रियता रही। बिनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर शिवाजी समाज का गठन कर बाल विवाह के अलावा अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया था। वर्ष 1997 में एकीकृत बिहार विधानसभा में टेकलाल महतो ने ही सर्वप्रथम झारखंड अलग राज्य विधेयक पारित कराया था। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में उन्हें नौकरी मिली थी, लेकिन जनसेवा के जुनून के कारण नौकरी छोड़ कर राजनीति में सक्रिय हो गये। उन्होंने कहा कि 70 के दशक में हजारीबाग के विष्णुगढ़ प्रखंड के खरकी पंचायत स्थित लकमा में महाजनी प्रथा के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय ग्रामीण साधु, सैयनाथ और शनिचर महतो की मौत सीआरपीएफ की गोली से हो गयी थी। इस आंदोलन का नेतृत्व टेकलाल महतो कर रहे थे। उन्होंने धान पेडी की लेवी को काला कानून बताया था। इसके तहत किसानों को 10 रुपये क्विटंल की दर से धान सरकार को बेचना था। झारखंड और छोटानागपुर क्षेत्र के किसान इसके खिलाफ गोलबंद हुए। आंदोलन की अगुवाई कर रहे टेकलाल महतो का कहना था कि सिंचाई की सुविधा नहीं है तो लेवी भी नहीं देंगे। इस आंदोलन ने संयुक्त बिहार सरकार को हिला दिया और उसे झुकना पड़ा था। किसानों ने तब नारा लगाया था। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों राकेश सिन्हा, रविन्द्र सिंह, अभिलाष साहु, रजन वर्मा, विनय सिन्हा दीपू, केके गिरि, डॉ एम तौसीफ अमुल्य नीरज खलखो, कमल ठाकु, खुर्शीद हसन रूमी, विनय कुमार चौबे, केदार पासवान समेत अन्य शामिल थे।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह न्यायालय में हुई पेश, बयान हुआ दर्ज

एजेंसी रांची। ग्रामीण विकास मंत्री सह गोड्डा के महागामा विधायक दीपिका सिंह पांडेय की एमपी-एमएलए विशेष अदालत में शनिवार को पेशी हुई। पेशी एमपी-एमएलए विशेष न्यायाधीश सह एसडीजेएम मोहित चौधरी के न्यायालय में हुई। मामले में बयान दर्ज हुआ। अगली तिथि एक मार्च को निर्धारित है। इससे पहले वाली तिथि में तीन पुलिस पदाधिकारी समेत 12 गवाहों की गवाही गुजरी। सभी गवाहों ने घटना का समर्थन किया। उल्लेखनीय है कि यह मामला वर्ष 2017 का है। जहां क्षेत्र भ्रमण के दौरान महागामा में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति के घायल होने के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया था। इस दौरान कांग्रेस के तत्कालीन जिला अध्यक्ष के रूप में दीपिका पांडेय सिंह घटनास्थल पर पहुंची थी। मामले में कांड संख्या 72/2017 में भादवि की धारा 147,149,353,332,427,283,504,506 एवं 120 बी के तहत प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी युवक को पुलिस ने भेजा जेल, पीड़िता की कराई गई मेडिकल जांच

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र की पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी शाहबाज अंसारी (उम्र 19 वर्ष, पिता नियाजुद्दीन अंसारी) को गिल्हा थाना, बरहेट से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसका मेडिकल परीक्षण किया। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं, पीड़िता की भी महिला चिकित्सक द्वारा मेडिकल जांच कराई गई, जिसके बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

क्या है मामला- इस संबंध में बरहेट थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ थाना कांड संख्या 34/25, दिनांक 14 फरवरी 2025 के तहत धारा 65(1), 79 बीएनएस और 6 पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का हुआ समापन, तेलंगाना पुलिस बनी ओवरऑल चैंपियन

एजेंसी:रांची

रांची के खेलगांव में आयोजित 68 वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट का शनिवार को समापन हो गया। इस पुलिस मीट की शुरुआत 10 फरवरी को हुई थी। पांच दिन तक चले इस प्रतियोगिता में तेलंगाना पुलिस ओवरऑल चैंपियन बनी, जबकि दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश की टीम रही। झारखंड पुलिस की टीम ने एक गोल्ड और चार सिल्वर पदक जीते। इसके अलावा, मध्य प्रदेश की स्वान दस्ते की टीम ने गोल्ड मेडल जीता। इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी में तमिलनाडु की टीम विजेता बनी। उल्लेखनीय है कि इस ड्यूटी मीट में कुल 28 टीमों ने भाग लिया था। वहीं मुख्यमंत्री ट्रॉफी तेलंगाना ने जीती। डॉग स्क्वायड प्रतियोगिता में बीएसएफ की टीम विजेता रही, जबकि तेलंगाना की टीम दूसरे स्थान पर रही। पुलिस फोटोग्राफी में पहला स्थान तमिलनाडु पुलिस को मिला, जबकि दूसरा स्थान आंध्र प्रदेश पुलिस को मिला।कंप्यूटर अवेयरनेस और आईटी कंपटीशन में आईटीबीपी की टीम ने जीत हासिल की। जबकि बीएसएफ दूसरे नंबर पर रही। एंटी सबोटेज चेक में तेलंगाना की टीम विजेता बनी, जबकि दूसरे नंबर पर एसपीजी की टीम रही। बेस्ट डॉग प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के स्वान दस्ते को गोल्ड मेडल मिला। साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन में तेलंगाना की टीम विजेता रही, दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश और तीसरे स्थान पर झारखंड पुलिस की टीम रही। एनसीआरबी ट्रॉफी फॉर एम्पावरिंग पुलिस विद इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी में तमिलनाडु की टीम विजेता बनी। राइफल रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिता, बैंड प्रतियोगिता, साइंटिफिक एंड क्राइम इन्वेस्टिगेशन, पुलिस फोटोग्राफी, कंप्यूटर अवेयरनेस, पुलिस वीडियोग्राफी, एंटी सबोटेज चेक, श्वान दस्ते की प्रतियोगिता, विधि विज्ञान परीक्षा, लिखित मेडिको लीगल मौखिक परीक्षा, पुलिस फोटोग्राफी परीक्षा, पुलिस वीडियोग्राफी परीक्षा, क्राइम इन्वेस्टिगेशन, लॉ रूल्स और कोर्ट जजमेंट, लिफ्टिंग पैकिंग पुलिस पोर्ट्रेट, ऑब्जर्वेशन, कंप्यूटर साक्षरता, श्वान प्रशिक्षण और एंटी सबोटेज चेक इन प्रतियोगिताओं में विभिन्न पुलिस टीमों ने भाग लिया था। मौके पर राज्य पुलिस के कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।

अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट की तैयारी पूरी, उद्घाटन मैच नेपाल-दिल्ली में

एजेंसी:रांची

जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के पुलिस लाइन स्टेडियम में शहीदों की स्मृति में आयोजित हो रहे अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट की तैयारी पूरी कर ली गई है। 16 से 23 फरवरी तक टूर्नामेंट चलेगा। इसमें छह से अधिक चोटी की टीमें भाग लेगी। पलामू पुलिस एवं पलामू फुटबॉल आयोजन समिति की ओर से प्रतियोगिता को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारी चल रही थी। शनिवार को पुलिस लाइन में इस संबंध में जानकारी दी गई। बताया गया कि 16 फरवरी को नेपाल एफसी वर्सेज नॉर्थन रेलवे एफसी दिल्ली, 17 फरवरी को एसईआरएसएसी केपी डिविजन वर्सेज एमईजी सेंटर बैंगलोर, 18 फरवरी को एसबीएसटीसी दुर्गापुर वर्सेज आजाद क्लब समस्तीपुर बिहार, 19 फरवरी को वाईवाईबी एकेडमी वर्सेज पलामू एफसी, 20 एवं 21 फरवरी को सेमीफाइनल एवं 23 फरवरी को फाइनल मैच खेला जाएगा। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि 22 फरवरी को कोलकाता एफसी वर्सेस झारखंड एफसी का शो मैच महिला टीम द्वारा खेला जाएगा। मौके पर मेदिनीनगर के पुलिस निरीक्षक, समिति के सचिव मनोहर कुमार लाली, बबलू गुप्ता, विमल चन्द्रवंशी, ब्रजेश शुक्ला, विक्रांत दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

के. राजू बने झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी

एजेंसी:रांची

कांग्रेस के अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक विभागों के राष्ट्रीय समन्वयक के. राजू (कोप्पुला राजू) को झारखंड प्रदेश कांग्रेस का नया प्रभारी बनाया गया है। इस संबंध में कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार देर रात अधिसूचना जारी की है। के. राजू प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर का स्थान लेंगे। गुलाम अहमद मीर लोकसभा चुनाव के ठीक पहले 23 दिसंबर 2023 को झारखंड के प्रदेश प्रभारी बनाए गए थे। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने झारखंड में लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2024 लड़ा था। लोकसभा में कांग्रेस को दो सीटों पर और विधानसभा में 16 सीटों पर जीत मिली थी। नए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू आंध्र प्रदेश के नेल्लौर के रहने वाले हैं। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसर रहे हैं। संगठन के कार्यों के सिलसिले में वे कई बार झारखंड का दौरा कर चुके हैं। राजू को राहुल गांधी का बहुत करीबी सहयोगी माना जाता है। के. राजू अगस्त 2013 में सुर्खियों में आए थे, जब उन्हें पार्टी की अनुसूचित जाति इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया था। आंध्र प्रदेश के 1981 बैच के आईएएस अधिकारी रहे के. राजू ने 2013 में अपनी सेवा से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस में शामिल हुए थे। सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा और खाद्य सुरक्षा बिल का ड्राफ्ट तैयार करने में भी के. राजू की अहम भूमिका रही है। के. राजू का पूरा नाम कोप्पुला राजू है। वे 2024 के लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश के नेल्लोर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ चुके हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने शपथ पत्र में घोषित किया था कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

कांग्रेस नेताओं ने दी बधाई- प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने नए प्रदेश प्रभारी के राजू को बधाई दी है। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अभिलाष साहू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे, किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. राजेश कुमार गुप्ता छोटू, राकेश कुमार सिन्हा, सोनाल शांति आदि ने बधाई देते हुए कहा है कि के राजू का झारखंड से गहरा और पुराना नाता रहा है। उनके संगठनात्मक अनुभव, कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी सोच से पार्टी को अपार लाभ मिलेगा। उनके मार्गदर्शन में झारखंड कांग्रेस और अधिक सशक्त होगी तथा जनसेवा के मार्ग पर आगे बढ़ेगी।

पूजा सिंघल को विभाग देने पर रोक की मांग, 17 फरवरी को होगी सुनवाई

एजेंसी:रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रांची के पीएमएलए की विशेष अदालत में दाखिल याचिका पर अब 17 फरवरी को सुनवाई होगी। ईडी ने कोर्ट से आग्रह किया है कि मनरेगा घोटाले की अभियुक्त आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को कोई विभागीय जिम्मेदारी न दी जाए। ईडी का कहना है कि यदि राज्य सरकार उन्हें कोई विभाग सौंपती है, तो वे अपने पद का दुरुपयोग कर मामले को प्रभावित कर सकती हैं। इस याचिका पर पूजा सिंघल की ओर से जवाब दाखिल किया जा चुका है, जिसके बाद अब दोनों पक्षों की बहस होगी। गौरतलब है कि ईडी ने पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। इससे पहले, पांच मई को उनके 25 ठिकानों पर छापेमारी में बेहिसाब नकदी और निवेश से जुड़ी अहम जानकारी मिली थी। उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन कुमार सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई थी। पूजा सिंघल को सात दिसंबर को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा कर दिया गया था। हालांकि, वे अब भी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभियुक्त हैं, लेकिन कानूनी प्रावधानों के तहत जेल से बाहर रहने के दौरान उनका निलंबन समाप्त कर दिया गया है।

आंदोलनकारी के रूप में रही टेकलाल की पहचान : कमलेश

एजेंसी: रामगढ़

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में शनिवार को कांग्रेस भवन में गिरिडीह के पूर्व सांसद और मांडू से पांच बार विधायक, रहे आंदोलनकारी टेकलाल महतो की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं कांग्रेस नेताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। प्रदेश अध्यक्ष कहा कि टेकलाल महतो के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उनकी पहचान पूरे उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में आंदोलनकारी नेता के रूप में थी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महाजनी प्रथा व धान पेडी की लेवी के खिलाफ चलाये गये आंदोलन के अलावा झारखंड अलग राज्य आंदोलन में उनकी सक्रियता रही। बिनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर शिवाजी समाज का गठन कर बाल विवाह के अलावा अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया था। वर्ष 1997 में एकीकृत बिहार विधानसभा में टेकलाल महतो ने ही सर्वप्रथम झारखंड अलग राज्य विधेयक पारित कराया था। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में उन्हें नौकरी मिली थी, लेकिन जनसेवा के जुनून के कारण नौकरी छोड़ कर राजनीति में सक्रिय हो गये। उन्होंने कहा कि 70 के दशक में हजारीबाग के विष्णुगढ़ प्रखंड के खरकी पंचायत स्थित लकमा में महाजनी प्रथा के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय ग्रामीण साधु, सैयनाथ और शनिचर महतो की मौत सीआरपीएफ की गोली से हो गयी थी। इस आंदोलन का नेतृत्व टेकलाल महतो कर रहे थे। उन्होंने धान पेडी की लेवी को काला कानून बताया था। इसके तहत किसानों को 10 रुपये क्विटंल की दर से धान सरकार को बेचना था।झारखंड और छोटानागपुर क्षेत्र के किसान इसके खिलाफ गोलबंद हुए। आंदोलन की अगुवाई कर रहे टेकलाल महतो का कहना था कि सिंचाई की सुविधा नहीं है तो लेवी भी नहीं देंगे। इस आंदोलन ने संयुक्त बिहार सरकार को हिला दिया और उसे झुकना पड़ा था। किसानों ने तब नारा लगाया था। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों राकेश सिन्हा, रविन्द्र सिंह, अभिलाष साहु, रजन वर्मा, विनय सिन्हा दीपू, केके गिरि, डॉ एम तौसीफ अमुल्य नीरज खलखो, कमल ठाकु, खुर्शीद हसन रूमी, विनय कुमार चौबे, केदार पासवान समेत अन्य शामिल थे।

नए कानून के तहत चिकित्सक भी निभाएं अपनी जिम्मेदारी : एसपी

एजेंसी: रामगढ़

भारतीय न्याय संहिता को समझ कर पुलिस जिस तरह कार्रवाई कर रही है, उसकी सफलता तभी संभव है, जब चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। शनिवार को एसपी के निर्देश पर रामगढ़ के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को भारतीय न्याय संहिता की नई धाराओं की जानकारी दी गई। एसपी अजय कुमार ने बताया कि जिले में गैर पुलिस कर्मियों जैसे चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ को नए अपराधी कानून के तहत उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारी के बारे में बताया जाना है। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ को नए आपराधिक कानूनों के संबंध में डीएसपी मुख्यालय चन्दन कुमार वत्स के जरिये प्रशिक्षण दिया गया। उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारी से अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण में कुल 68 चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया।

चेन स्नेचिंग करने वाले गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार, गये जेल

एजेंसी: रामगढ़

चेन स्नेचिंग गिरोह का खुलासा करते हुए दुमका पुलिस दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में अनीष कुमार एवं संजू कुमार है। दोनों अपराधी बिहार के कटिहार जिले के थाना कोढ़ा के नया टोला जुराबगंज गांव के रहने वाले है। एसपी पितांबर सिंह खेरवार ने शनिवार को प्रेसवार्ता में बताया कि बीते 14 फरवरी को शिकायतकर्ता कल्याणी दत्ता के लिखित आवेदन के अधार पर चेन स्नेचिंग का अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज करायी थी। लिखित शिकायत में पीड़िता ने बताया था कि बेटे के ससुराल में गुप्ता मेडिकल के सामने वाली गली में टहल रही थी कि इसी बीच एक काला रंग के प्लसर पर सवार दो युवक इनके समीप आये एवं पीछे बैठा अपराधी गले से चेन झपट्टा मार कर छीनकर भाग निकले। इस दौरान महिला ने मोटरसाईकिल प्लसर का रजिस्ट्रेशन नम्बर (जेएच 05बीबी-3463) देखा लिया गया। एसपी ने बताया कि मामला दर्ज कर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी कर दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस गिरफ्तार अपराधियों के पास से आठ हजार नगद समेत घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल, एक आईटेल कम्पनी का किपैड मोबाईल, एयरटेल कम्पनी का एक सिम, आधार कार्ड, खुजली करने वाला पाउडर, मास्टर की, एक पिठु बैग बरामद करने में सफल रही। एसपी ने बताया कि अपराधी इतने शातिर थे कि घटना को अंजाम देकर अपना कपड़ा बदल लेते थे। अपराधी अपने साथ बैग में कपडा लेकर चलते थे।

मंत्री संजय प्रसाद यादव पहुंचे चतरा, अधिकारियों के साथ की बैठक

एजेंसी: रामगढ़

राज्य के श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव शनिवार को चतरा पहुंचे। इस दौरान उपायुक्त रमेश घोलप ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। मंत्री की अध्यक्षता में समाहरणालय में उपायुक्त की उपस्थिति में महाप्रबंधक एनटीपीसी, मगध संघ मित्रा क्षेत्र, आम्रपाली चन्द्रगुप्त, अशोका, पूर्णाडीह एवं संबंधित निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि, रैयत समेत अन्य के साथ बैठक हुई। बैठक में उन्होंने परियोजना क्षेत्र में चलने वाले वाहनों, खनिज, परियोजनाओं में कार्य करने वाले कर्मी, रैयतों को पुनर्वास एवं पुनः स्थापन के तहत मुआवजा भुगतान, कर्मियों को मिलने वाले लाभ, मजदूरों को नियमसंगत दी जाने वाली सुविधाओं, पेयजलापूर्ति समेत अन्य कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की क्रमवार जानकारी लेते हुए परियोजनाओं के अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समीक्षा के क्रम में उन्होंने कहा कि परियोजना क्षेत्र में कितने मजदूर कार्य कर रहें हैं उसमें कितने स्थानीय है मजदूरों को नियमसंगत मानदेय दिया जा रहा है या नहीं। मजदूरों को नियम संगत दी जानी वाली सुविधाओं का सूची उपलब्ध करायें। बैठक में पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

डीपीडीपी एक्ट का पूर्ण अनुपालन करनेवाला देश का पहला पीएसयू बना बीएसएल

बोकारो स्टील प्लांट में एचसीएम प्रणाली की हुई शुरुआत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट (एचसीएम) प्रणाली का गो लाइव किया गया और इसके साथ ही बी एस एल ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते डीपीडीपी (डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण) अधिनियम का पूर्ण अनुपालन करने वाला देश का पहला सार्वजनिक उपक्रम बनने का गौरव भी प्राप्त किया। यह उपलब्धि बीएसएल की डिजिटल परिवर्तन यात्रा और आधुनिक कार्यबल प्रबंधन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बीएसएल द्वारा लागू की गई प्रखर नामक फ्यूजन-आधारित एचसीएम प्रणाली का दूसरा चरण एचआर (मानस संसाधन) प्रक्रियाओं को स्वचालित करने, पारदर्शिता बढ़ाने और कर्मचारी अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना अपने निर्धारित समयावधि में सफलतापूर्वक पूर्ण की गई है।

बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उनके साथ अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी.आर. महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगनी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी.आर. मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीश सेनगुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा, परियोजना कार्यान्वयन भागीदार मैसर्स डेलॉइट के अधिशासी निदेशक मोहित फौगाट, परियोजना प्रबंधक अंकुर अग्रवाल तथा मैसर्स ओरेकल के निदेशक विपुल लहरी भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

माइंस और कोलियरियों में भी लागू होगी प्रणाली- कार्यक्रम की शुरुआत में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया और एचसीएम प्रणाली की विशेषताओं और इसके क्रियान्वयन की दिशा में उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जानकारी दी कि यह प्रणाली मार्च 2025 से बीएसएल के माइंस, सीसीएसओ एवं कोलियरी में भी लागू कर दी जाएगी।

सुलभ और पारदर्शी होगी मानव संसाधन प्रणाली : डीआई- मुख्य अतिथि श्री तिवारी ने एचसीएम प्रणाली में लॉगिन कर गो-लाइव की औपचारिक घोषणा की। अपने संबोधन में उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए एच आर विभाग, वित्त एवं लेखा, सी एंड आई टी सहित समस्त टीम को बधाई दी तथा परियोजना कार्यान्वयन पार्टनर, मैसर्स डेलॉइट और मैसर्स ओरेकल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली एच प्रक्रियाओं को सुलभ और पारदर्शी बनाएगी तथा प्रबंधन और उपयोगकर्ताओं दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होगी। सहायक महाप्रबंधक (एचआर) राहुल त्रिपाठी ने प्रणाली के रोल आउट पर विस्तृत जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि एचसीएम प्रणाली के पहले चरण का शुभारंभ 20 दिसंबर 2024 को सेल के अध्यक्ष श्री अमरेंदु प्रकाश द्वारा वर्चुअली किया गया था। इस अवसर पर सेल के निदेशक (कार्मिक) श्री के.के. सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) हरि मोहन झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन एन.के. झा, उपमहाप्रबंधक (एचआर) एवं प्रगति, सहायक प्रबंधक (एचआर) ने किया।

डिजिटल एचआर मामलों में अग्रणी बना बीएसएल- एचसीएम प्रणाली के सफल क्रियान्वयन के साथ, बोकारो स्टील प्लांट न केवल डिजिटल एचआर समाधान में अग्रणी बन गया है, बल्कि डीपीडीपी अधिनियम के अनुरूप अपने डेटा सुरक्षा ढांचे को भी मजबूत कर रहा है। यह पहल बीएसएल को भविष्य के तकनीकी नवाचारों की दिशा में एक कदम आगे ले जाती है और इसे देश के अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनाती है। बता दें कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 एक सशक्त कानून है, जिसका उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और सबसे महत्वपूर्ण, व्यक्तिगत डेटा का सुरक्षित और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करना है।

संक्षिप्त समाचार

झामुमो के सदस्यता अभियान को सफल बनाने का निर्णय

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : झामुमो कसमार प्रखंड संयोजक मंडली की बैठक शनिवार को प्रखंड संयोजक प्रमुख दिलीप कुमार हेंब्रम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रखंड संयोजक मंडली, पंचायत संयोजक मंडली एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने सदस्यता अभियान को युद्ध स्तर पर चलने का निर्णय लिया। साथ ही पंचायत स्तर पर समितियों का गठन करने का निर्णय भी लिया गया है। बैठक को संबोधित करते हुए दिलीप हेंब्रम ने कहा कि प्रखंड में सदस्यता अभियान को लेकर जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे हर हाल में पूरा करना है। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को तन मन से अभियान को सफल बनाने की जरूरत है। बैठक में अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी भी तय की गयी। बैठक में प्रखंड संयोजक मंडली के उपप्रमुख शेरे आलम उर्फ़ सोनू, प्रमुख मंडली के सदस्य सुभाष चंद्र ठाकुर, विमल कुमार जायसवाल, सोहेल अंसारी, धीरेंद्र नाथ महतो, विनोद महतो एवं सभी पंचायत मंडली के प्रमुख, उपप्रमुख आदि मौजूद थे।

कसमार में भाकपा माले में शामिल हुए कई सीपीएम नेता

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : भाकपा माले कसमार प्रखंड कमिटी की ओर से शनिवार को खैराचातर में एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के जिला सचिव देवद्वीप सिंह दिवाकर, राज्य स्थायी कमिटी सदस्य भुवनेश्वर केवट मुख्य रूप से मौजूद थे। इस दौरान मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी माकपा के कसमार प्रखंड सचिव शकुर अंसारी समेत अन्य कार्यकर्ता भाकपा माले में शामिल हुए। शामिल होनेवाले सभी नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाते हुए उन्हें शपथ दिलाई गई। इस दौरान भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य भुवनेश्वर केवट ने कहा कि देश के हिंदी भाषी क्षेत्रों में भाकपा माले लाल झंडे में सबसे मजबूत ताकत के रूप में उभरी है। आज सुनियोजित तरीके से नफरत और हिंसा की राजनिति को बढ़ावा दिया जा रहा है। सांप्रदायिक सद्भाव और भाईचारे के लिए माले जैसी क्रान्तिकारी मजबूत धारा के साथ वामपंथि शक्तियों की एक जुटता आज के बदलते राजनीतिक दौर में जरूरी है। भाकपा माले के साथ एकजूटता कॉरपोरेट फासीवाद, लूट और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलन्द करना है। भाकपा माले में शामिल होने वालों में शकूर अंसारी, उमाशंकर महाराज, मुमताज अंसारी, प्रेमचंद घासी, सहदेव महतो, महफूज अंसारी, जुगल करमाली, अरुण कुमार महतो, साहबान अंसारी, निजामुद्दीन अंसारी, बादल जायसवाल शामिल हैं। मौके पर भाकपा माले नेता गंगाधर महतो, अभीविलास भगत, जब्बार अंसारी, राजू महतो, नित्यानंद महतो, नरेश ठाकुर, लोकनाथ सिंह, गोबिंद गंझू,सुरेश गंझू, मृत्युंजय महतो साधु चरण महतो आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

कसमार : झारोटेफ ने मांगों को लेकर शुरू की हस्ताक्षर अभियान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : झारखंड ऑफिसर टीचर्स एंप्लॉईज फेडरेशन के तत्वावधान में राज्य के सरकारी कर्मचारियों के हितार्थ ज्वलंत मांगों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत सिंह एवं राज्य कमेटी के नेतृत्व में राज्य अंतर्गत समस्त जिलों में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की जा रही है। हस्ताक्षर अभियान का उद्देश्य कर्मचारियों के ज्वलंत एवं न्यायोचित मांगों से सरकार को अवगत कराने हेतु सामूहिक ज्ञापन सौंपना है। इसको लेकर बोकारो जिला में प्रखंड से लेकर राज्य स्तर तक के चरणबद्ध कार्यक्रम का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है।

जिसमें संगठन के द्वारा वर्तमान सरकार के समक्ष अपने चार्टर्ड ऑफ डिमांड के प्राथमिक मांगों को रखा गया है, जिसमें शिक्षक संवर्ग को अन्य राज्य कर्मियों की भांति एमएसीपी का लाभ प्रदान करने, राज्य कर्मियों के सेवानिवृति की उम्र को 62 वर्ष करने एवं केंद्रीय कर्मचारियों की भांति राज्य कर्मियों को शिशु शिक्षण भत्ता का लाभ देने की मांग शामिल है।

इस संदर्भ में झारोटेफ, बोकारो के जिलाध्यक्ष सह झारखंड के उपमहासचिव संजय कुमार,

प्रांतीय महासचिव उज्जवल कुमार तिवारी ने कहा कि इस अभियान के प्रथम चरण में 7 फरवरी से 28 फरवरी तक समस्त राज्य कर्मियों के मध्य राज्य कर्मियों के ज्वलंत मांगों के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अगले चरण में यह हस्ताक्षरित ज्ञापन अलग-अलग माध्यमों से मुख्यमंत्री को भेजी जाएगी। कसमार प्रखंड के झारोटेफ आंदोलन के प्रखंड सचिव डॉ रणजीत कुमार झा ने प्रखंड के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से हस्ताक्षर अभियान में बढ़ - चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

विशाखापत्तनम ने जीता इंटर-स्टील प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : स्टील प्लांट्स स्पोर्ट्स बोर्ड (एसपीएसबी) के अंतर्गत सत्र 2024-25 के लिए बीएसएल की मेज़बानी में आयोजित इंटर-स्टील प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप का फाइनल मैच शनिवार को क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया जिसमें एक रोचक मुकाबले में आरआईएनएल विशाखापत्तनम ने सेलम स्टील प्लांट को 05 विकेट से पराजित कर शानदार विजय प्राप्त की। चैंपियनशिप के समापन समारोह में बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। समापन समारोह में अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (माइंस) विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता, अन्य वरीय अधिकारी तथा क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की और जीत हासिल करने पर बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि सलेम स्टील प्लांट तथा बोकारो स्टील प्लांट के बीच 14 फ़रवरी को खेले गए पहले सेमी-फाइनल मैच में सलेम स्टील प्लांट ने 26 रन से जीत दर्ज की। दूसरे सेमी-फाइनल मैच में आरआईएनएल ने दुर्गापुर स्टील प्लांट को 09 विकेट से पराजित किया। 15 फ़रवरी को खेले गए फाइनल मैच में आरआईएनएल विशाखापत्तनम की टीम के सी श्रीनिवास को मैन ऑफ़ द मैच तथा एम हेमंथ रेड्डी को मैन ऑफ़ द सीरीज का पुरस्कार प्रदान किया गया।

जेईई मेन- 1 के बोकारो टॉपर ने जूनियरों को बताया कामयाबी का मंत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जेईई मेन- 1 में 99.85 परसेंटाइल के साथ बोकारो के टॉपर रहे ओम कुमार ने अपने विद्यालय बोकारो पब्लिक स्कूल पहुंचकर अपने जूनियरों को कामयाबी का मंत्र दिया। उसने कहा कि एनसीईआरटी की किताबों पर भर भरोसा करें इससे बेसिक समझ मजबूत होगी। परीक्षा में सवालों को हल करने में असानी होगी। बोकारो पब्लिक स्कूल सेक्टर तीन के छात्र ओम कुमार के माता - पिता स्थानीय सेक्टर आठ निवासी हैं। पिता ऋशि प्रसाद जो पेषे से सरकारी विद्यालय जामगोड़िया के प्रभारी हैं एवं मां रागिनी प्रसाद गृहणी है। ओम कुमार सहित स्कूल के जेईई मेन्स में सफल अन्य छात्रों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में सभी सफल विद्यार्थियों के माता - पिता भी शामिल थे। सफल विद्यार्थियों को प्राचार्या डॉ. सुधा शेखर ने सम्मानित किया। ओम ने बताया जेईई मेन्स परीक्षा की तैयारी के लिए मॉक टेस्ट बहुत जरूरी है। परीक्षार्थी जितना भी मॉक टेस्ट हल कर सकते हैं, जरूर करें इससे परीक्षा में पेपर को सही तरीके से हल करने की रणनिति समझ में आयेगी। प्रतिदिन चार से पांच घंटे की सेल्फ स्टडी जरूरी है। रेगुलर प्रैक्टिस और मजबूत रणनिति से सफलता जरूर मिलेगी।

उक्त अवसर पर ओम कुमार के साथ-साथ विद्यालय के अन्य सफल छात्र साहिल मूर्मू, आलोक बाउरी एवं सौरभ कुमार को भी सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय के निदेशक कैप्टेन आर.सी.यादव, प्राचार्या डॉ. सुधा शेखर, उप प्राचार्य विश्वजीत पाल, वरीय शिक्षक अजीत कुमार झा, अरविन्द कुमार, केदार कुमार के साथ अन्य शिक्षक - शिक्षिकाओं ने भी प्रसन्नता प्रकट करते हुए सभी सफल छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

» बेसिक मजबूत करने के लिए एनसीईआरटी की किताबों पर करें भरोसा : ओम

बोकारो में 20 केन्द्रों पर शांतिपूर्वक शुरू हुईं सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं

पहले दिन 9154 परीक्षार्थी रहे उपस्थित व 54 अनुपस्थित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सीबीएसई नई दिल्ली द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं शनिवार को बोकारो में शांतिपूर्ण माहौल में कदाचार मुक्त रूप से शुरू हो गईं। बोकारो जिले में कुल 20 परीक्षा केंद्रों पर कुल 9154 परीक्षार्थियों ने पहले दिन 10वीं के इंग्लिश (लैंग्वेज एंड लिटरेचर), इंग्लिश (कम्युनिकेटिव) तथा 12वीं के एंटरप्रेन्योरशिप की परीक्षा दी। कुल 54 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दसवीं की परीक्षा इंग्लिश (लैंग्वेज एंड लिटरेचर) में 8655 परीक्षार्थी उपस्थित थे एवं 53 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, 10वीं के ही इंग्लिश (कम्युनिकेटिव) में 345 बच्चे उपस्थित हुए एवं एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। 12वीं की परीक्षा में एंटरप्रेन्योरशिप विषय में कुल 18 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।

सुरक्षा मानकों का रखा गया है पूरा ख्याल : को-आर्डिनेटर सूरज- बोकारो में सीबीएसई के सिटी को-ऑर्डिनेटर सह- चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि शनिवार की परीक्षा बहुत ही शांतिपूर्ण वातावरण में सुचारू रूप से कदाचार मुक्त आयोजित की गई। लगभग सभी छात्र-छात्राएं समय पर उपस्थित थे। पूरी परीक्षा सीबीएसई गाइडलाइन के अंतर्गत आयोजित की गई। सभी सुरक्षा मानकों का पूरा इंतजाम किया गया था, जिसमें सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था के साथ परीक्षा प्रारंभ की गई। परीक्षा कक्षा में सभी विद्यार्थी प्रवेश-पत्र के साथ उपस्थित थे। परीक्षा केन्द्र पर वीक्षकों व सुरक्षाकर्मी के सहयोग से परीक्षार्थियो की जांच की गई। सभी शिक्षकों द्वारा सकारात्मक माहौल में परीक्षा का आयोजन किया गया।

बोले परीक्षार्थी- आसान थे सवाल- परीक्षा केन्द्र से निकलते समय विद्यार्थी काफी खुश दिखे और बताया कि पेपर आसान था, जिसे उन्होंने समय पर हल कर लिया और रिवीजन भी किया। पेपर आसान रहने से उन्हें काफी संतुष्टि मिली। सिटी कोआर्डिनेटर श्री शर्मा ने बताया कि आने वाली सभी परीक्षाएं इसी तरह सकारात्मक माहौल में कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण आयोजित की जाएंगी।

भाजपा की बैठक में पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतीय जनता पार्टी कसमार प्रखंड कमिटी की बैठक शनिवार को प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार महतो की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में हुई। बैठक में प्रखंड प्रभारी सुभाष चंद्र महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान पार्टी के संगठन महापर्व मंडल चुनाव कार्यशाला को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान प्रखंड प्रभारी सुभाष चंद्र महतो ने कसमार प्रखंड के सभी 15 पंचायतों में पार्टी की जोरदार उपस्थिति को लेकर सदस्यता अभियान को तेज करने एवं संगठन की मजबूती को लेकर दिन रात मेहनत करने का निर्देश पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया। मौके पर परमेश्वर नायक, भवानी प्रसाद मुखर्जी, सुदामा महतो, यदुनंदन जायसवाल, ओम प्रकाश प्रजापति, अजय ठाकुर, रामचरण महतो, राहुल मुखर्जी, प्रताप सिंह, अशोक कुमार महतो, आनंद कुमार महतो, कृष्ण किशोर जायसवाल, संतोष कुमार महतो, दीपक कुमार जायसवाल समेत अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

बोकारो में संताली को प्रथम राजभाषा बनाने की मांग, 21 फरवरी को बाइक रैली

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः आदिवासी सेंगेल अभियान के तत्वावधान में 15 फरवरी 2025 को सेक्टर-12/A, क्वार्टर संख्या-2266 में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सेंगेल जिला अध्यक्ष सुखदेव मुर्मू ने की। इसमें अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी) के अवसर पर झारखंड में संताली भाषा को प्रथम राजभाषा का दर्जा देने की मांग को लेकर संताली राजभाषा बाइक रैली को सफल बनाने पर चर्चा हुई।

21 फरवरी को आयोजित होगी भव्य बाइक रैली- सेंगेल संगठन के अनुसार, 21 फरवरी 2025 को जैनामोड़ स्थित वीर शहीद तिलक मुर्मू चौक से वीर शहीद बिरसा मुंडा चौक होते हुए बोकारो उपायुक्त कार्यालय तक संताली राजभाषा बाइक रैली निकाली जाएगी। इसके बाद उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

संताली भाषा को मिले राजभाषा का दर्जा- सेंगेल संगठन का कहना है कि झारखंड की आदिवासी भाषाओं में संताली सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। पूर्व सांसद सालखन मुर्मू के नेतृत्व में 22 दिसंबर 2003 को संताली को आठवीं अनुसूची में शामिल कर राष्ट्रीय मान्यता दी गई थी, लेकिन अब तक झारखंड में इसे प्रथम राजभाषा का दर्जा नहीं मिला है।

संगठन की अपील- सेंगेल संगठन ने बोकारो जिला के सभी आदिवासी जनसंगठनों से बाइक रैली में भाग लेने की अपील की है। संगठन का कहना है कि यदि आदिवासी संगठनों ने इस अभियान में भाग नहीं लिया तो उन पर आदिवासियों के हितों की अनदेखी और ठगी का ठप्पा लग सकता है।

बैठक में ये रहे शामिल- इस बैठक में सेंगेल के केंद्रीय संयोजक हराधन मार्डी, झारखंड प्रदेश संयोजक करमचंद हांसदा, जयराम सोरेन, सेंगेल युवा मोर्चा चास प्रखंड अध्यक्ष कालीचरण किस्कू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मेडिकैंट अस्पताल में अत्याधुनिक आपातकालीन और ट्रॉमा केंद्र का शुभारंभ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : मेडिकैंट अस्पताल में एक अत्याधुनिक आपातकालीन और ट्रॉमा केंद्र का भव्य शुभारंभ किया गया। यह केंद्र नवीनतम चिकित्सा सुविधाओं से लैस है और आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित और उच्च स्तरीय चिकित्सा सहायता प्रदान करेगा।

इंद्रेश कुमार (राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य, आरएसएस) ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया और इसे शहरवासियों के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं, हृदयाघात और अन्य गंभीर आपात स्थितियों में यह केंद्र जीवनरक्षक सेवाएं प्रदान करेगा। उनके साथ गोलोक बिहारी राय (राष्ट्रीय महासचिव), कर्नल जाहिर मुस्तफा, डॉ. नवनीत गुलेरिया (निदेशक, हिमालयन वेलफेयर फाउंडेशन) और प्रो. शाहिद अख्तर (अध्यक्ष, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग) भी उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने इस पहल को बोकारो में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र अनुभवी डॉक्टरों और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा 24x7 सेवाएं प्रदान करेगा।

मेडिकैंट अस्पताल के सीएमडी, डॉ. माजिद अहमद तालिकोटी ने बताया कि इस केंद्र में इमरजेंसी ऑपरेशन थिएटर, उन्नत वेंटिलेशन सुविधा, एम्बुलेंस सेवा और विशेष ट्रॉमा केयर यूनिट जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इस शुभारंभ समारोह में शहर के कई गणमान्य व्यक्ति, चिकित्सा विशेषज्ञ और स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस नए ट्रॉमा केंद्र से न केवल बोकारो, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को भी त्वरित और बेहतर आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

FJCCI के व्यापार मेले में "संगीत सरिता" और "भगवा नारी सेना" ने गायकी से बांधा शमा

राष्ट्रीय मुख्यधारा: रांची : स्थानीय मोराबादी मैदान में लगे ट्रेड फेयर में संगीत सरिता और भगवा नारी सेना के गायक कलाकारों में अपनी गायकी का शानदार प्रदर्शन किया।

सबसे पहले पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उसके बाद लगातार गायकी का कार्यक्रम चलता रहा।

मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, मंत्री फुरकान अंसारी, मंत्री सुदिव्य कुमार एवं CWC की तनुश्री सरकार थे।

सभी का अभिनंदन एवं सम्मान , संगीत सरिता की विनाश्री सरकार और भगवा नारी की पिया बर्मन ने किया अमित शर्मा, FJCCI के आदित्य मल्होत्रा का धन्यवाद साथ ही IFA के डायरेक्टर साबिर हुसैन सर,सोहेल खान ,नान्हु भाई ,गुलजार खान ,परवेज भाई ,तब्बु भाई, साजीदभाई, वाजीद जी ,हैदर भाई, अनुम भाई, इरफान भाई, कुमार गहलोत,कविता होरो, नमिता,सीमा जी, माधवी जी, अहाना मिष्टी, कृतिका, लीना जी, अफताब भाई, नवनीत, अमित जी, राजेश जी, पराग सहाय, निर्भय जी, रीता,सुलोचना सहदेव,रिजवान जी आदि ने संगीत से सबका मन मोह लिया,CWC के चेयरपर्सन तनुश्री सरकार ने सभी को शुभकामनाएं दीं राजीव रंजन मिश्रा ने शहीदों को श्रद्धांजलि दीं, FJCCI के सभी लोगों का दिल से धन्यबाद

चेम्बर के आनंद जालान एवं गिरिजा शंकर पेड़ीवाल दोनों संस्थाओं के विशेष सहयोगी की भूमिका में, थे।वीणा श्री और उपेन्द्र जी नें देशभक्ति गीत गाकर पुलवामा मे शाहिद हुए वीरो को सच्ची श्रद्धांजलि दी, समाज सेवी पिया बर्मन ने सभी को धन्यबाद दिया

उप विकास आयुक्त ने किया पहाड़िया गांवों का मैराथन दौरा, जरूरतमंदों के बीच कम्बल वितरित

राष्ट्रीय मुख्यधारा: साहिबगंज: उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ बोरियो प्रखंड के दुर्गाटोला पंचायत अंतर्गत धोधी बेड़ों और मीरपहाड़ गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आदिम जनजाति समुदाय के सैकड़ों महिला-पुरुषों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया।

सरकारी योजनाओं की समीक्षा और निरीक्षण- उप विकास आयुक्त ने गांवों में पेयजल, शौचालय, आंगनबाड़ी केंद्र, सड़क, जनमन योजना, आवास, खेल के मैदान सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, जनमन योजना, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं का स्थल निरीक्षण भी किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि लाभार्थियों को जल्द से जल्द उनका लाभ मिल सके।

कमजोर वर्ग को ठंड से राहत, कंबल वितरण- उप विकास आयुक्त ने सैकड़ों आदिम जनजाति ग्रामीणों के बीच कंबल वितरित किए और उन्हें ठंड से राहत दिलाने का प्रयास किया। उन्होंने सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी और उनसे इनका अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

इस मैराथन दौरे के दौरान प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा: साहिबगंज: शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सदर प्रखंड में ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का संयुक्त उद्घाटन सिविल सर्जन साहिबगंज, बीडीओ, MOIC और CO सदर ने किया। कार्यक्रम में मेडिकल ऑफिसर, MO RBSK, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक उपस्थित रहे।

मेले का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाना, नागरिकों को निःशुल्क और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। इस दौरान विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को मजबूत करने और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने पर मुख्य अतिथियों ने जोर दिया।

सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य मेले में लगे विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के कैंपों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बीआईटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में राज्यपाल महोदय का अभिभाषण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांचीः बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की और शिक्षा व नवाचार के क्षेत्र में इसके योगदान को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदया का इस ऐतिहासिक समारोह में आगमन संपूर्ण शिक्षा जगत के लिए सौभाग्य की बात है। राष्ट्रपति महोदया ने झारखंड के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 'पीपुल्स गवर्नर' के रूप में जो जनसेवा की भावना प्रदर्शित की, उसने झारखंडवासियों के हृदय में एक विशेष स्थान बनाया है।

बीआईटी मेसराः नवाचार और शिक्षा का केंद्र- राज्यपाल महोदय ने कहा कि बीआईटी मेसरा देश के अग्रणी तकनीकी संस्थानों में से एक है, जिसने अपनी स्थापना से लेकर अब तक विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। बी.एम. बिड़ला जी द्वारा स्थापित इस संस्थान ने कई प्रतिभाशाली इंजीनियरों और प्रबंधकों को तैयार किया है, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता अर्जित की है।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिससे यह वैश्विक स्तर पर विशिष्ट स्थान प्राप्त कर चुका है। विद्यार्थियों की सोच विकसित करने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नारी शिक्षा और सशक्तिकरण पर विशेष जोर- राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया को नारी शिक्षा की प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान बालिका शिक्षा को विशेष बढ़ावा मिला। उनके प्रयासों से लाखों बेटियाँ उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ रही हैं। दीक्षांत समारोहों में छात्राओं द्वारा छात्रों की तुलना में अधिक स्वर्ण पदक प्राप्त करना इस बदलाव का प्रमाण है।

तकनीकी शिक्षा और आत्मनिर्भर भारत- उन्होंने कहा कि बीआईटी मेसरा सामाजिक समावेशिता और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहाँ संचालित पॉलिटेक्निक संस्थान आदिम जनजातियों और आरक्षित वर्गों के छात्रों को तकनीकी शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान कर रहा है।

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान में बीआईटी की भूमिका- प्रधानमंत्री जी के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को साकार करने में बीआईटी मेसरा का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्यपाल महोदय ने संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएँ और नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता के माध्यम से देश को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बीआईटी मेसरा- राज्यपाल महोदय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उद्देश्य युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम और सशक्त बनाना है। बीआईटी मेसरा इस नीति के अनुरूप अपने पाठ्यक्रमों को समृद्ध कर रहा है और विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों, अनुसंधान और व्यावसायिक कौशल से लैस कर रहा है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह संस्थान भविष्य में भी अपने नवाचारों, शोध और उत्कृष्ट शिक्षा के माध्यम से देश और समाज की सेवा करता रहेगा।

शिक्षक द्वारा छात्र की बेरहमी से पिटाई, ग्रामीणों ने स्कूल में किया जमकर हंगामा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय घाट सेलमपुर में मंगलवार को शिक्षक मिथुन कुमार सिंह द्वारा चौथी और पांचवी कक्षा के छात्रों की बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, शिक्षक ने छात्रों की इतनी बेरहमी से पिटाई की कि उनके शरीर पर जगह-जगह काले और लाल जख्म हो गए।

इस घटना के बाद छात्रों के अभिभावक और ग्रामीण शुक्रवार को स्कूल पहुंचे और जमकर हंगामा किया, जिससे स्कूल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीटे गए छात्रों में छोटू कुमार, गोपाल कुमार, अंश कुमार, अंकुश कुमार, पुष्पा कुमारी और दिवाकर कुमार शामिल हैं। बताया गया है कि शिक्षक मिथुन कुमार सिंह शराब के नशे में थे, जब उन्होंने इन छात्रों को बेरहमी से पीटा।

जब छात्र घर पहुंचे और उनके शरीर पर चोटें देखी गईं, तो अभिभावक गुस्से से भर गए। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने स्कूल में हंगामा किया और शिक्षक की बर्खास्तगी की मांग की। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि इससे पहले भी शिक्षक के खिलाफ शराब पीकर विद्यालय आने की कई शिकायतें की जा चुकी हैं।

विधायक निशात आलम ने ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर समस्याओं से हुईं अवगत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहरवाः पाकुड़ विधायक निशात आलम ने शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के विशनपुर पंचायत के कई गांवों का दौरा कर स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया।

दौरे के दौरान ग्रामीणों ने बिजली, पानी, सड़क, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना की राशि प्राप्त न होने, अबुआ आवास योजना का लाभ न मिलने जैसी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। महिलाओं ने विशेष रूप से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों पर ध्यान आकर्षित कराया।

समस्याओं के समाधान का भरोसा- विधायक निशात आलम ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाएगा और समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर मंगलवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में विधायक कक्ष में उनके प्रतिनिधि बरकत खान आम जनता की समस्याएं सुनते हैं। यदि वे स्वयं उपलब्ध न हों, तो लोग अपनी शिकायतें वहां भी दर्ज करा सकते हैं।

जनता के विश्वास पर जताया आभार- विधायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में भारी समर्थन देने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अबुआ सरकार झारखंड को "सोना झारखंड" बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और पर्यटन विकास को सरकार की प्राथमिकताओं में बताया और कहा कि हेमंत सरकार के नेतृत्व में झारखंड पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूएगा।

मंत्री आलमगीर आलम की कार्यशैली का अनुसरण- निशात आलम ने कहा कि वे अपने चहेते मंत्री आलमगीर आलम की तरह जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान करने के लिए तत्पर रहेंगी। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी भलाई के लिए निरंतर कार्य कर रही है और वे जनसेवा को अपना सर्वोच्च कर्तव्य मानती हैं।

बोकारो जिले में झारोटेफ ने की हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड ऑफिसर टीचर्स एंप्लॉईज फेडरेशन (झारोटेफ) के तत्वावधान में राज्य के सरकारी कर्मचारियों के हितार्थ ज्वलंत मांगों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत सिंह एवं राज्य कमेटी के नेतृत्व में राज्य के सभी जिलों में हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य कर्मचारियों की ज्वलंत एवं न्यायोचित मांगों से सरकार को अवगत कराने हेतु सामूहिक ज्ञापन सौंपना है। इस निमित्त झारोटेफ, बोकारो द्वारा बोकारो जिला में प्रखंड से लेकर राज्य स्तर तक के चरणबद्ध कार्यक्रम का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है।

संगठन की ओर से वर्तमान सरकार के समक्ष अपने चार्टर ऑफ डिमांड की प्राथमिक मांगों को रखा गया है, जिसमें शिक्षक संवर्ग को अन्य राज्य कर्मियों की भांति एमएसीपी का लाभ प्रदान करना, राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र को 62 वर्ष करना एवं केंद्रीय कर्मचारियों की भांति राज्य कर्मियों को शिशु शिक्षण भत्ता का लाभ देना प्रमुख है। इस संदर्भ में झारोटेफ, बोकारो के जिलाध्यक्ष - सह - उपमहासचिव झारखंड एनएमओपीएस संजय कुमार ने कहा कि झारखंड सरकार ने पिछले कार्यकाल में राज्य कर्मियों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिससे स्पष्ट है कि वर्तमान सत्तारूढ़ दल राज्य कर्मियों के हितों पर काम करने को लेकर सकारात्मक है। अब समय आ गया है कि माननीय मुख्यमंत्री जी अपने घोषणा पत्र को लागू करें। झारखंड के मुख्यमंत्री के पिछले कार्यकाल को देखते हुए राज्य कर्मियों को पूर्ण विश्वास है कि वह राज्य कर्मियों की ज्वलंत एवं न्यायोचित मांगों पर यथाशीघ्र कार्रवाई करेंगे। प्रांतीय महासचिव उज्जवल कुमार तिवारी ने कहा कि हस्ताक्षर अभियान के बाद अगले चरण में यह हस्ताक्षरित ज्ञापन अलग-अलग माध्यमों से माननीय मुख्यमंत्री जी को भेजा जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने में बोकारो जिला के विभिन्न विद्यालयों, कार्यालयों, विभागों तथा प्रखंडों के विभिन्न पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कसमार प्रखंड के झारोटेफ आंदोलन के प्रखंड सचिव डॉ रणजीत कुमार झा ने प्रखंड के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से हस्ताक्षर अभियान में बढ़- चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

तालझारी थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन, भूमि विवाद के दो मामलों की हुई सुनवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

तालझारीः थाना परिसर में शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें सीआई विभाष कुमार की उपस्थिति में भूमि विवाद से संबंधित दो मामले सामने आए।

सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना गया, जिसके बाद एक मामले का तत्काल निष्पादन कर दिया गया, जबकि दूसरे मामले को विचाराधीन रखते हुए अगले थाना दिवस पर पुनः सुनवाई के लिए रखा गया।

इस अवसर पर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, एएसआई मनोज आजाद सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। साथ ही, ग्राम प्रधान बबलू मालतो, मोड़े मांझी जोयल मालतो, समाजसेवी रोहित मिखियाल मालतो ने भी सहयोग प्रदान कर मामले के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाकीजा मोड़ से अवैध शराब के साथ गिरफ्तार युवक को राधानगर पुलिस ने भेजा जेल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

उधवाः राधानगर थाना क्षेत्र की पुलिस को शुक्रवार की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पाकिजा मोड़ के पास छक्कू मंडल अपने होटल में बैठकर शराब पिलाते है और नकली अंग्रेजी शराब भी बेचते हैं एवं वो अपने घर में नकली शराब बनाने का भी काम कराते हैं। जहां उक्त सूचना का सनहा दर्ज करते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारीको सूचना दी गई। जहां वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देशानुसार उक्त मामले का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एक छापामारी दल का गठन किया गया। इस छापामारी दल में राधानगर थाना प्रभारी नितेश कुमार पाण्डेय, पुअनि पंकज कुमार दुबे, सअनि संजय कुमार यादव तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। जहां छापामारी दल के साथ पाकिजा मोड़ स्थित छक्कु मंडल के दुकान पर विधिवत छापामारी करते हुए अंग्रेजी शराब एवं बीयर जब्त किया गया तथा अजय मंडल उर्फ छक्कु मंडल को रंगेहाथ पकड़ा गया। वही अजय मंडल उर्फ छक्कू मंडल के घर पर छापामारी करने पर नकली शराब बनाने की सामग्री स्प्रिट केमिकल, स्टीकर, खाली बोतल एवं लेवल बरामद किया गया जिसे विधिवत जब्ती सूची बनाकर जब्त किया गया। इस सम्बंध में राधानगर थाना काण्ड संख्या 47/25 दिनांक 14.02.2025 पारा 274/275/292/338/336 (3)/340(2) भा०-यास एवं 47 (ए) उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अन्य बिन्दुओं पर अनुसंधान किया जा रहा है। उधर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार अभियुक्त को शनिवार को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है जब्त किए सामानों की सूची : किंगफिशर कम्पनी का बीयर 30 पीस, रॉयल स्टैग एमआई 6 पीस, स्प्रिट जिससे नकली शराब बनाया जाता है 32 लीटर, केमिकल जिससे नकली शराब बनाया जाता है करीब 3 लीटर, खाली शराब का बोतल 6 पीस, रॉयल स्टैग का स्टीकर सतरह पीस, लेवल जिसपर झारखण्ड सरकार का लोगो लगा हुआ है 8 पीस.

टीमवर्क और अनुशासन सिखाता है खेल : तिवारी

» बोकारो के ट्रेनीज हॉल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा शनिवार को ट्रेनीज हॉस्टल परिसर में वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता- 2025 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी द्वारा गुब्बारा छोड़कर किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) कुंदन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) मनीष जलोटा के साथ ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के अधिकारी व कर्मचारी, सीनियर ओसीटी, ओसीटी एवं एसीटी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आरंभ में मनीष जलोटा ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने अपने उद्बोधन में खेल-कूद की महत्ता को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को बढ़-चढ़ कर भाग लेने का संदेश दिया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रतियोगिता में खेल भावना से भाग लेते हुए टीम वर्क एवं अनुशासन अपनाते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया।

इस वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के लगभग 350 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया, जिसमें वरीय ओसीटी, ओसीटी एवं एसीटी शामिल थे। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 400 मीटर रिले रेस, शॉट-पुट, टग-ऑफ़-वार, डिस्कस-थ्रो, म्यूजिकल चेयर आदि मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जबकि महिला वर्ग में 50 मीटर रेस, 100 मीटर रेस, डिस्कस-थ्रो, मार्बल स्पून रेस, नीडल थ्रेड रेस, म्यूजिकल चेयर, टग-ऑफ़-वार जैसे खेल आयोजित किये गए। खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन पर सभी 14 खेल आयोजनों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया और विजेताओं को विजेता पदक और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

लक्ष्मी मार्केट हनुमान मंदिर में दो दिवसीय महोत्सव शुरू

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के सेक्टर 4 लक्ष्मी मार्केट स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धा और आस्था का भव्य संगम देखने को मिल रहा है। मंदिर में दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव शुक्रवार को शुरू हुआ। इस अवसर पर 24 घंटे का अखंड अष्टजाम भी शुरू किया गया है। यह आयोजन श्री हनुमान मंदिर, शिव मंदिर समिति की ओर से किया गया है। इस दौरान भगवान शिव की विशेष पूजा भी की रही है। पूजन-अनुष्ठान में श्रद्धालु पूरे श्रद्धा-भाव से भाग ले रहे हैं। मंदिर परिसर में भंडारा भी चल रहा है। मंदिर में विशेष पूजन-अनुष्ठान पंडित अमरजीत मिश्रा के निर्देशन में सात विद्वान पंडितों की टीम कर रही है। इस विशेष अवसर पर मंदिर को रंग-बिरंगी लाइटों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। सांस्कृतिक टीमों के कलाकारों की प्रस्तुतियों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

गोविंदपुर के रेजली तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में गड़बड़ी

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर के ऐतिहासिक रेजली तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने शुक्रवार को विरोध किया। लघु सिंचाई प्रमंडल धनबाद के कार्यपालक अभियंता के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। तालाब का जीर्णोद्धार डीएमएफटी फंड से 5 करोड़ की लागत से होना है। एक प्रतिनिधिमंडल ने कार्यस्थल जाकर निर्माण का जायजा लिया। आरोप लगाया कि बालू की जगह क्रशर डस्ट से दीवार की जोड़ाई की जा रही है। वरीय अधिवक्ता जया कुमार ने कहा कि इस कार्य में सरकारी राशि की बंदरबांट कर जीर्णोद्धार की खानापूरी की जा रही है। सीमेंट के काम पानी नहीं देने से जोड़ाई फट जा रही है। जया कुमार ने कहा कि लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता को ज्ञापन देकर काम में सुधार की मांग की गई थी, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। संवेदक मनमाने तरीके से काम करवा रहा है। काम प्राक्कलन के अनुरूप नहीं हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति रही तो वह लघु सिंचाई विभाग के खिलाफ पीआईएल दायर करेंगी। मौके पर मुखिया झूमा मुखर्जी, आशीष मांझी, ओमप्रकाश बजाज, मोइन अंसारी, राजीव रंजन, विनोद बर्मन, आनंद जायसवाल, जितेश जायसवाल, बाबू भगत, संजीव सिंह, जयजीत मुखर्जी, अकबर राजा आदि मौजूद थे।

जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति पर सियासत तेज, बीजेपी के बयान पर जेएमएम ने किया पलटवार

रांची, एजेंसी। जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर एक तरफ जहां छात्र सड़क पर हैं। वहीं दूसरी ओर इसको लेकर सियासत शुरू हो गई है। विपक्ष इस बहाने सरकार पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा है। बीजेपी नेता अशोक बड़ाइक ने छात्रों के आंदोलन को सही बताते हुए सरकार से जेपीएससी अध्यक्ष की जल्द से जल्द नियुक्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी जेएसएससी महिला आयोग सहित राज्य की विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं का हालात बेहद ही खराब है। छात्र आंदोलन करते हैं तो उनके ऊपर में कार्रवाई की जाती है। आयोग में अध्यक्ष के नहीं रहने से कई नियुक्ति प्रक्रिया लटकी हुई है। इधर, भारतीय जनता पार्टी के बयान पर पलटवार करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कहा है कि जल्द ही जेपीएससी को नया अध्यक्ष मिलेगा। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जल्दबाजी में गड़बड़ी होने की आशंका रहती है। बाबूलाल मरांडी के समय में पहले और दूसरे जेपीएससी परीक्षा में हुई गड़बड़ी इसका उदाहरण है। झारखंड लोक सेवा आयोग 6 महीने से अधिक समय से अध्यक्ष विहीन है। अध्यक्ष के नहीं रहने से सिविल सेवा परीक्षा सहित आधा दर्जन से अधिक नियुक्ति परीक्षा लटकी हुई है। खास बात यह है कि सरकार के द्वारा ना तो नए अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है और ना ही किसी सदस्य को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। ऐसे में परीक्षा लंबित होने के कारण छात्र सड़कों पर हैं और लगातार तरह-तरह के आंदोलन कर सरकार पर दबाव बनाने में जुटे हैं। इधर, छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला ने सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि अध्यक्ष की नियुक्ति अति शीघ्र नहीं की जाती है तो छात्र चुप नहीं रहेंगे और इस बार जबरदस्त आंदोलन होगा। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति करने की मांग करते हुए 11वीं से 13वीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का रिजल्ट घोषित कर नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया है।

झारखंड में राज्य सरकार एक बार फिर धान खरीद लक्ष्य से कोसों दूर

रांची, एजेंसी। झारखंड में एक बार फिर लक्ष्य के अनुरूप धान खरीद करने में राज्य सरकार विफल साबित हो रही है। हालत यह है कि 15 दिसंबर से राज्य में शुरू हुई धान की खरीद तय लक्ष्य 60 लाख क्विंटल के विरुद्ध अब तक 20 लाख क्विंटल खरीद का आंकड़ा पार नहीं कर पाया है। इस तरह से तय लक्ष्य की तुलना में दो महीने में महज 34 प्रतिशत के करीब धान की अधिप्राप्ति हुई है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार 14 फरवरी तक राज्यभर में 33040 किसानों ने 1944749।97 क्विंटल धान की बिक्री की है। सरकार ने इस बार धान खरीद के लिए 737 एमएसपी केंद्र बनाया है, जहां पर 2400 रुपये प्रति क्विंटल की सरकारी दर से किसान धान बेच सकते हैं।

किसानों से धान खरीद के मामले में हाल के वर्षों में सरकार लगातार लक्ष्य से दूर रही है।आंकड़ों पर नजर डालें तो खरीफ वर्ष 2020-21 के बाद लगातार सरकार लक्ष्य के अनुरूप धान नहीं खरीद कर पाई है। हालांकि बीते कुछ वर्षों में सुखाड़ की वजह से धान की पैदावार कम हुई थी, लेकिन इस साल पैदावार अच्छा होने की वजह से उम्मीद की जा रही थी कि धान खरीद लक्ष्य से ज्यादा हो सकेगा। लेकिन यह संभव होता फिलहाल नहीं दिख रहा है।

किसानों द्वारा सरकार को धान नहीं बेचे जाने के कई कारण हैं। सरकार की जटिल प्रक्रिया की वजह से किसानों को पैसे मिलने में बेवजह देरी होती है। जिसके कारण किसान बिचौलियों से प्रभावित हो जाते हैं और खेत में फसल तैयार होते ही उनके हाथों बेच देते हैं। आमतौर पर नवंबर के अंत तक झारखंड के कई जिलों में धान की फसल तैयार होती है। सरकार द्वारा धान अधिप्राप्ति हर वर्ष 15 दिसंबर से शुरू की जाती है। ऐसे में कर्ज लेकर खेती करने वाले किसान बिचौलियों से हाथों हाथ फसल तैयार होते ही धान बेचना पसंद करते हैं।

धान खरीद पर सियासत

किसानों को लेकर हमेशा सियासत होती रही है। इस बार भी लक्ष्य के अनुरूप धान की खरीद नहीं होने पर प्रमुख विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने सरकार पर हमला बोला है। भाजपा नेता अशोक बड़ाईक कहते हैं कि हेमंत सरकार किसानों को लेकर घड़ियाली आंसू बहाती है। किसानों से 3200 रुपये धान के एमएसपी देने का वादा कर चुनाव में लाभ तो ले लिया, मगर जब देने के वक्त आया तो उसे लागू नहीं किया गया। ऐसे में मजबूर होकर किसान बिचौलिए की शरण में जा रहे हैं।

बिचौलियों पर लगाया जाएगा अंकुशः सुप्रियो

इधर, सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा भी लक्ष्य के अनुरूप धान के क्रय नहीं होने के पीछे बिचौलिया के सक्रिय होने की बात स्वीकार कर रहा है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि सरकार इस पर अंकुश लगाने के लिए तैयारी में जुटी है और निकट भविष्य में इसका परिणाम देखने को मिलेगा। बहरहाल राजनीतिक बयानबाजी और प्रशासनिक तैयारी के बीच राज्य में धान खरीद की प्रक्रिया जारी है, जो फरवरी महीने तक होने हैं। ऐसे में सवाल यह है कि पैदावार अच्छी होने के बावजूद भी आखिर किसान सरकार के सिस्टम के प्रति भरोसा क्यों नहीं जता रहे हैं।

रांची में तेज रफ्तार कार ने 22 महीने की बच्ची को रौंद डाला, तड़पती बच्ची ने तोड़ा दम, आरोपी भेजा गया जेल

रांची, एजेंसी। लालपुर चौक के समीप कार की चपेट में आने से बिराजनगर निवासी 22 माह की बच्ची भूमि कुमारी उर्फ आशिका कुमारी की मौत हो गयी। घटना गुरुवार शाम करीब 4ः00 बजे की है। इस मामले में पुलिस ने बिराजनगर निवासी राहुल खंडेलवाल को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने कार चालक पर गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली है।

बच्ची की मां घटनास्थल के समीप ही एक दुकान लगाती है। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी आया है। इसमें स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि बच्ची सड़क के किनारे अकेले खेलते हुए अचानक कार के आगे आ गयी, लेकिन कार चालक ने ब्रेक लगाने के बाद बच्ची को धक्का मार कर गिरा दिया और कार का चक्का बच्ची के शरीर पर चढ़ाकर पार कर दिया। घटना के वक्त कार में राहुल खंडेलवाल के साथ उसकी पत्नी भी सवार थी। बच्ची को कुचलने के बाद राहुल और उसकी पत्नी कार से उतरे, लेकिन बच्ची को तड़पता देखकर वहां रुकने के बजाय अपने घर चले गये। सीसीटीवी फुटेज के जरिये आरोपी कार चालक का पता चलने के बाद मृत बच्ची के परिजन उसके घर पहुंचे और आरोपी को पकड़कर लालपुर थाना के हवाले कर दिया। मृत बच्ची के परिजनों के अनुसार राहुल अपने घर से भागने का प्रयास कर रहा था।

घटना के बाद बच्ची के बचे होने की आस में उसके परिजन विभिन्न अस्पतालों के चक्कर लगाने के बाद रिम्स पहुंचे, जहां जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। बच्ची की दादी के अनुसार, कार का चक्का चढ़ने से उसके पूरे शरीर में चोट के निशान हो गये थे। बच्ची का दाहिना पैर टूट गया था। कुचले जाने से बच्ची का मुंह खुला ही रह गया था।

जेल भेजने से पहले पुलिस ने राहुल खंडेलवाल की मेडिकल जांच भी करायी, लेकिन इसमें उसके नशे में होने की पुष्टि नहीं हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह पत्नी के साथ कार चलाते हुए बातचीत करते जा रहा था।

प्रमोशन के नाम पर घूस लेते सब पोस्टमास्टर गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। धनबाद सीबीआइ की टीम ने बुधवार देर शाम कोयला नगर पोस्ट ऑफिस के सब पोस्टमास्टर प्रभात रंजन को घूस की राशि के साथ जगजीवन नगर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। प्रभात रंजन को गोविंदपुर केके पॉलिटेक्निक डाक घर में पदस्थापित ग्रामीण डाक सेवक से प्रमोशन के नाम पर 30 हजार रुपये घूस लेते पकड़ा गया है। गिरफ्तारी के बाद सीबीआइ की टीम उन्हें अपने साथ कार्यालय ले गयी, जहां उनसे पूछताछ की गयी। इस दौरान अधिकारियों को उनके पास से कुछ कागजात भी मिले। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर सीबीआइ ने उन्हें कोर्ट में पेश किया, जहां से तीन दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में कई खुलासा होने की संभावना है।

ग्रामीण डाक सेवक अमन कुमार का एमटीएस में प्रमोशन होना था। इसे लेकर वह लगातार हेड पोस्टऑफिस जाकर जानकारी ले रहे थे। इसी बीच जनवरी महीने में हेड पोस्टऑफिस के एक क्लर्क ने जल्द काम कराने के लिए प्रभात रंजन से संपर्क करने का सुझाव दिया। जब वह प्रभात रंजन से मिले, तो उन्होंने 70 हजार रुपये की मांग की। इस पर अमन कुमार ने सात जनवरी को सीबीआइ से इसकी शिकायत की थी।

जानकारी के अनुसार अमन ने प्रभात रंजन से बात की, तो प्रभात रंजन ने शाम में अमन को अपने पास बुलाया, लेकिन वह नहीं मिले। फिर देर शाम अमन ने उनको फोन किया, तो उन्होंने उसे घर पर बुलाया। अमन देर शाम 30 हजार रुपये लेकर जगजीवन नगर स्थित प्रभात रंजन के घर गया और 30 हजार रुपये बतौर रिश्वत दे दिये। इस बीच सीबीआइ की टीम वहां पहुंच गयी। टीम की भनक मिलते हीं प्रभात ने रुपये एक सिमेंट की बोरी में छुपा दिये, जहां से सीबीआइ की टीम ने तलाशी के क्रम में ढूढ निकाला। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

प्रभात रंजन की गिरफ्तारी के बाद इस रैकेट में कई लोगों के शामिल रहने की बात सामने आ रही है। इस बात की संभावना जतायी जा रही है कि कई लोग पकड़ में आयेंगे। सनद रहे प्रभात रंजन एक यूनियन के प्रतिनिधि भी थे।

प्रयागराज जाने वाले यात्रियों के लिए नई स्पेशल ट्रेन का एलान

झुमरीतिलैया (कोडरमा), एजेंसी। रेलवे श्रीगंगानगर से कोलकाता के बीच दो विशेष रेलगाड़ियों का परिचालन करने जा रही है। ये ट्रेनें धनबाद, पारसनाथ, कोडरमा, गया और प्रयागराज के रास्ते चलेंगी। इन विशेष रेलगाड़ियों का ठहराव प्रयागराज स्टेशन पर होने से कुंभ जाने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। कुंभ मेले के दौरान देशभर से करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। विशेष ट्रेनें श्रीगंगानगर-कोलकाता विशेष (04731)ः 19 व 26 फरवरी को और कोलकाता-श्रीगंगानगर विशेष (04732) 23 फरवरी और 2 मार्च को चलेंगी।

वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी अमरेश कुमार ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कोडरमा के यात्रियों के लिए भी प्रयागराज जाने के लिए ये ट्रेनें बेहतर विकल्प साबित होंगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर कई कुंभ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। कोडरमा व प्रयागराज होते हुए धनबाद और टुंडला के मध्य कुंभ स्पेशल ट्रेन का परिचालन शनिवार को किया जाएगा।

पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि 03697 धनबाद-टुंडला कुंभ मेला 15 फरवरी को धनबाद से 12।40 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 9 बजे टुंडला पहुंचेगी।

वापसी में 03698 टुंडला-धनबाद कुंभ स्पेशल 16 फरवरी को टुंडला से 16 बजे खुलेगी और अगले दिन 12।40 बजे धनबाद पहुंचेगी।अप एवं डाउन दिशा में यह ट्रेन पारसनाथ, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी आन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, चंदौली मझवार, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, चुनार, मिर्जापुर, प्रयागराज जंक्शन सहित अन्य स्टेशनों पर रुकेगी।

शुक्रवार की सुबह दस बजे सैकड़ों यात्री जपला स्टेशन पहुंचे। उन्हें कुंभ स्पेशल ट्रेन 08314 से प्रयागराज जाना था, तभी अचानक कुंभ स्पेशल ट्रेन के रद होने की सूचना मिली। ट्रेन रद होने की सूचना मिलते ही आक्रोशित लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद स्टेशन से उन्हें मुगलसराय दूरभाष पर बात कराई गई।

आरपीएफ जपला पोस्ट के इंस्पेक्टर राजेश कुमार मीणा व पुलिस कर्मियों के काफी समझने के बाद यात्री शांत हुए। बाद में मुगलसराय से एक स्पेशल ट्रेन 00275 शाम 5ः15 बजे जपला पहुंची।

मुगलसराय से जपला भेजी गई स्पेशल ट्रेन पर सभी यात्री सवार होकर इलाहाबाद कुंभ के लिए रवाना हो गए। यात्रियों ने बताया कि रेलवे को इस तरह अचानक ट्रेन रद कर देने से यात्रियों को काफी परेशानी होती है।

क्या मंईयां सम्मान योजना ने बढ़ाई बुजुर्गों की टेंशन? 4 महीने से नहीं मिल पा रही पेंशन

पत्थलगडा (चतरा), एजेंसी। झारखंड में एक ओर जहां सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना के लिए मंईयां सम्मान योजना की घोषणा की गई है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के बुजुर्ग और बिधवा महिलाओं को कई महीनों से पेंशन नहीं मिली है। वे पेंशन के लिए महीनों से भटक रहे हैं। वहीं होली का त्योहार पास होने की वजह से बुजुर्गों की चिंता और बढ़ गई है।

प्रखंड के बुजुर्गों व विधवा को कई माह से पेंशन नहीं मिल रहा है। वृद्ध व विधवा महीनों से पेंशन के लिए भटक रहे हैं। यदि स्थिति ऐसी ही रही तो होली पर्व फीका हो जाएगा। होली के पहले वृद्ध व विधवा पेंशन भुगतान की मांग कर रही हैं। बुजुर्गों और विधवा महिलाओं को किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़े, इसलिए सरकार पेंशन योजना चला रही है। वहीं, अब अक्टूबर 2024 के बाद से पेंशन की राशि का भुगतान नहीं हुआ है। पेंशनधारियों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। पेंशनधारी बैंक और कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। प्रखंड के बरवाडीह के मो। मोहीउद्दीन कहते हैं कि होली व ईद के पर्व के पहले पेंशन भुगतान नहीं हुआ तो आर्थिक संकट और बढ़ जाएगा। गोविंद प्रजापति कहते है कि पेंशन के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है, बुढ़ापा संकट में बीत रहा है। पहले दो-चार माह के अंतराल में पेंशन मिलता था। अब मंईयां सम्मान योजना शुरू होने के बाद पेंशन भुगतान नहीं हुआ। पदाधिकारी ठीक से जवाब नहीं देते हैं। ऐसे में बैंक का चक्कर काटने पड़ रहा है। आवंटन के अभाव में वृद्धा व विधवा पेंशन का भुगतान नहीं हो पा रहा है। आवंटन की राशि आते ही भुगतान होगा।

हाल ही में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय रूंजी पंचायत अंतर्गत परसबन्नी मैदान पर शुभ गृह प्रवेश और फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों के किट वितरण कार्यक्रम में शामिल हुई थीं।

इस दौरान उन्होंने कहा था कि सरकार द्वारा महिलाओं के सहयोग के लिए मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की गई है।

पलामू का चुनहट वाटरफॉल पर्यटन स्थल के रूप में होगा विकसित, जिला प्रशासन से मिला आश्वसन

पलामू, एजेंसी। रामगढ़ प्रखंड के चुनहट वाटर फॉल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यह इलाका लातेहार के बरवाडीह से सटा हुआ है, जबकि मेदिनीनगर से करीब 25 किलोमीटर दूर है। चुनहट रामगढ़ प्रखंड के बांसडीह? खुर्द पंचायत में मौजूद है। यहां शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया था। जनता दरबार में पलामू के डीसी शशि रंजन, सदर एसडीएम सुलोचना मीणा समेत कई अधिकारियों ने भाग लिया।

जनता दरबार में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को रखा है, जिसका ऑन स्पॉट समाधान किया गया। पलामू डीसी शशि रंजन ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि अप्रैल महीने से गांव में निर्बाध रूप से बिजली की सप्लाई शुरू हो जाएगी। स्थानीय ग्रामीणों की मांग पर डीसी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र गांव में ही बनाया जाएगा। डीसी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर ग्रामीणों से नशा छोड़ने की अपील की है। इस दौरान नशा से होने वाले नुकसान के बारे में भी बताया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने चुनहट वॉटर फॉल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग उठाई है।

जनता दरबार में डीसी शशि रंजन ने स्थानीय ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि चुनहट वॉटर फॉल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इलाके में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम भी उठाए जाएंगे। पूरी प्रशासनिक टीम करीब तीन किलोमीटर तक पैदल चल कर चुनहट वॉटर फॉल तक पहुंची थी।

लातेहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 18 किमी जंगल में घुस कर 80 एकड़ में लगी अफीम खेती को किया नष्ट

लातेहार, एजेंसी। लातेहार पुलिस ने नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर पुलिस की टीम ने 80 एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया है। पुलिस ने लातेहार जिले के हेरहंज और बरियातू थाना क्षेत्र में अलग-अलग अभियान चलाकर अफीम की खेती को बुलडोजर और ट्रैक्टर से नष्ट किया है। इस कार्रवाई से अफीम तस्करों को बड़ा झटका लगा है।

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर की कार्रवाई : मिली जानकारी के अनुसार, लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र के महुआडांड़ और खिराखाड़ जंगल में बड़े पैमाने पर अफीम की खेती की जा रही है। सूचना के बाद डीएसपी विनोद रबानी और थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया के नेतृत्व में जिला पुलिस, सीआरपीएफ और आईआरबी की टीम ने संयुक्त रूप से अफीम की खेती के खिलाफ अभियान चलाया। इस क्रम में हेरहंज थाना क्षेत्र में लगभग 55 एकड़ में लगी अफीम की खेती को ट्रैक्टर, बुलडोजर और डंडों के सहारे पूरी तरह नष्ट कर दिया गया।

किसी भी सूरत में अफीम की खेती करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा : डीएसपी : इस संबंध में डीएसपी विनोद रबानी ने बताया कि लातेहार एसपी को मिली गुप्त सूचना के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में अफीम की खेती करने वालों को छोड़ा नहीं जायेगा। अफीम तस्करों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई करेगी। वहीं थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया ने बताया कि जंगली क्षेत्र में लगाये गये अफीम के फसल को नष्ट कर दिया गया है। साथ ही पुलिस ने तस्करों को चिन्हित करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है।

बरियातू थाना क्षेत्र में 24 एकड़ में लगे अफीम के फसल को किया नष्ट : दूसरी ओर बरियातू थाना क्षेत्र के इंदुआ और करमटांड़ गांव के आसपास लगाए गए लगभग 24 एकड़ भूमि में लहलहा रहे अफीम की फसल को थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने ट्रैक्टर से विनष्ट कर दिया। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि बरियातू थाना क्षेत्र में अफीम तस्करों के खिलाफ यह बड़ी कार्रवाई हुई है।

18 किमी जंगल में घुसी पुलिस, तस्करों का सुरक्षित मांद ध्वस्त : लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र के महुआडांड़ जंगल में अफीम तस्करों ने बड़े पैमाने पर अफीम की खेती की है। यह इलाका काफी दुरुह इलाका माना जाता है। पुलिस के लिए यहां पहुंचना आसान नहीं था। लेकिन बालूमाथ डीएसपी विनोद रबानी और थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया के नेतृत्व में पुलिस की टीम अफीम तस्करों की कमर तोड़ने निकल गयी और लगभग 18 किलोमीटर तक उबड़ खाबड़ पगडंडी रूपी जंगली सड़कों पर मोटरसाइकिल से वहां पहुंचे और खेतों में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया।

तमाम मुश्किलों को पीछे छोड़ते हुए पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान वहां पहुंचे : हालांकि जिस स्थान पर अफीम की खेती की गयी थी, वह स्थान बिल्कुल निर्जन था। दूर-दूर तक कोई आबादी नहीं थी। घने जंगलों के बीच लगभग 40 से 45 एकड़ वन भूमि को मैदान बनाकर अफीम के फसल लगाये गये थे। अफीम तस्करों ने कल्पना भी नहीं की होगी कि यहां कोई पुलिस का अधिकारी पहुंच सकता है। परंतु तमाम मुश्किलों को पीछे छोड़ते हुए पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान खेतों तक पहुंचे और अफीम के फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया।

वेलेंटाइन डे पर गर्लफ्रेंड से हुआ झगड़ा तो प्रेमी ने खड़ी बुलेट में लगा दी आग, चंद मिनटों में ही जलकर हुआ खाक

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के डांगराटोली चौक पर एक बाइक में अचानक आग लग गई। लोग इससे पहले की कुछ समझ पाते देखते ही देखते बाइक पूरी तरह आग से जल कर बर्बाद हो गई।रांची के लालपुर थाना के डंगरा टोली चौक के पास एक बुलेट बाइक में अचानक आग लग गई। इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता बाइक पूरी तरह से जल कर बर्बाद हो गई। कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि वेलेंटाइन डे पर प्रेमिका से झगड़ा होने के बाद युवक ने अपनी बाइक में आग लगा दी और वहां से फरार हो गया सूचना मिलने पर लालपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि उस दौरान भी बाइक का मालिक वहां मौजूद नहीं था। लालपुर पुलिस बाइक के मालिक का पता लगाने की कोशिश कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक सड़क के किनारे खड़ी थी इसी दौरान युवक ने अपनी बाउत में आग लगा दी। कुछ ही क्षण में आग की लपटें दिखाई देने लगी। आसपास के लोगों ने पहले तो आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ धीरे-धीरे आग फैलती गई और पूरी बाइक जलकर बर्बाद हो गई। आसपास के लोगों ने बाइक के मालिक को खोजने की काफी कोशिश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चल पाया। लालपुर थाना प्रभारी रुपेश कुमार सिंह ने बताया कि बाइक में आग लगने की सूचना मिली थी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

कांग्रेस हमेशा बैकफुट पर रहेगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का समापन करते हुए राज्य सभा में अपनी सरकार द्वारा किए गए कायरे की फेहरिस्त पुरानी तर्ज पर एक बार फिर प्रस्तुत की कि किस तरह उनकी आर्थिक नीति आगे बढ़ रही है और किस तरह उनकी सरकार के प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबों की सीमा लांघकर मध्यवर्गीय दहलीज पर पहुंचे हैं। उनके भाषण का एक प्रमुख स्वर वही था जो प्रायः सुनाई पड़ता है। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने फिर कहा कि उनकी प्राथमिकता परिवार है जबकि भाजपा की प्राथमिकता राष्ट्र है। कांग्रेस की कोई भी नीतियां परिवार विशेष को केंद्र में रखकर बनती हैं तो उनकी नीतियां राष्ट्र को केंद्र में रखकर बनती है। मोदी के अनुसार कांग्रेस का राज अत्यधिक धीमी आर्थिक प्रगति का राज था, जबकि एनडीए का वर्तमान शासन तीव्र आर्थिक प्रगति का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की शासन तुष्टिकरण का शासन था जबकि एनडीए का शासन संतुष्टीकरण का है। यूं तो मोदी के भाषण में कुछ भी नया नहीं था। कांग्रेस के परिवारवाद का जो आरोप लगाते रहे हैं, उसकी ही पुनर्पुष्टि थी। विशेष बात यह थी कि उनके प्रभावी वक्तव्य के आगे कांग्रेस की निरीहता ही उजागर हो रही थी। अगर कांग्रेस का गांधी परिवार की पृष्ठभूमि और उसके गौरवशाली अतीत का मूल्यांकन करें तो मोदी का प्रहार कहीं से भी अतिवादी प्रतीत नहीं होता है। कल्पना करिए कि अगर सोनिया गांधी राजीव गांधी की पत्नी और इंदिरा गांधी की बहू नहीं होती तो क्या सचमुच में उनमें वह राजनीतिक क्षमता और भारतीय समाज को समझने की प्रतिभा थी कि वह कांग्रेस जैसी विशाल पार्टी की अध्यक्ष बनती। उससे आगे क्या राहुल गांधी सचमुच उतने क्षमतावान राजनीतिज्ञ हैं, जितना कांग्रेस के शीर्ष नेता के रूप में अथवा विपक्षी दल के रूप में होना चाहिए। जाहिर है उनकी हैसियत परिवार प्रदत्त हैसियत है जो प्रायः कांग्रेस को दुविधा में डालती रहती है। मोदी के प्रहारों से कांग्रेस तभी बच सकती है जब वह अपने भीतर गुणात्मक और रचनात्मक परिवर्तन करे अन्यथा परिवारवाद का जो हथियार मोदी के हाथ में है वह हमेशा चलता रहेगा और कांग्रेस हमेशा बैकफुट पर रहेगी।

भारत, रूस और अमेरिका के बीच नए समीकरण

ललित मोहन बंसल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पेरिस और वॉशिंगटन दौरे के बाद आस बंधी है कि भारत में अनवरत विद्युत और गैस सप्लाई से आर्थिक विकास दर में वृद्धि होगी। एक समय उद्यमी अपने कल-कारखाने में उत्पादन कार्य से पहले अनवरत विद्युत सप्लाई के लिए भागदौड़ में जुटा रहता था। आज एक ओर क्लाइमेट चेंज के कारण कार्बन रहित विद्युत उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है, वहीं आणविक विद्युत सप्लाई के लिए बड़े संयंत्र की जगह छोटे आणविक संयत्रों कीमांग बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी नेअपने दौरे के पहले पड़ाव में पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति एमेन्युअल मैक्रो से द्विपक्षीय वार्ता में रिन्युअल एनर्जी के अंतर्गत छोटे आणविक संयंत्रों की सप्लाई पर अहम समझौता कर कार्बन रहित संस्कृति को गति दी है। इससे निःसंदेह मोदी के 'मेक इन इंडिया' मंत्र को नई दिशा मिलेगी, वहीं देश के विभिन्न राज्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर खड़े किए जा सकेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए चौबीसों घंटे अनवरत विद्युत आपूर्ति की जरूरत होगी, जो डाटा सेंटर और विशाल कंप्यूटर सेंटर को सजीव रख सके। भारत के आर्थिक विकास में ऊर्जा के क्षेत्र में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति एक प्राथमिकता है। आने वाले दिनों में भारत की ऊर्जा, विशेषकर कच्चे तेल की माँग चीन से ज्यादा होगी। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की मानें तो निःसंदेह तीन सालों में भारत के कारोबार में वृद्धि होने से परिवहन और उद्योग में कच्चे तेल की माँग बढ़ेगी, एक तेजी से खड़ी होने वाली भारतीय इकॉनमी के लिए परिष्कृत ऊर्जा और और विद्युत ऊर्जा की जरूरत होगी। पेरिस आधारित इस एजेंसी के अनुसार भारत को मौजूदा 15.380 करोड़ बैरल से बढ़ कर 2030 में 16.640 करोड़ बैरल प्रतिदिन की जरूरत होगी। मोदी ने वार्ता के दौरान अगले पाँच सालों में विकसित भारत-2047 तक दोगुने व्यापार की उम्मीद जताई है। बता दें, मोदी और ट्रम्प वार्ता के दौरान व्यापार संधि में भारत ने अमेरिका से कच्चा तेल खरीदने पर सहमति जताई है। भारत अमेरिका से कितना तेल और गैस खरीदेगा, इस पर विचार जारी है। दुनिया में कच्चे तेल के आयात में चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा बड़ा आयातक देश है।

मोदी-ट्रम्प वार्ता में ऊर्जा : कच्चे तेल पर आधारित भारतीय इकॉनामी को पाँच खरब की इकॉनामी बनने के लिए अमेरिका से होकर क्षितिज पर पहुँचना होगा। दुनिया में तेल के आयात में भारत तीसरा (10.1 %) बड़ा देश है। भारत ने 2023-24 में 88% तेल के आयात पर निर्भर रहा। 2023-24 में कच्चे तेल का बिल 139.3 अरब डॉलर था, जो भारत के कुल आयात मूल्य 678 डॉलर का 21 प्रतिशत कहा जा सकता है। इसमें तेल आधारित उत्पाद नहीं है। भारत खुद तेल आधारित उत्पाद बना कर यूरोपीय देशों को निर्यात करता है और 23.3 अरब डालर अर्जित करता है। इसमें एलपीजी 10.5 अरब डॉलर, 22.1 अरब डॉलर के हाई स्पीड डीजल और 11.2 अरब डॉलर मोटर स्पिरिट है। ऐसे में कच्चे तेल की क़ीमतें गिरती हैं, निश्चित तौर पर भारत लाभान्वित होगा। अभी तक तेल की कीमतों को प्रभावित करने में खाड़ी में तेल उत्पादक देशों और ओपेक प्लस देशों में रूस, अमेरिका सहित ऐसे आधा दर्जन देश हैं, जो तेल का उत्पादन करते हैं। भारत में कच्चे तेल का उत्पादन अल्प मात्रा में हो पाता है, जबकि उसे अठासी प्रतिशत तक आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। भारत तेल की कीमतों को प्रभावित करने की स्थिति में भले नहीं रहा, वह भू-राजनैतिक कारणों से सऊदी, ईरान, इराक़ और यूनाइटेड अरब अमीरात, वेनेजुएला आदि देशों से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति करता रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के से उपजी परिस्थितियों के कारण भारत ने राष्ट्रहित में मौजूदा निर्यातक देशों के कोटे में कटौती कर अधिकाधिक तेल रूस से खरीदना शुरू किया। रूस और भारत के रणनीतिक रिश्तों के कारण भारत में कच्चा तेल 15 से 20 डॉलर प्रति बैरल आयात किया जाता रहा है। शुरू में 2023-24 में 33 % इराक़, 21% सऊदी अरब, 16% यूएई, 6.4 % खाड़ी के ओपेक प्लस देशों में रूस और अमेरिका, दो बड़े देश हैं, जो दस लाख बैरल तेल प्रतिदिन निकालते हैं, हालांकि अमेरिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अमेरिका सऊदी अरब जैसे दोस्तों से तेल की आपूर्ति करता है। भारत ने यूएस से तेल के आयात पर सहमति देकर एक ओर अमेरिका से मित्रता का धर्म निभाया है, वहीं खाड़ी और रूस से आयात के मौजूदा कोटे में कमी कर देश को चुनौतियों के लिए आमंत्रण दिया है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रम्प कच्चे तेल का अधिकाधिक उत्पादन करना चाहते हैं। वह अपने तेल उत्पादकों से कहते हैं, 'ड्रिल बेबी ड्रिल' और दूसरी ओर मित्र देशों को उलाहना देते हुए कहते हैं, 'आओ, हमसे दोस्ती करो और तेल पाओ।'' अमेरिका ने 29023 में 19358 हज़ार बैरल प्रतिदिन उत्पादन किया, जो वैश्विक स्तर पर कुल उत्पादन का 20.1 % है। ओपेक देशों

का 35.3 % और ओपेक + देशों रूस और मैक्सिको सहित 54% है। ऐसे समय जब रूस अपनी जर्जर इकॉनामी को सुधारने के लिए भारत को सस्ते में तेल देने का प्रलोभन देता है, तो ग़लत नहीं है। इससे भारत-रूस संबंधों पर आंच आना स्वाभाविक है।

रिन्यूअल एनर्जी से होगा कार्बन रहित समाज : इसी रिन्यूवल एनर्जी परिकल्पना की दृष्टि से फ्रांस के राष्ट्रपति एमेन्युअल मैक्रो और भारत के बीच छोटे आणविक संयंत्रों के आयात पर जो समझौता हुआ है, उससे देशभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नए द्वार खुल सकेंगे। इन आणविक संयंत्रों से एआई ही नहीं सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में अनवरत विद्युत ऊर्जा से प्रौद्योगिकी को बल मिलेगा। उल्लेखनीय है कि रिन्यूवल एनर्जी आधारित ऊर्जा के लिए उत्तम कोटि के मिनरल की जरूरत होती है। इस क्षेत्र में चीन कहीं आगे है, संभव है भारत को चीन से ऐसे मिनरल के आयात में कठिनाई हो सकती है, जो उसके ऊर्जा सुरक्षा में बाधक बने।

एलन मस्क और मोदी वार्ता में विद्युत वाहन : क्लाइमेट चेंज से अत्यधिक प्रभावित भारत एक तो खनन कोयले पर अत्यधिक गर्मी से पीड़ित है। इसके लिए भारत की कोशिश है कि वह परिवहन तेल और गैस पर निर्भर रहने की बजाए विधुत चालित वाहनों का सहारा ले। इस संदर्भ में मोदी ने अपने दौरे के पहले ही दिन ऐलान मस्क से बातचीत में विद्युत चालित वाहनों के लिए सहयोग मांगा। मस्क भारत में विद्युत चालित वाहनों की फैक्ट्री लगाते हैं, तो भारत ने उन्हें सिंगल विंडो के तहत सभी सुविधाएँ दिए जाने की पेशकश की है। परिवहन क्षेत्र को कार्बन रहित बनाने के लिए भारत में 2023 में 15.3 लाख विद्युत वाहन थे, जो एक साल में बढ़ कर 19.5 लाख विद्युत वाहन हो गए जो मात्र 7.44 % वृद्धि है। कार्बन रहित परिवहन के लक्ष्य में बायो फ्यूल और हाइड्रोजन एक विकल्प है। भारत ने चालू बजट में साल 2047 तक सौ मेगावाट आणविक विद्युत निर्माण का लक्ष्य रखा है।

सूडोकु नवताल- 7343

मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7342 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

एआई की सौगात : संभावनाएँ और चुनौतियाँ

गिरीश्वर मिश्र

एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग की दिशा में वैज्ञानिकों और तकनीकविदों ने कमाल की बढ़त हासिल की है और उनके अभियान का क्रम लगातार जारी है। एआई बड़ा संक्रामक है और देश-काल की सीमाओं को तोड़ते-फ़लांघते वह जल, थल और अंतरिक्ष हर कहीं मनुष्य की अप्रत्याशित रूप से त्वरित पहुँच का विस्तार करता जा रहा है। वैसे तो एआई भी एक नैसर्गिक यानी स्वाभाविक मानवीय बुद्धि का ही करिश्मा है परंतु आज जिस गति से सबकुछ में निर्बाध दखल देते हुए इसके जरिए जो बदलाव लाए जा रहे हैं वे दुनिया का नक़्शा ही बदल रहे हैं। निर्माण अपने निर्माता की नियति तय करता दिख रहा है। आज वर्चुअल और डिजिटल को इस तरह स्थापित किया जा रहा है कि उनके आगे सत्य और यथार्थ हिलने-काँपने लगा है। मनुष्य सत्य और असत्य (झूठ) पर भरोसा करता आ रहा है। सत्य अर्थात् वह जिसका अस्तित्व है (सत्) परन्तु अब नाना प्रकार के सत्य अस्तित्ववान हो रहे हैं जिनमे अपनी पसंद से चुनना होता है पर जिस भी संस्करण के सत्य उभर रहे हैं उनके पीछे आ आई का हाथ ज़रूर होता है। वैसे तो किसी भी तरह के चुनाव का आधार मुख्य नियामक होता है ताकि होड़ लेते विभिन्न सत्यों के कई प्रत्याशियों के बीच असली या उपयोगी सत्य को खोज कर पहचाना जा सके। सत्य के साथ स्थिरता, निरंतरता और सातत्य या फिर अपरिवर्तनशीलता और विश्वसनीयता जैसे मानक भी स्वाभाविक रूप से जोड़ दिए जाते रहे हैं। परम और नित्य सत्य की परिकल्पना हमें ईश्वर के क़रीब पहुँचा देती है। आज जब सत्य के निर्माण की छूट मिल रही है तो उसके कई परिणाम सामने आ रहे हैं। सारी क़ानूनी मशीनरी सत्य का बाजार चला रही है। वह प्रमाण और साक्ष्य के माध्यम से मुकदमा चलने के दौरान मुल्तबी सत्य को अपने बल पर सत्य के खाँचे में फिट कर देती है। वकील और गवाह मिल कर सत्य रचते और तय करते हैं और वह जज के सत्यबोध से मेल खा जाए तो वह सुच्चा या निखालिस सच बन जाता है। यह दृष्टि सत्य की अस्थिरता या सापेक्षिकता और अन्ततः बहुलता की तरफ़ ले जाती है जिसके अच्छे-बुरे दोनों तरह के परिणाम हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बहुत आगे जा रही है। वह वास्तविक बुद्धिमत्ता के उपयोग के अवसरों और अभ्यासों को जिस तरह बदल रही है उससे हमारी आदतें, व्यवहार शैली और जीने का अंदाज़ सबकुछ बदलता जा रहा है। इस तरह का व्यापक नवाचार हमारी अपने बारे में समझ को भी बदल रहा है। मनुष्यता के स्वभाव, बच्चों के पालन-पोषण, पढ़ाई-लिखाई आदि मनुष्य के रूप में निर्माण जैसे जरूरी उपायों के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है। जीवन में एआई प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हर तरफ़ उपस्थित है। पिछले कुछ दिनों में डीप फेक और साइबर अरेस्ट जैसी घटनाओं ने एआई के उपयोग के अतिरेक से पैदा हो रही तमाम मुश्किलों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिनका संबंध जीवन की गुणवत्ता से है। एआई की पहुंच का विस्तार या रेंज बढ़ता ही जा रहा है। निजी जीवन में उसकी दखल दुरभिसंधि, भयादोहन, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, आर्थिक घोटाले और व्यापार जगत सबको संत्रस्त करने वाला साबित हो रहा है। एआई के उपयोग से काम में सुभीता, शीघ्रता और मात्रा को ध्यान में रखते हुए आज विभिन्न देशों में अपनी एआई की क्षमता बढ़ाने के लिए होड़ मची हुई है। भारत भी इसमें शामिल हो रहा है। औद्योगिक क्रांति जैसी क्रांति का लाभ न पाकर हम अब यह सोच रहे हैं कि एआई क्रांति से बड़ी लम्बी छलांग लगा लेंगे-यह आकर्षक पर ख़तरनाक हो सकता है। कुछ दिन पहले भारतीय मूल के नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक वेंकी रामकृष्णन ने जयपुर में बोलते हुए स्पष्ट रूप से एआई की संभावनाओं के साथ इससे जुड़े बड़े ख़तरों की ओर ध्यान खींचा, शायद उससे निपटने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता काफ़ी न होगी। उसके किए समानुभूति, इतिहास और संस्कृति की समझ की भी दरकार होगी। बिना उस व्यापक संदर्भ के हमारे समाधान छिछले, संकुचित और नुक़सानदेह हो सकते हैं। सबकुछ तकनीक विशारदों पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई के नैतिक और सामाजिक आयाम भी हैं। शिक्षा में वे मानविकी और विज्ञान परौद्योगिकी दोनों को महत्व देने की वकालत कर रहे थे। तकनीकी और मानविकी के बीच की खाई पाटी जानी चाहिए। एआई का नियंत्रित उपयोग वहां हितकारी हो सकता है वहां कार्य क्षमता, उत्पादकता आदि जरूरी हों। हमें पूरा सच देखना होगा। प्राचीन ऋषियों ने ऐसे ही नहीं कहा था कि स्वर्ण के ढक्कन से सत्य का मुख ढंका हुआ है- हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यासपिहितम् मुखम। अतीत से विच्छिन्न, मूलहीन सभ्यता की नई इबारत लिखने वाली सोच अधूरी है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ख़ास काम बन जाने से आपका मनोबल बढ़ेगा। आज किसी भी प्रकार का इन्वेस्टमेंट करते समय अपने बजट का ध्यान रखें। इस राशि के जो लोग जॉब करते हैं उनकी तरक्की के योग बन रहे हैं, साथ ही आपका स्थान परिवर्तन भी हो सकता हैं। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप ज्यादा समय एकांत में बिताना पसंद करेंगे। आपकी बनाई गयी योजना आपके बिजनेस के लिए अच्छी साबित होगी। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी। ऑफिस के उच्चधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा, बिगड़े काम भी बन जायेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप पिछली गलतियों से कुछ नया सीखकर आगे बढ़ेंगे। आज आपका दिन कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की वजह से व्यस्त रहेगा। नए कार्यों को लेकर आपकी उत्सुकता बढ़ेगी। आपको आज धैर्य से काम लेने की जरूरत है और इसका लाभ आप आने वाले समय में देखेंगे। आज आपको मनचाही वस्तु मिलेगी जिससे आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन बहुत ही शानदार रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें आज सफलता मिलेगी। साथ ही आपको खूब मान-सम्मान भी मिलेगा। कुछ नये लोग आपसे जुड़ने की कोशिश कर सकते हैं। आज छात्रों का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपको अपने हर काम को तय समय में बांटकर करने की जरूरत है। समय सीमा को ध्यान में रखकर काम करने से चीजें अच्छे से पूरी होंगी और आप खुद पर भी ध्यान दे पायेंगे। आज आपके घर का माहौल ठीक बना रहेगा। घर में किसी रिश्तेदार के आने की संभावना है।

कन्या राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको उचित समय की पहचान करनी होगी। सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। बच्चों की जरूरत को पूरा करने के लिये आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। आपका दोस्त आपको काम करने के लिये कह सकता है, आप उनके काम में सहयोग करेंगे। प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी वाणी पर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी दोस्त से बात-बात में ही आपको अच्छा काम मिल सकता है। इससे आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आपके व्यवहार से लोग प्रभावित हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों को भी साथ में ले जा सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए फेबरेबल रहेगा। आपके जीवन में किसी नये कार्य की शुरुआत हो सकती है। जो बच्चे घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। आपको शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को किसी काम के लिये प्रोत्साहन मिल सकता है। आज आपको धन लाभ होगा। आज आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का मन बनायेंगे। आज आपके घर मेहमान आयेंगे, जिससे आपको दिन भर के शेड्यूल में चेंजेस करने पड़ सकते हैं। माताएं अपने बच्चों को कुछ अच्छा बनाकर खिलाएंगी। आपकी भौतिक सुख सुविधाएँ बनी रहेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप अपने अनुभव का सही इस्तेमाल करके किसी रुके काम को पूरा करने में सफल होंगे। आज घर के जरूरी कर्यों को पूरा करने में जीवनसाथी का सहयोग करेंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन शुभ रहेगा। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। संतान को करियर में बड़ी सफलता मिलाने के योग बने हुए है। आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिल सकता है।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी काम में दूसरों की बातों को सर्वोपरि न रखकर अपने आप पर विश्वास करें तो लाभ अवश्य मिलेगा। किसी इम्पोर्टेन्ट काम में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण

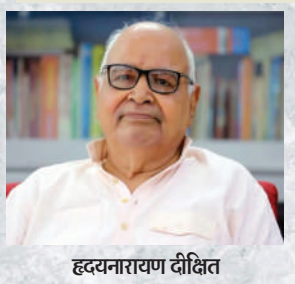

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है। यूरोप की सभ्यता पर यूनानी प्रभाव है। यूनान जर्मनी से पहले सभ्य हुआ। भारत यूनान से पहले। यूनानी दर्शन ईसा के 500-600 वर्ष पहले शुरू हुआ। इसके सैकड़ों बरस पहले भारत का वैदिक दर्शन प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था। यूनानी सभ्यता की विकास भूमि क्रीट द्वीप है। क्रीट की कला के विश्लेषक रैनोल्ड हिगिंस के अनुसार ईसा के 2800 बरस पहले लघु एशिया के प्रवासी वहां सभ्यता ले गए। क्रीट के क्नोसोस नगर के प्रथम शासक मिनोस के नाम पर इसे 'मिनोअन सभ्यता' कहा गया। मिकनी नगर यूनानी सभ्यता का केन्द्र बना। यह सभ्यता मखदूनिया, साइप्रस और इटली तक फैली। मिस्र से निकाले गए हुक्सोस मिकनी के शासक थे। टायनबी ने इन्हें आर्य व हिगिंस ने इन्हें भारतीय कहा। भाषा वैज्ञानिक वामपंथी विद्वान डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया कि, ''आर्य भाषा बोलने वाले भारतीय मिनोअन-मिकीनियन राज्यों के संस्थापक थे।'' यूनानी सभ्यता, संस्कृति और दर्शन का विकास भारतीय सम्बंधों से हुआ। ऋग्वेद के मनु, मिस्र के प्रथम राजा मेनस और यूनान (क्रीट) के प्रथम शासक मिनोस भाषा की दृष्टि से संस्कृत के और संस्कृति की दृष्टि से भारतीय तत्व हैं। इंग्लैंड की सभ्यता यूनान से प्रेरित है। उन्होंने लैटिन, ग्रीक, मिस्र से संस्कृति और सभ्यता के तत्व पाए। भारतीय संपर्क से उन्हें पुष्ट किया। अंग्रेजी स्वयं में व्यवस्थित भाषा नहीं है। संस्कृत के तमाम शब्द अंग्रेजी में हैं। संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने 'इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश' में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई।भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी 'ऐबिस' सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। ऋग्वेद पुराना है, जाहिर है कि संस्कृत ही सबसे पहले सृष्टि के आदि तत्व 'जल' की बोली बनी। विलियम जोन्स ने कहा कि, ''संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद् इनका एक ही स्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता।'' संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन विश्लेषण संभव नहीं। भारत सांस्कृतिक तत्वों का भी निर्यातक था। पश्चिम एशिया में रूद्र-शिव की उपासना थी। गूर्ने ने 'दि हिटटाइटस' (पृष्ठ 134) में बताया कि वे हित्तियों के विशेष देवता थे, उनके अनेक रूप थे। सीरिया के शिल्प में वह परशु चलाते हुए बिजली कौंधने के प्रतीक हैं। यूनानी (मिनोअन) संस्कृति में भी परशु खास प्रतीक हैं। इबान्स के मुताबिक यह परशु मिनोअन देवी और उसके पुरुष देवता का चिन्ह था। इसी परशु का उल्लेख ऋग्वेद में है। पश्चिमी भारत से दक्षिणी यूरोप, फिर उत्तरी यूरोप होते हुए परशु नाम का देव प्रतीक इंग्लैंड तक पहुंचा। अंग्रेजी विद्वान सम्भवतः नहीं मानते कि रुद्र का शिवत्व प्रागैतिहासिक काल में भी है। ऋग्वेद में वे अरुण-रूद्र हैं। वे जटाधारी भी हैं। यजुर्वेद में वे नमः शम्भवाय-नमः शिवाय भी हैं। जैसे सीरिया में वे बिजली कौंधने के प्रतीक हैं वैसे ही उसके बहुत पहले ऋग्वेद (7.46.3) में वे आकाश से बिजली गिराते हैं। यहां उनसे अमृत्व की महामृत्युंजय स्तुति (7.59.12) है। सभ्यता, संस्कृति, देवतंत्र, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है। यूरोपीय विद्वान एच.एस. मेन ने लिखा था, ''बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी।'' विलियम हंटर ने लिखा था कि, ''पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था।'' सारा ज्ञान विज्ञान, संस्कृति दर्शन संस्कृत में है, हिन्दी में भी है। बावजूद इसके अंग्रेजी पर जोर है, अंग्रेजी का शोर है। सवाल यह है कि जो संस्कृत और हिन्दी काव्य, साहित्य, दर्शन, विज्ञान, प्रीति और प्रेम की सहज अभिव्यक्ति है, वही विज्ञान और व्यापार की सशक्त भाषा क्यों नहीं है? भारत प्राचीनतम व अद्वितीय राष्ट्र है। मैक्समूलर ने लिखा, ''भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचार मात्र पर पालित-पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक, दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं।'' भारतीय संस्कृति दर्शन की ऐसी प्रतिष्ठा पर गर्व करना चाहिए। स्वाधीनता संग्राम की भाषा मातृभाषा हिंदी थी लेकिन नए प्रभुवर्ग अंग्रेजी को वरीयता देते रहे हैं। गांधीजी ने कहा था, ''अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं।'' (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिंदी है। बावजूद इसके अंग्रेजी का मोह बढ़ा, अंग्रेजी स्कूल बढ़े, अंग्रेजी प्रभुवर्ग की भाषा बनी।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**®; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
®समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

बिहार में विकास और नौकरी का श्रेय केवल नीतीश को

जदयू बोली- तेजस्वी की पार्टी का सूपड़ा साफ होगा

पटना, एजेंसी। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. राजद के तरफ से तेजस्वी यादव के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनाने के दावे पर जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने निशाना साधा है. राजीव रंजन ने कहा राजद का 1990 से 2005 तक शासन का इतिहास दागदार आज भी लोग याद कर भयभीत हो जाते हैं. झांसे में कोई लाना भी चाहेगा तो वह असंभव है. विकास और रोजगार का श्रेय नीतीश कोः जदयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा बिहार के अभूतपूर्व विकास की जो पूरी पटकथा है. इसे देखेंगे तो सिलसिलेवार ढंग से कानून व्यवस्था, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण, कमजोर वर्गों का एंपावरमेंट, बिजली, सड़क, पानी पहुंचाना और फिर नौकरी रोजगार को लेकर बड़े फैसले लेना जिसको लेकर तेजस्वी यादव दावा करते हैं, यह तभी संभव हुआ जब नीतीश कुमार के हाथों में कमान थी.

तेजस्वी से जनता पूछेगी सवालः उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने अपने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए. कैसे पारदर्शी ढंग से संपन्न करना है तो करिश्माई नेता नीतीश कुमार को इसका पूरा श्रेय जाता है. कोई श्रेय लेना भी चाहेगा तो जानता यह पूछेगी नौकरी के बदले जमीन का मामला और आईआरसीटीसी में नौकरी देने का फार्मूला यही है तो बिहार की जनता नौकरी के झांसे में नहीं पड़ने वाली हैं. जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन का कहना है कि 1990 से 2005 तक के उस दौर को याद कर आज भी लोग भयभीत हो जाते हैं. झांसे में कोई भी राजनेता लोगों को लाना चाहेंगे तो वह असंभव है. तेजस्वी यादव के 17 महीने के कार्यकाल को राजद के तरफ से लगातार भुनाने की कोशिश हो रही है पोस्टर भी लगाए जा रहे हैं.

विकास और नौकरी रोजगार का श्रेय नीतीश कोः उन्होंने कहा कि दरअसल 2010 से बेहतर हालात आज एनडीए के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में तैयार हैं. उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में जो हमने 225 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है. हर सूरत में हम इतनी सीटें हासिल करने की स्थिति में हैं. जनता का आशीर्वाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ है और एनडीए को इसका लाभ मिलेगा.

भोजपुर में सड़क हादसे में दो भाई जख्मीःबाजार पर पैसा खुदरा कराने के दौरान ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

डॉक्टर ने कहा- खतरे से बाहर

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बवाली मोड़ छलका के समीप शुक्रवार की देर शाम ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आनन-फानन में इलाज के लिए स्थानीय लोगों के मदद से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों की देखरेख में इलाज किया जा रहा है। जख्मियों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के निर्मलपुर गांव निवासी गौरी शंकर गुप्ता के 16 वर्षीय पुत्र संजीव गुप्ता और बड़हरा थाना क्षेत्र के मीरगंज गांव निवासी कुश कुमार शाह का 7 वर्षीय पुत्र निशांत कुमार शामिल है।

पैसे का खुदरा करने के दौरान हुआ हादसा : घटना की जानकारी देते जख्मी निशांत की मां सुनीता ने कहा कि संजीव गुप्ता के रिश्ते में निशांत फुफेरा भाई लगता है। संजीव के चाचा दीपक का शादी समारोह का आयोजन किया गया। आज मड़वा था। जिसको लेकर वो साड़ी और कुछ कपड़ा खरीदने के लिए अपने पुत्र निशांत,भाभी शुभांति एवं पुत्र संजीव के साथ बवाली मोड़ गई थी। मैने संजीव से कहा कि शादी में पैसे दान करने के लिए खुदरा पैसा कराकर लेकर आओ। कुछ दूरी पर पैसा चेंज करा रहा था। इसी बीच पीछे से आ रहे बेलगाम ट्रैक्टर ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों ट्रैक्टर के नीचे चले गए और किसी तरह दोनों की जाना बच सकी। वहीं, ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि दोनों लड़कों का इलाज कर दिया गया है। एक बच्चे के सिर में चोट आई हालांकि दोनों खतरे से बाहर है।

संक्षिप्त समाचार

पटना हाईकोर्ट के वकील ने की आत्महत्या, घटनास्थल से बरामद लेटर से खुला राज

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना में एक वकील ने द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. बिहार न्यायिक व्यवस्था से जुड़े वकील रूपेश कुमार (29) ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. घटनास्थल से एक नोट बरामद हुआ है, जिससे पुलिस ने खुलासा किया है. फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन कर रही है. पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को पटना के राजीव नगर थाना क्षेत्र में पाटलिपुत्र हेरिटेज अपार्टमेंट में रहने वाले वकील रूपेश कुमार ने अपने कमरे में आत्महत्या कर ली. पुलिस को मौके से एक नोट बरामद हुआ है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि मैं लंबे समय से मानसिक तनाव से जूझ रहा हूं. अब इसे सहन करना मेरे लिए असंभव है. वैशाली के रहने वाले थे रूपेशः अपने पत्र में उन्होंने किसी को भी अपनी मृत्यु के लिए दोषी नहीं ठहराया. वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है. रूपेश कुमार मूल रूप से वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र के नारायणपुर बुजुर्ग के रहने वाले थे. पटना में रहकर वकालत करते थे. डीएसपी, विधि व्यवस्था, दिनेश कुमार पांडे का कहना है कि पुलिस को सूचना मिली थी. इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. एक लेटर भी बरामद किया गया है. हालांकि पुलिस और एफएसएल की टीम जांच में जुटी है. कैंसर को हराने वाले जिंदगी से हारेः रूपेश कुमार एक प्रतिभाशाली युवा वकील थे. इस तरह दुनिया को अलविदा कहना कई सवाल खड़ा करता है. उन्होंने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को हराया था लेकिन मानसिक संघर्ष से हार गए. यह घटना मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज की गंभीरता पर एक बार फिर सोचने को मजबूर कर देती है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ कर रही है.

राजद नेता पर मानहानि का मुकदमा करेंगे भाजपा नेता :जमीन के नाम पर करोड़ों की ठगी का लगाया आरोप

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में राजद नेता ने भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष पर जमीन के नाम पर करोड़ों की ठगी के आरोप लगाए हैं। मामला भाजपा

नेता सचिन राय और राजद नेता राजेश कुमार मंडल से जुड़ा है। राजद नेता ने फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट भी किया है। जिसमें भाजपा नेता की तस्वीर और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर है। इसी का हवाला देते जमीन मामले में करोड़ों की ठगी का दावा किया। वहीं, भाजपा नेता खुद पर लगाए आरोपों को बेबुनियाद बताते हैं। माफी न मांगने पर मानहानि का मुकदमा करने की बात कही है। भाजपा नेता सचिन राय ने कहा कि ये आरोप सरासर गलत है। उन्होंने कोई रुपए किसी से नही लिए हैं। ये उन्हें और उनकी राजनीतिक छवि बर्बाद करने की एक साजिश है। बदनाम करने के लिए राजेश मंडल ने मनगढ़ंत कहानी बनाई है। राजेश मंडल पहले भाजपा में थे। उसी दौरान उनसे बातचीत होती थी। उन्होंने तब एक पेपर पर हस्ताक्षर करवाया था। अब मुझे फंसाया जा रहा है। इसके लिए मैं न्यायालय में जाऊंगा। मेरे ऊपर लगाए आरोपों के लिए अगर उनसे माफी नहीं मांगा जाता तो वे राजद नेता पर मानहानि का मुकदमा करेंगे।

सिलेंडर फटने से घर में लगी आग, वीडियो :5 लाख की संपत्ति जलकर राख, परिवार ने भागकर बचाई जान

जमुई, एजेंसी। जमुई के झाझा नगर परिषद क्षेत्र के बैजलपुरा में शुक्रवार को एक भयानक हादसा हुआ। जहां नरेश रविदास के घर में गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण अचानक विस्फोट हो गया, जिससे पूरे घर में आग लग गई। विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि दूर-दूर तक सुनाई दी। घटना के समय घर में मौजूद सभी सदस्यों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत घर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आग की भयावह लपटें और काले धुएं को देखकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। पूर्व वार्ड सदस्य सज्जाद अंसारी और समाजसेवी गौरव सिंह राठौड़ समेत स्थानीय लोगों ने मोटर पंप का इस्तेमाल कर आग बुझाने में सफलता पाई और आसपास के घरों को नुकसान से बचा लिया। पीड़ित परिवार की महिला रीना देवी ने बताया कि आग में घर का सारा सामान जल गया। खाने-पीने की सामग्री, कपड़े, जरूरी कागजात और नगद 30 हजार रुपए सहित लगभग 5 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। परिवार ने जिला प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है और स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से तत्काल सहायता की मांग की है।

मौत भी नहीं कर पायी जुदा, पति के निधन के बाद पत्नी भी हमेशा के लिए आंख मूंद ली

रोहतास, एजेंसी। 14 फरवरी प्रेमी जोड़े के लिए खास दिन रहा. इस दिन दोनों एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसमें खाते हैं. इसी दिन बिहार के रोहतास में एक ऐसी घटना घटी जिसे लोग सच्चा प्यार की निशानी मान रहे हैं. एक साथ जीने मरने की कसमें क्या होती है इसका जीता जागता उदाहरण देखने को मिला.

रोहतास में बुजुर्ग दंपती का निधन

रोहतास के संझौली के जिगनी ग्राम निवाली अवध बिहारी पांडे(85) अचानकर से गिर पड़े. उन्हें हल्की चोटे आयी. परिजनों के द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया. निधन की खबर जैसे ही उनकी पत्नी देवमातो देवी(83) को पड़ी उन्होंने अपनी आंखें बंद कर ली और फिर कभी नहीं खोली.

एक साध दुनिया को अलविदा

वैलेंटाइन डे के दिन दंपती का निधन से सभी हैरान थे, लेकिन यही सच्चाई थी. बुजुर्ग दपंती ने एक ही दिन अपना प्राण त्याग दिए. एक साथ जीने मरने की कसमें खाने वाले अवध बिहारी पांडे और देवमातो देवी एक साथ दुनिया

को अलविदा कह गए. इस घटना से जहां घर में शोक का माहौल है, वहीं लोग इसे असली प्यार का उदाहरण दे रहे हैं. एक साथ माता पिता की मौत से दुःख तो हुआ पर सकून इस बात का रहा कि जीवन के अंतिम सफर की यात्रा भी दोनों ने साथ किया. -कमलेश पांडे, पुत्र

एक ही चिता पर अंतिम संस्कार

बेटों ने माता पिता के आजीवन इस प्रेम को कड़ी को तब और गहरा बना दिया जब उनकी अंतिम संस्कार भी एक ही चिता पर बक्सर के मुक्तिधाम में की गई. माता पिता की मौत के बाद उनके दोनों पुत्रों ने एक साथ संयुक्त रूप से मुखाग्नि दी. इस अंतिम संस्कार में पूरे गांव के लोग शामिल हुए.

ननद-भाभी के विवाद का शिकार बना 3 साल का मासूम

मामी ने दूध-रोटी में जहर डालकर खिलाया

रोहतास, एजेंसी। बिहार के रोहतास में बच्चे की मौत की घटना ने मानवीय सवेंदना को झकझोर दिया है. ननद-भाभी के बीच के पारिवारिक झगड़े में तीन साल के मासूम बच्चे की बली चढ़ा दी गई. बच्चे की हत्या का आरोप मामा-मामी पर लगा है. बच्चे के पिता ने कहा कि मामी ने अपने सगे भांजे को दूध रोटी खिलायी थी. उसमें चुपके से जहर मिला दी थी जिससे मौत हो गई.

ननद-भाभी में झगड़ाः घटना जिले के दिनारा के पड़रिया गांव की है. बच्चे की पहचान सत्यम(3), पिता शैलेंद्र सिंह के रूप में हुई है. घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि दिनारा थाना के धरकंधा गांव के रहने वाले शैलेंद्र सिंह की पत्नी अपने तीन वर्ष के पुत्र सत्यम को लेकर मायका गई हुई थी. मायका में ही किसी बात को लेकर मृतक सत्यम की मां तथा मामी में विवाद हो गया.

आरोपी घर छोड़कर फरार

बच्चे के पिता ने बताया कि ननद-भाभी के बीच हुए पारिवारिक झगड़ा में मेरा बेटा शिकार हो गया. बेटे को दूध-रोटी खिलाने के बहाने उसके भोजन में जहर मिला दिया गया. जिससे सत्यम की हालत बिगड़ने लगी. परिजनों उसे अस्पताल लाया तब तक मौत हो गई थी. घटना के बाद से मामा-

मामी घर छोड़कर फरार हैं. पिता शैलेंद्र सिंह का कहना है कि मेरे बेटे को उसकी मामी दूध रोटी में जहर देकर खिला दी. तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल लाए, जहां उसकी मौत हो गयी. पोस्टमार्टम कराने आए हैं. -

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गयी है. बच्चे की मौत के बाद परिजन शव लेकर थाना पहुंच गए थे. यहां से पुलिस के द्वारा शव का पोस्टमार्म कराने के लिए सासाराम सदर अस्पताल लाया गया. पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा होगा. दिनारा के पुलिस पदाधिकारी, हरिद्वार सिंह का कहना है कि घटना की जानकारी मिली है. परिजनों का कहना है कि लड़के की मामी ने दूध रोटी में जहर मिलाकर खिला दिया है. लड़के की मौत हो गयी. आरोपी मामी और उसका पति घर से फरार है. शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा. रिपोर्ट आने के बाद वरीय पदाधिकारी इसमें कार्रवाई करेंगे.

नैनो कणों के बहुआयामी गुणों पर विशेषज्ञों ने की चर्चा : ड्रग डिलिवरी, दवा या खाद, नैनो कणों के यूज के पहले उसके गुणों की समझ जरूरी

पटना, एजेंसी। नैनो कणों के विशिष्ट बहुआयामी गुणों के कारण उनके उपयोगों ने विश्व में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए हैं। ड्रग डिलिवरी हो, दवा हो या खाद हो, नैनो कणों के उपयोग के पहले उसके गुणों की समझ आवश्यक है। यह बातें अगरतला में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिकुलपति और मुंगेर विवि के पूर्व कुलपति थर्मल वैज्ञानिक प्रो रणजीत कुमार वर्मा ने शुक्रवार को कहीं। वे त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने अन्य सत्र की अध्यक्षता भी की। उन्होंने आगे कहा कि एक ओर कार्बन परमाणु के एक लेयर से बने कार्बन नैनों नलिकाओं ने उसमें दवा भर के शरीर के रोग प्रभावित कोशिकाओं में सीधे दवा डालना संभव कर दिया है।

इससे बहुत कम मात्रा में दवा के उपयोग से शीघ्र और पूर्ण उपचार संभव हो पाया है। नैनो कणों से युक्त दवा को सीधे लिम्फ नोड में सूई से डालने से कैंसर का इलाज आसान हो गया है। कैंसर के टीके बन सके हैं। प्रकाश-अवशोषण गुणों तथा चुम्बकीय एवं विद्युतीय गुणों में अपने वैशिष्ट्य के कारण गया और पटना में कम तापमान की नई विधि से बने फेरायट, क्रोमायट, अल्युमीनियम नैनो कणों ने माइक्रोवेव अवशोषण(रडार, टी वी स्क्रीन आदि में) और डेटा स्टोरेज की सम्भावनाओं के नये द्वार खोले हैं।

मल्टी लेयर कार्बन नैनोट्यूब, नैनो कंपोजिट , मेटल-मेटल ऑक्साइड नैनो मटेरियल आदि के प्रयोग से प्रदूषण की समस्या से निपटना आसान हो गया है। खतरनाक भारी धातुओं और विषैले ऑर्गेनिक यौगिकों की उपस्थिति के कारण हुए प्रदूषण को छान कर, अवशोषित कर के, उन्हें अपने सतह पर अधि-शोषित कर समाप्त किया जा सकता है।

नैनो-मटेरियल हम सभी को प्रदूषण से मुक्ति देने लगे हैं

रासायनिक प्रतिक्रिया सरीखी तकनीक से ऐसे नैनो-मटेरियल हमें प्रदूषण से मुक्ति देने लगे हैं। नैनो उर्वरक से उर्वरक की बर्बादी बहुत कम हुई है और क्षमता बढ़ी है। किन्तु किसी भी नैनो मटेरियल को प्रयुक्त करने के पहले जीवों और पौधों की कोशिकाओं में उनसे होनी वाली सम्भावित हानियों पर शोध आवश्यक है। जैसे प्लास्टिक के सूक्ष्म कण जिन्हें माइक्रो प्लास्टिक हमारे हृदय, यकृत, वृक्क और ग्लैंड्स सहित शरीर के विभिन्न अंगों में पहुंच कर प्रभावित करते हैं उसी तरह विभिन्न नैनो कण के और सूक्ष्म होने से तथा उनके गुणों के वैशिष्ट्य के कारण कोशिकाओं को वे प्रभावित कर सकते हैं। प्रो वर्मा ने कहा कि इसकी जानकारी उनके उपयोग के पहले आवश्यक है।

भोजपुर में एक बदमाश गिरफ्तार, सात जिंदा गोली बरामदः हथियार के तलाश में जुटी पुलिस, गुप्त सूचना के आधार हुई कार्रवाई

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना पुलिस ने सात कारतूस के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के पूर्वी डेम्हा क्षेत्र से की गई है। हालांकि, हथियार की बरामदगी नहीं हो सकी। इसे लेकर आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। पकड़ा गया आरोपित कृष्णा सिंह पूर्वी डेम्हां गांव का निवासी है। बरामद कारतूस पिस्टल का बताया जा रहा है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध अवैध हथियार और कारतूस लेकर जा रहा है, जिसके आधार पर घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ा गया।

तलाशी के दौरान सिर्फ सात कारतूस ही मिला। थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव के अनुसार, पुलिस के डर से इधर-उधर हथियार फेंके जाने की संभावना जताई जा रही है। पूछताछ कर जानकारी ली जा रही है। आरा पुलिस अधीक्षक राज के आदेश पर कांड में वांछित आरोपितों की गिरफ्तारी और शराब बरामदगी को लेकर चलाए गए छापेमारी अभियान में 73 पकड़े गए। इसमें दुष्कर्म में एक, आर्म्स एक्ट में दो,अपहरण में दो, हत्या के प्रयास में आठ, वारंट में 14 एवं अन्य कांड में चार पुलिस के हत्थे चढ़े है। अभियान के दौरान छह अवैध शराब भट्ठियों को तोड़ा गया। करीब 216 लीटर देसी एवं 75 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया।

करीब 520 लीटर शराब के पास को विनष्ट कर दिया गया। शराब पीने में 35 एवं शराब बिक्री करने में सात पुलिस के हत्थे चढ़े है। इसके अलावा आठ जमानतीय एवं नौ अजमानतीय वारंटों के अलावा पांच कुर्की का निष्पादन किया गया है। अजीमाबाद पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट में एक आरोपित को पकड़ा है।गीधा पुलिस ने दुष्कर्म में एक को पकड़ा है। तरारी और शाहपुर पुलिस ने एक-एक अपहृता को बरामद किया है।

नौबतपुर के फूल से वाराणसी के मंदिरों में पूजा :30 बीघा जमीन में गेंदा, अड़हुल और मोगरा की खेती

कई परिवारों को मिल रहा रोजगार

पटना, एजेंसी। पटना से 25 किलोमीटर दूर रामपुर गांव में 30 माली परिवार फूलों की खेती कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। 2 से ढाई लाख तक सालाना आमदनी हो रही है। त्योहार के समय फूलों की डिमांड काफी बढ़ जाती है। गांव के कई लोगों को इससे रोजगार भी मिला है। फूलों की खेती इनके पूर्वज भी करते थे। नौबतपुर के रामपुर गांव में 30 बीघा जमीन पर चेरी, गेंदा, चीना, पीला गेंदा, मोगरा, गुलदाउदी और अड़हुल की खेती की जाती है। फूल उत्पादक संजीत मालाकार ने बताया कि परिवार के 10 सदस्य हर रोज सुबह से ही इस काम में जुट जाते हैं। फूलों की तुड़ाई के लिए गांव की 7-8 महिलाओं को रोजाना 80 रुपए की दैनिक मजदूरी पर रखा गया है। सुबह 3 से 4 घंटे का काम होता है। यहां से पटना के महावीर मंदिर के साथ-साथ वाराणसी के विभिन्न मंदिरों में पूजा के लिए फूल भेजे जाते हैं।

मंडी में होलसेल रेट में सप्लाई किया जाता है

किसान तुलसी मालाकार, सोहन मालाकार, चंदन भगत, सुशील मालाकार ने बताया कि यह छोटा सा गांव कई परिवारों को रोजगार भी दे रहा है। फूलों को पटना की मंडियों में बेचते हैं। 15 से 20 बंडल प्रतिदिन के हिसाब से फूल टूटता है। फूल तोड़ने के बाद सबसे पहले अपने घरों में लाते हैं। परिवार की महिलाएं माला बनाने का काम करती हैं। माला और फूल महावीर मंदिर के पास मंडी में होलसेल रेट में सप्लाई किया जाता है।

जिसके बदले अच्छा पैसा मिलता है। छोटा गेंदा 2 से 4 रुपए, जबकि बड़ा गेंदा 4 से 5 रुपए प्रति लड़ी के हिसाब से सप्लाई की जाती है। शादी, दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा में फूलों की डिमांड काफी बढ़ जाती है।

खेती पर मौसम का काफी प्रभाव पड़ता है

फूलों की खेती पर गर्मी, पछुआ हवा और बारिश का बुरा प्रभाव पड़ता है। कभी-कभी तो पूंजी निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सरकारी मदद मिलने पर पटना के अलावा उत्तर प्रदेश के साथ-साथ नेपाल में भी सप्लाई किया जा सकता है।

खाली समय काम करती हूं

खेत में काम करने वाली नीतू कुमारी ने बताया कि गांव के कई लोग यहां काम करते हैं। फूल तोड़ने के लिए रोजाना 80 रुपए मिलता है। जिससे घर चलाने में कुछ मदद मिल जाती है। खाली समय में खेतों में काम करने के लिए आती हूं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

बस्ती में भीषण हादसा... ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई तेज रफ्तार कार; सगे भाइयों समेत चार की मौत

गोरखपुर , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में शुक्रवार देर रात बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में दो सगे भाइयों समेत चार की मौत हो गई। हादसे का शिकार सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बस्ती के पैकोलिया थाना इलाके के परसा परशुरामपुर मार्ग पर शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। टेंट का सामान लेकर जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली में एक तेज रफ्तार कार पीछे से जा घुसी।

हादसे में कार में सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतको में रोहित (27) पुत्र साहबदीन निवासी शेरपुर थाना इनायत नगर जिला अयोध्या, पवन (24) पुत्र जोखू प्रसाद निवासी खमरिया बुजुर्ग थाना छपिया जिला गोंडा, मोनू (22) पुत्र राम जी और सोमनाथ (24) पुत्र राम जी निवासी बाबा बागेश्वर नगर बभनान थाना गौर जिला बस्ती शामिल हैं।

सूचना मिलते ही एसपी अभिनन्दन, सीओ संजय सिंह आदि आधिकारी पहुंच गए। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कार में सवार सभी लोग एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे।

दुकान में डीजे बजाया... शिक्षक ने तलवार लेकर दौड़ाया

गोरखपुर , एजेंसी। गुलरिहा क्षेत्र के रामपुर गोपालपुर में दुकान में जोर से डीजे बजाकर आवाज जांच रहे संचालक को परिषदीय विद्यालय के शिक्षक विनोद यादव ने तलवार लेकर मारने के लिए दौड़ा लिया। संचालक ने भागकर जान बचाई। तलवार के साथ शिक्षक का गाली देते हुए वीडियो वायरल हो रहा है।

इसकी सत्यता की जांच कराई जा रही है। वहीं इस मामले में एसपी सिटी के निर्देश पर शुक्रवार रात शिक्षक विनोद यादव और उसके भाई अरविंद यादव पर केस दर्ज कर लिया गया।

बुधवार की इस घटना के बाद डीजे संचालक ने सरहरी चौकी पर शिकायत की तो आरोप है कि वहां समझाकर समझौता करा दिया गया। इसके बाद शुक्रवार को संचालक ने एसपी सिटी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। एसपी सिटी ने इस मामले में जांच कर केस दर्ज करने के निर्देश दिया।

रामपुर गोपालपुर के यादव टोला निवासी डीजे संचालक दिपांकल पासवान ने शुक्रवार को एसपी सिटी से मिलकर प्रार्थना पत्र दिया। दिपांकल ने बताया कि बुधवार को एक शादी का सट्टा होने के कारण वह गोदाम में डीजे बजाकर आवाज जांच रहे थे।

इस दौरान पड़ोस में रहने वाले दो भाई विनोद यादव और अरविंद यादव गोदाम में आए और जातिसूचक गालियां देने लगे, मना करने पर उन्हें पीटने लगे। उन्हें बचाने पड़ोस का एक युवक आया तो उससे भी मारपीट की।

दिपांकल का आरोप है कि हमलावरों में से एक महाराजगंज में परिषदीय विद्यालय के शिक्षक विनोद यादव ने तलवार लेकर उन्हें दौड़ा लिया। किसी तरह भाग कर उन्होंने अपनी जान बचाई। सरहरी चौकी पर जब शिकायत की तो वहां पर पुलिस उन्हें ही बैठा लिया। बृहस्पतिवार को पुलिस ने सुलह करने का दबाव बनाया।

बहन की बरात के लिए बन रही थी मिठाई, खौलते दूध के भगोने में गिरा भाई... मौत

बहराइच , एजेंसी। यूपी के बहराइच में बहन की बरात के लिए शुक्रवार शाम को मिठाई बन रही थी। इसी समय गर्म दूध के भगौने में चार वर्षीय भाई गिर गया। उसे गंभीर हालत में मेडिकल कालेज लाया गया। जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय बच्चे की मौत हो गई। घटना खैरीघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बकैना की है। गांव निवासी पंकज कुमार की बेटी सोनी की बरात आज शनिवार को आनी है। इसके लिए घर में मिठाई बन रही थी। मिठाई बनाने के लिए भगोने में दूध गर्म किया जा रहा था। वहीं पर खेल रहा पंकज का चार वर्षीय बेटा दूध में गिर गया। इससे उसकी चीख निकल गई। मौजूद लोगों ने देखा तो बच्चे को तत्काल दूध से बाहर निकाला। उसे आनन फानन लेकर सीएचसी पहुंचे।

अटकी भाजपा जिलाध्यक्षों की सूची

मानकों की अनदेखी कर नाम शामिल कराने की भी आ रही बात

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में भाजपा संगठन चुनाव निष्पक्ष कराने के दावे के इतर प्रदेश भाजपा के जिलाध्यक्षों की सूची मंत्रियों, विधायकों सांसदों और बड़े नेताओं की पसंद-नापसंद के चक्कर में अटक गई है। नतीजतन जिलाध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के 15 दिन बाद भी सूची जारी नहीं हो पाई है। यही नहीं, कई जिलों में जिलाध्यक्ष चुनाव के लिए तय मानकों की अनदेखी कर सूची में नाम शामिल कराने की बात भी उठने लगी है। सूत्रों के मुताबिक, 50 से ज्यादा जिलों में नेताओं के बीच अपने खेमे का अध्यक्ष बनवाने की होड़ है। बता दें कि संगठन की चुनाव प्रक्रिया समझाने के लिए प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर तक कार्यशालाएं हुई थीं। यही नहीं, एलान किया गया था कि चुनाव में उन कार्यकर्ताओं को तरजीह दी जाएगी, जो शुद्ध रूप से भाजपा या संघ परिवार के कार्यकर्ता रहे हैं। एलान किया गया था कि संगठन चुनाव में मंत्री, नेता या विधायक की सिफारिश नहीं चलेगी। जमीनी स्तर पर फीडबैक जुटाकर नाम तय किए जाएंगे। तय समयसीमा में चुनाव कराने के लिए चुनाव अधिकारियों ने समयसारिणी भी जारी की थी। चुनाव प्रक्रिया 10 जनवरी तक और सूची जारी करने का समय 15 जनवरी तय था, लेकिन अब तक सूची जारी नहीं हुई है।

सिफारिशी नामों ने बढ़ाई मुश्किल

सूत्रों का कहना है कि फाइनल सूची तैयार हो गई है, लेकिन सिफारिशों के कारण सूची अटक गई है। ऐसे 50 से अधिक जिले हैं, जिनमें सिफारिशी नामों को पैनल में शामिल कर दिया गया है। कहीं दूसरे दलों से भाजपा में आए नामों के लिए दबाव है तो कहीं दोबारा कमान दिलाने की सिफारिश है। कई विधायक, सांसद चुनाव के बहाने विरोधियों को निपटाने में भी जुटे हैं।

थोपे गए नाम तो हो सकती है बगावत

कई जिलों में क्षेत्रीय अध्यक्षों पर भी नियमों की अनदेखी कर पैनल भेजने के आरोप लग रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि दावेदारों में शामिल पुराने और काडर कार्यकर्ताओं में गुस्सा है। उनका कहना है कि अगर जिलाध्यक्ष की सूची में पात्रता की अनदेखी हुई तो बगावत तय है। इसका असर विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों पर भी पड़ सकता है।

एक-दो दिन में आ सकती है सूची

सूत्रों का कहना है कि भाजपा के जिलाध्यक्षों की सूची एक-दो दिन में जारी हो सकती है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल दिल्ली से लौट आए हैं। बताया जा रहा है कि हाईकमान ने प्रदेश स्तर से भेजी सूची पर मुहर लगा दी है।

राम मंदिर के आसपास घूम रहे ठग

वीआईपी दर्शन के नाम पर पंजाब के श्रद्धालुओं को दिया फर्जी पास, चार हजार ठगे

अयोध्या , एजेंसी। रामनगरी अयोध्या में नगर कोतवाली क्षेत्र के एक होटल में ठहरे पंजाब के श्रद्धालुओं को राम मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर जालसाजों ने फर्जी पास दे दिया। उनसे चार हजार रुपये वसूल लिए। राम मंदिर गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों ने पास को फर्जी बताया तो श्रद्धालु ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामले में एक महिला समेत तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पंजाब के लुधियाना निवासी संजीव कुमार गुप्ता अपनी पत्नी के साथ शुक्रवार को रामलला का दर्शन करने के लिए आए थे। शहर में स्थित एक होटल में ठहरे थे। होटल के बाहर उन्हें एक महिला और एक पुरुष मिले। उन्होंने वीआईपी दर्शन करने का झांसा दिया। एक गाइड भी उपलब्ध कराया। इसके लिए उसने चार हजार रुपये मांगे। वह आरोपियों को पैसे देकर गाइड को साथ लेकर दर्शन के लिए रवाना हुए। गेट पर पहुंचने पर सुरक्षा कर्मियों ने पास को फर्जी बताया। इस बीच गाइड भी फरार हो गया। नगर कोतवाल अश्वनी पांडे ने बताया कि केस दर्ज करके छानबीन की जा रही है।

महाकुंभ को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले सपा नेता मनीष जगन गिरफ्तार, भेजा गया जेल

लखनऊ , एजेंसी। महाकुंभ को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने शुक्रवार देर रात मनीष जगन को गिरफ्तार किया। देर रात ही उनको एसीपी की कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सपा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन को लखनऊ पुलिस जबरन उनके आवास से हिरासत में लिया है।

सपा ने लखनऊ के पुलिस आयुक्त और लखनऊ पुलिस को टैग की हुई पोस्ट में कहा, जगन हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं तथा उनकी पत्नी भी गर्भवती हैं। यदि मनीष जगन या उनके परिवार को कोई हानि होती है तो उसकी जिम्मेदार लखनऊ पुलिस होगी।

पापा मुझे वो परेशान करता है..., सिरफिरे की ऐसी करतूत, छात्रा को देनी पड़ी अपनी जान

आगरा , एजेंसी। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज की सीटी स्कैन तकनीशियन की 19 वर्षीय छात्रा ने सिरफिरे की धमकी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। वह कौशांबी के मंझनपुर की रहने वाली थी। किदवई पार्क (राजामंडी) स्थित घर में किराये पर रहकर पढ़ाई कर रही थी। बुधवार सुबह वह कमरे में फंदे पर लटकी मिली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पिता ने अज्ञात युवक पर बेटी को फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

किदवई पार्क, लोहामंडी में राजीव शर्मा का मकान है। इसमें पहली मंजिल पर तीन कमरों में पांच छात्राएं रह रही थीं, सभी मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही थीं। कौशांबी की छात्रा ने अलग कमरा लिया था। बुधवार सुबह 9:55 बजे छात्राओं ने मेडिकल कॉलेज चलने के लिए छात्रा को आवाज दी।

मगर, कोई आवाज नहीं आई। कमरा अंदर से बंद था। कई बार आवाज देने के बाद भी वह बाहर नहीं आई। इस पर उन्हें शक हुआ। छात्राओं ने खिड़की से देखा तो वो पंखे पर दुपट्टे से बने फंदे पर लटकी हुई थी। यह देखकर छात्राओं की चीख निकल गई। सूचना पर मकान मालिक पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को जानकारी दी।

डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि छात्रा ने कमरे में बनी स्लैब पर खड़ा होकर फंदा लगाया। कमरे की तलाशी में छात्रा का मोबाइल मिला। इसकी चैट डिलीट थीं। एक डायरी मिली, जिसमें उसने नीट की तैयारी को लेकर पढ़ाई का टाइम टेबल बना रखा था। जानकारी मिलने पर परिजन आ गए। बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर चले गए।

पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी को कई महीने से एक युवक परेशान कर रहा था। उसकी वीडियो और फोटो वायरल करके बदनाम करने की धमकी दे रहा था, जिसे लेकर बेटी काफी तनाव में थी। बेटी की कुशलता के लिए रोजाना बात करते थे। इस बारे में भी बेटी ने बताया।

बेटी प्रतिभाशाली थी और वह अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहती थी। बदनामी की वजह से शिकायत नहीं की। बुधवार रात आठ बजे बेटी से बात हुई थी। मां से बात कराने को कहा था। इसके बाद उसने आत्महत्या कर ली।

फतेहपुर के युवक का नंबर

डीसीपी सिटी के मुताबिक, मेडिकल छात्रा के पिता ने तहरीर में एक मोबाइल नंबर लिखा था। इस पर मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बेटी को धमकी देने व आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। जिस नंबर से धमकी देना बताया गया है, वह फतेहपुर जिले के रहने वाले किसी आकाश के नाम पर है। कॉल डिटेल के आधार पर उसके बारे में जानकारी की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम को लगाया गया है। छात्रा के मोबाइल की सारी चैट डिलीट मिली हैं। डाटा रिकवर करने के लिए मोबाइल फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा।

एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि मृतका सीटी स्कैन तकनीशियन 2023-25 बैच की छात्रा थी। उसकी आत्महत्या का मामला कॉलेज प्रशासन से जुड़ा हुआ नहीं है। इस संदर्भ में पुलिस जांच कर रही है।

विश्व हिप्पो दिवस: पानी के सबसे शक्तिशाली जानवर...आता है लाल पसीना- गोरखपुर जू में हैं नन्हें

गोरखपुर, एजेंसी। दरियाई घोड़े (हिप्पोपॉटेमस) पानी में रहने वाले सबसे शक्तिशाली जानवर हैं। अफ्रीकी नस्ल के दरियाई घोड़ों ने चिड़ियाघर के वातावरण को अपना लिया है। यहां आने के बाद इनका कुनबा भी बढ़ा है। दरियाई घोड़े की एक बड़ी खासियत है कि उसका पसीना लाल रंग का होता है। यह उसे अन्य जानवरों से अलग बनाता है। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (चिड़ियाघर) में इस समय तीन दरियाई घोड़े हैं। ये अफ्रीकी नस्ल के हैं, जिन्हें कानपुर चिड़ियाघर से लाया गया था। इसमें दो नर नन्हे और माही तो एक मादा लक्ष्मी है। माही का जन्म गोरखपुर चिड़ियाघर में ही 2023 में हुआ था। इन्हें देख दर्शक काफी रोमांचित होते हैं। चिड़ियाघर के उप निदेशक डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि दरियाई घोड़े ज्यादातर समय पानी में ही रहते हैं। पानी में रहने वाले ये सबसे शक्तिशाली जानवर हैं। इनके शरीर में जब नमी की कमी होती है, तब इनको पसीना आता है, जो गुलाबी लाल रंग का होता है।

मोटी त्वचा पानी में रहने के लिए बनाती है उपयुक्त: दरियाई घोड़े का वजन 1.5 टन और लंबाई चार मीटर तक रहती है। इसकी त्वचा मोटी और चिकनी होती है, जो उसे पानी में रहने के लिए उपयुक्त बनाती है। इसके दांत बड़े और तेज होते हैं। दरियाई घोड़े के पैर छोटे और मोटे होते हैं, जो उसे पानी में चलने और तैरने में मदद करते हैं। ये शाकाहारी होते हैं, जो घास, पत्तियां और फल खाते हैं। इनका जीवनकाल 30-40 वर्ष होता है।

चर्चा में अधिकारियों की मिली भगत से स्वास्थ्य विभाग में नौकरी लगवाने वाला यूपी का रैकेट

मिली भगत के चलते ही भर्तियों में रोक के बाद भी पहले संविदा आउट सोरसिंग पर भर्ती फिर कोर्ट से सीधे स्थायी नियुक्ति के एक पक्षीय आदेश के जरिए घर बैठे बेतन के रूप में लाखों रुपए के बंदर वाट में भी गिरोह के जरिए भारी लाभ उठा रहे कई अधिकारी

सुनील बाजपेई

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कुछ अधिकारियों कर्मचारियों की मिली भगत वाला एक ऐसा भी शातिर दिमाग गिरोह सक्रिय है ,जो मुंह मांगी कीमत लेकर स्वास्थ्य विभाग में नौकरी लगवाने को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। विभागीय सूत्रों द्वारा किए गए दावे पर यकीन करें तो इस गिरोह की वजह से ही स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी आय से अधिक लाखों करोड़ों की नामी बेनामी चल अचल संपत्ति के मालिक भी बनने में सफल हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग में इस जबर्दस्त आर्थिक भ्रष्टाचार की इस वास्तविक वजह का मुख्य संबंध मुंह मांगी कीमत लेकर नियुक्तियां के खेल से बताया गया है। मामले में योगी सरकार से जांच कर प्रभावी कार्रवाई किए जाने की मांग भी की गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीधी भर्तियों में रोक के बाद भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व बिचौलियों तथा शासन तंत्र में बैठे कुछ लोग स्थायी नियुक्ति कराने के लिए पहले संविदा और आउट सोरसिंग पर भर्ती कराने के साथ साथ गैर नियुक्ति अधिकारी को प्रतिवादी बनाते हुए उनके खिलाफ श्रम न्यायालयों में वाद प्रस्तुत कर देते हैं।

सूत्रों के मुताबिक इसके बाद अधिकारियों की मिली भगत से उदासीनता दिखाते हुए एक पक्षीय आदेश करा लिया जाता है और फिर इसी को आधार बनाकर कर्मचारियों को सीधे नियुक्ति किए जाने का आदेश हो जाता है ,जिसका परिणाम यह होता है कि संबंधित व्यक्ति अपनी पूरी बैठकी के वेतन के साथ अधिनियमों का धता बताते हुए न केवल नियुक्ति पा जाता है बल्कि सालों घर बैठे रहने के बावजूद भी लाखों रुपए बेतन के रूप में भी पा जाता है।

सूत्रों ने यह भी दावा किया कि स्वास्थ्य विभाग में अनुचित तरीके से नियुक्तियों के इस खेल में बिचौलियों की अच्छी खासी भूमिका होती है। बताया कि इस तरह के विवादों में अधिकारियों द्वारा एक रैकेट के माध्यम से श्रम न्यायालय, उच्च न्यायालय, व उच्चतम न्यायालय में मन माने ढंग से उदासीनता दिखाते हुए एक पक्षीय आदेश को पुर्नास्थापित किया जाता रहता है। जिसके पीछे की मुख्य मंशा संबंधित को मिलने लाभ के बंदरबाट भारी आर्थिक फायदा उठाना भी बताई जाती है

भरोसेमंद सूत्रों ने भी दावा किया कि इस संदर्भ में लाभप्राप्त व्यक्ति द्वारा स्वास्थ्य भवन के साथ-साथ स्वास्थ्य मंत्री को भी गुमराह कर आदेश प्राप्त किये जाते हैं। इस रैकेट में अपने आपको काली का भक्त कहने वाला एक बाहरी व्यक्ति भी सम्मिलित है। स्वास्थ्य भवन और श्रम विभाग के अधिकारी इसी की साजिश युक्त योजना के मुताबिक करोड़ों रूपये की चपत स्वास्थ्य विभाग को लगाने में लगातार सफल हो रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों की मिली भगत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय अधिकारियों द्वारा सरकार को आर्थिक क्षति पहुँचाने वाले ऐसे विवादों पर ध्यान ही नहीं दिया जाता है।

विभागीय सूत्र इस गंभीर मामले में भाऊराव देवरस संयुक्त चिकित्सालय, महानगर लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का भी उदाहरण देते हैं ,जिसके मुताबिक पूर्ववर्ती 2013 से 2018 के मध्य नियुक्त किये गये मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा फर्जी व बिना अधिकार क्षेत्र के लाभ पहुंचाने की दृष्टि से एक महिला की कम्प्यूटर आपरेटर के पद पर नियुक्त दर्शा दिया गया। जबकि अनुचित तरीके से नियम विरुद्ध की गई यह नियुक्ति और इसी क्रम में उसे नियमित करने का विषय भी उनके अधिकारक्षेत्र में था ही नहीं। मतलब ना तो उनके पास नियुक्ति का अधिकार क्षेत्र था और न ही नियमित करने का कोई आधार।

स्वास्थ्य भवन मुख्यालय से जुड़े सूत्रों ने यह भी दावा किया कि भ्रष्टाचार के इस प्रकरण में शासनादेशों के विपरीत सेवा समाप्ति के पश्चात लचीला रूख अपनाते हुए उसे श्रम विभाग में नियमितीकरण के आदेश भी कराये गये और फिर उसी आदेश को मा० उच्च न्यायालय व उच्चतम न्यायालय में भी बिना समुचित सुनवाई के यथावत रखा गया। मतलब इस प्रकार सीधी भर्ती का रास्ता जबरन खोलकर उसके भुगतान का भी रास्ता खोल दिया गया।

खास बात यह भी कि इस सम्बन्ध में विभाग के अधिकारियों और उनके प्रतिनिधियों द्वारा भी घोर लापरवाही बरती गयी, जिसके फल स्वरुप ही इसी तरह के तमाम वाद स्वास्थ विभाग में संविदा आधारित कर्मचारियों द्वारा उठाये जा रहे हैं।

स्वास्थ भवन में हो रही चर्चाओं के आधार पर भरोसे मंद द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक स्वास्थ्य मंत्री भी बिना स्थितियों को समुचित संज्ञान में लिये ना जाने कितने प्रार्थना पत्रों पर अग्रेतर कार्यवाही का आदेश जारी कर चुके बताए जाते हैं। साथ भी स्वास्थ्य सचिव व स्वास्थ्य निदेशक का मौन भी चर्चा में बताया जाता है।

फिलहाल हिन्द मजदूर किसान पंचायत के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश महामंत्री और पाण्डेय एसोसिएट के कार्यकर्ता वरिष्ठ श्रमिक नेता राकेश मणि पाण्डेय ने मामले में घोर चिन्ता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से शासन के दिशा निर्देशों की अवहेलना करते हुए इस प्रकार की नियुक्तियों में सहायक स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों और उनके संरक्षण में संचालत शातिर रैकेट के भी खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कर प्रभावी कार्यवाही किए जाने की जोरदार मांग भी की है। क्या वास्तव में ऐसा हो पाएगा या फिर यह शातिर दिमाग गिरोह अपने संरक्षण दाता अधिकारियों की मिली भगत से अपने को साफ बचा ले जाएगा। यह आने वाला वक्त ही बताएगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी इन्फ्लुएंसर का दावा- मस्क मेरे बच्चे के पिता, बच्चे की सेफ्टी के लिए पहले नहीं बताया

वॉशिंगटन। अमेरिकी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और राइटर एशले सेंट क्लेयर ने दावा किया है कि वे टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क के बेटे की मां हैं। क्लेयर ने कहा कि उसने 5 महीने पहले सीक्रेट तौर पर इस बच्चे को जन्म दिया है, लेकिन सेफ्टी और प्राइवेसी के चलते पहले इसकी घोषणा नहीं की। एशले क्लेयर के X पर 10 लाख फॉलोअर्स 26 साल की एशले सेंट क्लेयर इन्फ्लुएंसर और लेखिका हैं। उन्होंने एलिफेंट्स ऑर नॉट बर्ड्स नाम से एक किताब लिखी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यूयॉर्क के सबसे महंगे इलाके मैनहैट्टन में रहने वाली एशले रूढ़िवादी विचारों को सपोर्ट करती हैं। उनके X पर 10 लाख फॉलोअर्स हैं। डेलीमेल के मुताबिक एशले क्लेयर मैनहट्टन में एक शानदार अपार्टमेंट में रह रही हैं, जिसका महीने का किराया 12 से 15 हजार डॉलर के बीच यानी करीब 13 लाख रुपए है। यहां रहने वाले लोगों ने बताया कि एशले उन शुरुआती लोगों में से थीं, जिनके पास टेस्ला साइबर ट्रक था।

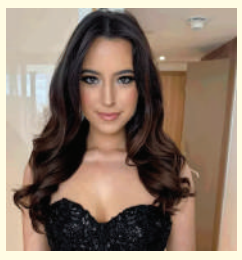

न्यू इनकम टैक्स बिल- 31 सदस्यीय कमेटी गठित, भाजपा सांसद बैजयंत पांडा अध्यक्ष

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने शुक्रवार को नए इनकम टैक्स बिल के लिए 31 सदस्यीय सिलेक्ट कमेटी गठित कर दी। भाजपा सांसद और ओडिशा के केंद्रपाड़ा से सांसद बैजयंत पांडा को चेयरमैन बनाया गया है। कमेटी को अगले सत्र के पहले दिन रिपोर्ट सौंपनी है। मौजूदा बजट सत्र 4 अप्रैल को समाप्त होगा। मानसून सत्र जुलाई के तीसरे या चौथे हफ्ते में शुरू हो सकता है। कमेटी के सदस्यों में निशिकांत दुबे, जगदीश शेट्टार, पीपी चौधरी, सुधीर गुप्ता, नवीन जिंदल, अनिल बलूनी, दीपेंद्र हुड्डा, महुआ मोइत्रा, सुप्रिया सुले आदि शामिल हैं। नए इनकम टैक्स बिल ये समिति अपनी सिफारिशें देगी, फिर सरकार कैबिनेट के माध्यम से इस पर निर्णय लेगी कि क्या इन संशोधनों को शामिल करने की जरूरत है। इसके बाद विधेयक संसद में वापस आएगा और फिर सरकार इसके रोलआउट की तारीख पर फैसला करेगी। सरकार पिछले कई सालों से इनकम टैक्स कानून को आसान बनाने की कोशिश कर रही थी। इसके लिए 2018 में एक टास्क फोर्स बनाई गई थी, जिसने 2019 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 13 फरवरी को लोकसभा में नया आयकर इनकम टैक्स बिल पेश किया था। 622 पन्नों वाला बिल 6 दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को रिप्लेस करेगा। प्रस्तावित कानून को आयकर अधिनियम 2025 कहा जाएगा और अप्रैल 2026 में प्रभावी होने की उम्मीद है। मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट 1961 में पारित किया गया था। जो 1 अप्रैल 1962 से प्रभावी था। इसमें वित्त अधिनियम के तहत 65 बार में 4 हजार से ज्यादा संशोधन हुए।

प्रिंसिपल और असिस्टेंट प्रोफेसर सस्पेंड, हाउसकीपर और सिक्योरिटी गार्ड भी हटाए गए

नई दिल्ली। केरल के कोट्टायम में नर्सिंग स्टूडेंट्स के साथ रैगिंग मामले में केरल सरकार ने कॉलेज की प्रिंसिपल सुलेखा ए टी को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही असिस्टेंट प्रोफेसर व हॉस्टल के वार्डन इंचार्ज अजीश पी मणि को भी हटा दिया है। उन पर आरोप है कि वे रैगिंग रोकने और इस मामले में समय पर हस्तक्षेप करने में नाकामयाब रहे। केरल के स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, हॉस्टल के हाउसकीपर और सुरक्षा गार्ड को भी तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। सरकार ने यह कार्रवाई मेडिकल एजुकेशन डायरेक्टर की जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। केरल के एक सरकारी नर्सिंग कॉलेज में 12 फरवरी को जूनियर्स के साथ रैगिंग का मामला सामने आया था। पांच सीनियर छात्रों ने 3 स्टूडेंट के पहले कपड़े उतारे। फिर उनके प्राइवेट पार्ट पर डंबल (भारी वजन) लटका दिया था। सीनियर्स ने बाद में कंपास और नुकीली वस्तुओं से भी छात्रों को घायल किया। इसके बाद जख्म पर लोशन लगाया, ताकि दर्द और बढ़े। जब पीड़ित दर्द से चिल्लाने लगे, तो उनके मुंह में भी लोशन डाल दिया। तीनों पीड़ित फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट हैं और तिरुवनंतपुरम के रहने वाले हैं।

दिल्ली में 19-20 फरवरी को नए CM की शपथ संभव, भाजपा की बैठक हुई

नई दिल्ली। दिल्ली में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में CM और मंत्रिमंडल का शपथग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है। आज दिल्ली में भाजपा नेताओं की बैठक भी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, 48 विधायकों में से 9 नाम छांटे गए हैं। जिनमें से मुख्यमंत्री को चुना जाएगा। PM मोदी आज अमेरिका दौरे से वापस लौट रहे हैं। इसके बाद ही दिल्ली के CM के नाम का ऐलान होने की संभावना है। CM के प्रमुख उम्मीदवारों में से एक प्रवेश वर्मा ने कहा- भाजपा सरकार के प्रमुख एजेंडे में विकास, साफ पानी की सप्लाई, साफ हवा जैसे मुद्दे हैं। इसके साथ ही यमुना की सफाई भी शामिल है। पार्टी ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है और नदी को निर्मल करने का अपना वादा पूरा करेगी। 8 फरवरी को आए दिल्ली चुनाव के रिजल्ट में भाजपा ने 70 में से 48 सीटें जीतकर 26 साल बाद सत्ता में वापसी की। पिछले 2 विधानसभा चुनावों की तरह कांग्रेस को इस बार भी एक भी सीट पर जीत नहीं मिली। भाजपा की 71% स्ट्राइक रेट के साथ 40 सीटें बढ़ीं। वहीं, AAP को 40 सीटों का नुकसान हुआ। आप का स्ट्राइक रेट 31% रहा।

केरल में 3 दिन में रैगिंग का दूसरा मामला, ऑर्डर नहीं मानने पर जूनियर का हाथ तोड़ा

नई दिल्ली। केरल के कन्नूर जिले में एक सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल के 5 छात्रों को जूनियर स्टूडेंट के साथ रैगिंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। घटना 12 फरवरी की है। मामला अब सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, पांच सीनियर छात्रों ने ऑर्डर न मानने पर एक जूनियर छात्र से मारपीट की। उसका हाथ तोड़ दिया। पीड़ित छात्र 11वीं क्लास का है। उसकी पहचान मोहम्मद निहाल के रूप में हुई है। केरल में रैगिंग से जुड़ा तीन दिन में यह दूसरा मामला है। इससे पहले कोट्टायम के नर्सिंग कॉलेज में पांच सीनियर्स ने तीन जूनियर छात्रों के कपड़े उतारकर उन्हें प्रताड़ित किया था। तीन छात्र गिरफ्तार, दो की तलाश जारी कोलवल्लूर पुलिस ने बताया कि पांच छात्रों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। इनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। यही सभी आरोपी छात्र12 वी के छात्र है और 18 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। रैगिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज स्कूल प्रशासन की शिकायत के बाद पुलिस ने केरल प्रोहिबिशन ऑफ रैगिंग एक्ट के तहत भी आरोपियों पर केस दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस ने 3 छात्र को गिरफ्तार कर लिया है और 2 छात्र की अभी भी तलाश जारी है।

महाकुंभ यात्रियों की बोलेरो-बस टकराईं, 10 की मौत, 19 घायल

एजेंसी, प्रयागराज

प्रयागराज में हादसा, बोलेरो छत्तीसगढ़ और बस एमपी की

UP के प्रयागराज में शुक्रवार रात करीब ढाई बजे बोलेरो की बस से टक्कर हो गई। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, 19 घायल हैं। जान गंवाने वाले सभी लोग बोलेरो में सवार थे। वे छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से महाकुंभ आ रहे थे। हादसा प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर मेजा इलाके में हुआ। घायल हुए 19 लोग बस में सवार थे, जो कि मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले हैं। वे संगम स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो बुरी तरह डैमेज हो गई। श्रद्धालु छिटककर सड़क पर जा गिरे। किसी का हाथ टूटा तो किसी का सिर फट गया। कई लोग बोलेरो में ही फंस गए। इन्हें निकालने में ढाई घंटे का समय लगा। SP यमुनापार विवेक यादव ने बताया- बोलेरो में सभी पुरुष सवार थे। इसकी स्पीड बहुत ज्यादा थी। बस वाले ने ब्रेक लगाया, लेकिन सामने से आ रही बोलेरो बस में सामने से भिड़ गई। मरने वाले कोरबा के दर्री और जांजगीर चांपा जिले के रहने वाले थे। दो परिवार के लोग साथ में आए थे। कमिश्नर तरुण गाबा और DM रविंद्र कुमार मांदड़ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। घायलों को रामनगर के सिटी हेल्थ सेंटर (CHC) में भर्ती करवाया गया। शुरुआती इलाज के बाद सभी को स्वरूप रानी हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। वहीं, पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गैस कटर से बोलेरो की बॉडी काटी, तब शव निकल पाए: प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- टक्कर की आवाज सुनकर हम लोग दौड़कर पहुंचे। देखा कि बोलेरो से शव बुरी तरह फंसे हुए थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गैस कटर और एम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंची। बोलेरो को गैस कटर से काटा गया। तब जाकर शवों को बाहर निकाला गया। कई शव बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे। बैग से मिले आधार कार्ड से पुलिस ने दो शवों की पहचान ईश्वरी प्रसाद जायसवाल और सोमनाथ दरी के रूप में की।

हादसे के वक्त बस सवार ज्यादातर लोग सो रहे थे: घायल श्रद्धालु रोडमल ने बताया कि हादसे के वक्त बस में सवार ज्यादातर लोग सो रहे थे। अचानक भीषण टक्कर हुई। उस समय मैं जाग रहा था और बस के केबिन में बैठा था। बेकाबू बोलेरो सामने से बस से भिड़ गई। गनीमत रही कि मैं किसी तरह बच गया।

मृतकों के घरवाले प्रयागराज रवाना: कोरबा कलेक्टर अजीत बंसल ने कहा- प्रयागराज पुलिस से हम संपर्क में हैं। SP ने वहां की पुलिस से बात की है। श्रद्धालुओं के घरवालों को सूचना दे दी गई है। उनके घरवाले प्रयागराज के लिए रवाना हो गए हैं। प्रयागराज से कोऑर्डिनेट करके हम आगे की कार्रवाई करेंगे।

घरवालों के आने के बाद शवों का होगा पोस्टमॉर्टम: पोस्टमॉर्टम हाउस में ADM प्रदीप सिंह, CMO डॉक्टर एके तिवारी, डिप्टी CMO डॉ नवीन गिरि और फोरेंसिक एक्सपर्ट मौजूद हैं। CMO ने बताया- मैं यहां सुबह 4 बजे से हूं। 3 डेडबॉडी को सुबह 5 और 2 को 8 बजे लाया गया। पांच डेडबॉडी जाम में फंसी रहीं। सुबह 11 बजे लाया गया। सभी डेडबॉडी को कोल्ड रूम में रखवाया गया है। परिजन के आने के बाद पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा, फिर शव उन्हें सौंप दिए जाएंगे।

अमेरिका आज 119 भारतीयों को जबरन भेजेगा

अमृतसर। अमेरिका अवैध तरीके से पहुंचे भारतीयों को 2 और विमानों से भारत वापस भेज रहा है। इनमें से एक विमान आज (15 फरवरी) रात करीब सवा 10 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेगा, जिसमें 119 लोगों के होने की संभावना है, जबकि दूसरा विमान 16 फरवरी को यहां लैंड करेगा। इसे लेकर पंजाब CM भगवंत मान और भाजपा आमने-सामने हो गए हैं। CM मान ने कहा है कि पंजाब में अवैध अप्रवासियों के विमान उतारना गलत है। यह पंजाब को बदनाम करने की साजिश है। जो लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका गए थे, उन्हें डिपोर्ट किया जा रहा है। पहले भी जो लोग डिपोर्ट हुए थे, उनमें अलग-अलग प्रदेशों के लोग थे। फिर विमान अमृतसर में क्यों उतारे जा रहे हैं? CM के मान इस बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। BJP सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा है कि CM भगवंत मान को ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति करने से बचना चाहिए। AAP नेताओं को देश की सुरक्षा की कोई परवाह नहीं है। वे केवल राजनीति करते हैं। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा- अमेरिका से भारत आने वाली उड़ानों के लिए अमृतसर सबसे पास एयरपोर्ट है। यही कारण है कि अवैध अप्रवासियों को लेकर अमेरिकी विमान वहां उतर रहे हैं। भगवंत मान अज्ञानी मुख्यमंत्री हैं।

धनखड़ बोले- CBI डायरेक्टर के चयन में CJI क्यों

एजेंसी, भोपाल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि CBI डायरेक्टर या अन्य बड़े अधिकारियों (चीफ इलेक्शन कमिश्नर) के सिलेक्शन पैनल में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया कैसे हिस्सा ले सकते हैं। न्यायिक सक्रियता और अतिक्रमण के बीच की रेखा पतली है, लेकिन लोकतंत्र पर इसका प्रभाव मोटा है। धनखड़ ने आगे कहा- यह बात हैरान करती है कि हमारे जैसे देश या किसी भी लोकतंत्र में, भारत के मुख्य न्यायाधीश CBI डायरेक्टर के चयन में कैसे भाग ले सकते हैं। क्या इसके लिए कोई कानूनी तर्क हो सकता है? उपराष्ट्रपति ने शुक्रवार को भोपाल में नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी में एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

♦ जब नियम बना था, तब सिस्टम ने घुटने टेके, अब वक्त है इसे बदलने का

CBI डायरेक्टर को चुनने की प्रक्रिया CBI डायरेक्टर की नियुक्ति दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 1946 के आर्टिकल 4ए के तहत की जाती है। डायरेक्टर का सलेक्शन तीन सदस्यीय कमेटी करती है। इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया शामिल होते हैं। CBI डायरेक्टर के चयन की प्रक्रिया चुनाव आयुक्त की नियुक्ति जैसी ही था।

दिल्ली में AAP के 3 पार्षद भाजपा में शामिल हुए, MCD में अब दोनों पार्टियों के 115-115 मेंबर

एजेंसी, नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव में जीत के बाद अब दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (MCD) में भी भाजपा की सरकार बन सकती है। आम आदमी पार्टी के 3 पार्षद शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा में शामिल होने वालों में एंड्रयूज गंज से पार्षद अनीता बसोया, आरके पुरम से पार्षद धर्मवीर और चपराना से पार्षद निखिल शामिल हैं। भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उन्हें पार्टी में शामिल करवाया।

इनके अलावा AAP के 4 नेताओं ने भी भाजपा जॉइन की। संदीप बसोया अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। वे AAP से नई दिल्ली के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। दिल्ली नगर निगम में कुल 250 पार्षद की सीटें हैं। इनमें आप के 121 पार्षदों में से 3 ने विधानसभा चुनाव जीता, यानी 118 पार्षद बचे।

भाजपा के 120 पार्षदों में से 8 विधानसभा चुनाव जीते, यानी 112 बचे। अब 3 पार्षद के दलबदल के बाद AAP का आंकड़ा 115 और भाजपा का आंकड़ा 115 यानी बराबर हो गया है। अप्रैल में MCD के चुनाव होंगे दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (MCD) के मेयर का चुनाव इसी साल अप्रैल में होने वाला है। मेयर का पिछला चुनाव नवंबर 2024 में हुआ था, लेकिन कार्यकाल केवल 5 महीने का है क्योंकि MCD में हर साल अप्रैल में ही मेयर का चुनाव होता है। तब AAP के महेश खिंची ने भाजपा के किशन लाल को 3 वोट से हराया था। तब 263 वोट डाले गए थे। खिंची को 133, लाल को 130 वोट मिले थे। 2 वोट अवैध हो गए थे।

अप्रैल में मेयर चुनाव

सचदेवा बोले- भ्रष्टाचारियों को सजा मिलेगी AAP के नेताओं को भाजपा में जॉइन कराने के बाद वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पिछली दिल्ली सरकार का चाहे शीश महल हो, शराब घोटाला हो, जल बोर्ड घोटाला हो, पैनिक बटन घोटाला हो, राशन कार्ड घोटाला हो या मोहल्ला क्लिनिक घोटाला हो। हर भ्रष्टाचारी को सजा मिलेगी।

इजराइल ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों को टी-शर्ट पहनाकर रिहा किया, इस पर लिखा- न भूलेंगे, न माफ करेंगे

एजेंसी, तेल अवीव

हमास ने 3 इजराइली बंधकों को छोड़ा

हमास की कैद से इजराइली बंधकों की रिहाई के बाद इजराइल ने भी शनिवार को 369 फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ दिया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इन कैदियों को एक खास तरह की टी-शर्ट पहनाकर रिहा कर दिया है। इस पर 'हम न भूलेंगे और न माफ करेंगे' लिखा हुआ है। दरअसल, हमास हर बार इजराइली बंधकों की रिहाई से पहले एक इवेंट करता है। इसमें बंधकों को लाया जाता है और उनसे हमास की तारीफ करवाई जाती है। इस इवेंट में हजारों फिलिस्तीनी जुटते हैं। इजराइल इसी बात से नाराज है। आज भी हमास ने 3 इजराइली बंधकों को रिहा किया और इवेंट का आयोजन किया। सीजफायर डील के तहत इन तीनों बंधकों को गाजा के खान यूनिस इलाके में सुबह 10 बजे (इजराइली समय के मुताबिक) रेड क्रॉस के हवाले किया गया। इसके बाद इन्हें इजराइली सेना के हवाले कर दिया गया। रिहा होने वाले तीनों पुरुष बंधकों के नाम सागुई डेकेल-चेन, साशा ट्रोफानोव और इएयर हॉर्न हैं। 498 दिन बाद इजराइल लौटे तीनों बंधक पिछले महीने लागू हुए सीजफायर डील के तहत बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की यह छठी अदला-बदली थी। इस बार रिहा हुए तीनों इजराइली बंधक पिछले सप्ताह रिहा हुए बंधकों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ नजर आ रहे थे। दरअसल, पिछली बार रिहा हुए तीनों बंधक बेहद दुबले हो गए थे।

इजराइल ने उनकी हालत को लेकर हमास की आलोचना भी की थी। हमास अब तक इजराइल के 19 और थाईलैंड के 5 बंधकों को रिहा कर चुका है। IDF ने कहा कि रिहा किए गए तीनों बंधक 498 दिन के बाद इजराइल लौटे हैं। इन तीनों को मेडिकल चेकअप के लिए IDF कैंप ले जाया जाएगा। इसके बाद इन्हें उनके परिवारों से मिलाया जाएगा। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हजारों लड़ाकों ने इजराइल पर हमला कर 1200 लोगों की हत्या कर दी थी। इसके साथ 250 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था।

पूर्व सीएम केजरीवाल के बंगले में रेनोवेशन की जांच होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले में रेनोवेशन की जांच होगी। सेंट्रल विजिलेंस कमीशन (CVC) ने 13 फरवरी को जांच के आदेश जारी किए हैं। आदेश सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (CPWD) की रिपोर्ट सामने आने के बाद दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि 40 हजार वर्ग गज (8 एकड़) में बने बंगले के निर्माण में कई नियमों को तोड़ा गया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि बंगले के रेनोवेशन में 45 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए हैं। भाजपा ने बंगले को केजरीवाल का शीशमहल नाम दिया है। केजरीवाल यहां 2015 से 2024 तक रहे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उप-राज्यपाल (LG) वीके सक्सेना से शिकायत की थी कि केजरीवाल का बंगला 4 सरकारी संपत्तियों को गलत तरीके से मिलाकर बनाया गया है। इस प्रोसेस को रद्द कर दिया जाना चाहिए। भाजपा का मुख्यमंत्री शपथ के बाद इस बंगले में नहीं रहेगा। भाजपा ने जारी किया था VIDEO, शीशमहल कहा 9 दिसंबर 2024 को BJP ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें दिल्ली के CM हाउस का आलीशान इंटीरियर दिखाया गया।

केंद्र और किसानों की मीटिंग बेनतीजा

एजेंसी, चंडीगढ़

संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और केएमएम के 28 किसान नेताओं की केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के साथ शुक्रवार को चंडीगढ़ में MSP समेत 11 मुद्दों पर बैठक हुई। शाम 5:11 बजे से रात 8:30 बजे तक चली बैठक बेनतीजा रही। किसानों ने चेताया कि केंद्र MSP गारंटी की मांग को हल्के में न ले। अब 22 फरवरी को अगली बैठक केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ होगी। किसान हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 13 फरवरी 2024 से फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की गारंटी के कानून समेत अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा- किसान नेताओं के साथ हमारी अच्छे माहौल में मीटिंग हुई। हमने किसान नेताओं की सभी मांगें सुनीं। हमने उन्हें किसानों के लिए बजट में लिए गए फैसलों के बारे में बताया। 22 फरवरी को चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में एक बैठक होगी।

♦ अब 22 फरवरी को चंडीगढ़ में छठी वार्ता, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा- मीटिंग पॉजिटिव रही। सरवन सिंह पंधेर ने कहा किसान संगठन केंद्र से बातचीत के जरिए मुद्दे हल करना चाहते हैं, लेकिन सरकार की अप्रोच भी कैजुअल नहीं होनी चाहिए। यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि MSP लागू करने से 1 लाख करोड़ का सालाना खर्च होगा। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के साथ कंधा से कंधा जोड़कर खड़ी है।

जयशंकर बोले- पश्चिमी देशों का लोकतंत्र पर डबल स्टैंडर्ड, लोकतंत्र को खुद का सिस्टम मानते हैं

एजेंसी, म्यूनिख

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार को जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने लोकतंत्र पर पश्चिमी देशों के डबल स्टैंडर्ड पर सवाल उठाया। जयशंकर ने कहा कि पश्चिमी देश लोकतंत्र को अपने यहां की व्यवस्था मानते हैं और ग्लोबल साउथ के देशों में गैर-लोकतांत्रिक ताकतों को बढ़ावा देते हैं। जयशंकर से पूछा गया कि क्या दुनिया भर में लोकतंत्र खतरे में है। इसके जवाब में उन्होंने उंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक थ्योरी नहीं, बल्कि एक डिलीवर किया हुआ वादा है। हम अपने लोकतंत्र को लेकर आशावादी।

♦ दूसरे देशों में तानाशाही ताकतों को बढ़ावा दिया

जयशंकर बोले- पिछले साल 70 करोड़ लोगों ने वोट किया: भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि ''आप मेरे नाखून पर स्याही देख रहे हैं, क्योंकि हमारे राज्य दिल्ली में अभी अभी चुनाव हुए हैं। पिछले साल हमारे यहां आम चुनाव हुए थे। भारतीय चुनाव में लगभग 66% लोग मतदान करते हैं। पिछले साल राष्ट्रीय चुनाव के दौरान 90 करोड़ मतदाताओं में से 70 करोड़ ने वोट दिया। हमारे यहां इन वोटों की एक दिन में ही गिनती होती है, और नतीजों पर कोई विवाद नहीं होता।'' उन्होंने बताया कि बीते कुछ दशकों में हमारे यहां वोटिंग प्रतिशत 20% तक बढ़ा है। यह साबित करता है कि हमारे यहां लोकतंत्र मजबूत हुआ है। हम अपने लोकतंत्र के बारे में आशावादी हैं।

हम 80 करोड़ लोगों को भोजन दे रहे: अमेरिकी सीनेटर स्लॉटकिन ने बैठक के दौरान कहा कि लोकतंत्र लोगों के खाने का इंतजाम नहीं करता है। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं और हम 80 करोड़ लोगों को भोजन भी देते हैं। लोगों के लिए यह मायने रखता है कि वे कितने स्वस्थ हैं और उनका पेट कितना भरा हुआ है। बता दें कि जर्मनी के म्यूनिख में 14 फरवरी से 16 फरवरी तक के लिए सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान रूस यूक्रेन जंग से लेकर नाटो तक कई अलग अलग मुद्दों पर बात होगी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

केविन पीटरसन की भविष्यवाणी, ये चार टीमें पहुंच रहीं आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में

एजेंसी, मुंबई

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए क्रिकेट दिग्गजों की भविष्यवाणी आनी शुरू हो गई हैं। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने हाल ही में खुद को खिताब का दावेदार बताया, जबकि गौतम गंभीर ने भी ट्रॉफी जीतने के लिए पूरी मेहनत करने की बात कही थी। इसी बीच, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने सेमीफाइनल में पहुंचने वाली शीर्ष 4 टीमों को लेकर भविष्यवाणी कर दी है। पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में 19 फरवरी से टूर्नामेंट शुरू हो रहा है। पीटरसन ने भारत और पाकिस्तान को टूर्नामेंट के दो सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बताकर कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट में उनके समृद्ध इतिहास और मजबूत लाइन-अप को देखते हुए, दोनों टीमों से खिताब की दौड़ में प्रमुख खिलाड़ी होने की उम्मीद है। इसके अलावा, पीटरसन ने ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर किया, क्योंकि मिचेल स्टार्क के हटने से उनकी तेज गेंदबाजी कमजोर हुई है। पीटरसन ने

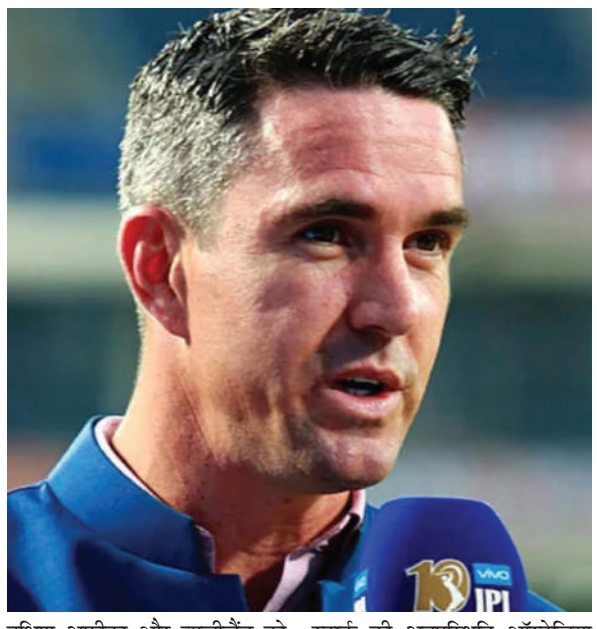

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले टीमों के रूप में समर्थन दिया।

पीटरसन ने कहा, यह बहुत कठिन है, लेकिन स्टार्क के हटने के बाद, मैं भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड कहूंगा। स्टार्क की अनुपस्थिति ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका साबित हुई है, क्योंकि अब वे अपनी प्रसिद्ध तेज गेंदबाजी तिकड़ी के बिना मैदान में उतरने को तैयार है। इसके साथ ही पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी चोटिल होकर बाहर हैं।

अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग : भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे सचिन

एजेंसी, नई दिल्ली। इस माह 22 फरवरी से शुरु होने जा रही अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर करेंगे जबकि श्रीलंकाई टीम की कप्तानी दिग्गज कुमार संगकारा को मिली है। पूर्व क्रिकेटरों की इस लीग से प्रशंसकों को एक बार फिर अपने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। ये टूर्नामेंट 22 फरवरी से 16 मार्च के बीच मुंबई, वडोदरा और रायपुर में खेला जाएगा। भारतीय टीम में पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के अलावा सुरेश रैना, इरफान पठान और अंबाती रायुडू जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस लीग के उद्घाटन संस्करण को लेकर इरफ़ान पठान ने कहा कि मास्टर्स लीग एक ऐसा टूर्नामेंट है जो क्रिकेट के स्वर्ण युग की याद दिलाता है। साथ ही किा कि मैं इस सत्र में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। हम आईएमएल की मेजबानी कर रहे हैं पर मैं क्रिकेट प्रशंसकों को ये भरोसा देता हूं कि हम मैदान पर अपनी ओर से कोई कमी नहीं रहेंगे। हम खिताबी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। वहीं कुमार संगकारा की श्रीलंकाई मास्टर्स टीम में टीम में भी कई दिगगज खिलाड़ी शामिल है।

चैंपियंस ट्रॉफी के रिकॉर्ड में कौन हैं हीरो, विराट कोहली या सचिन

एजेंसी, नई दिल्ली

19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में विराट कोहली अपना जलवा बिखरने को तैयार हैं। कोहती बीते कई महीने से रन के लिए तरस रहे है। चंद रोज पहले इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में हुए आखिरी वनडे में उन्होंने जो अर्धशतक लगाया, उससे उनका आत्मविश्वास जरुर वापस आया होगा। 55 गेंद में 52 रन की पारी में कोहली ने सात चौके और एक छक्का भी जड़ा था। अपने करियर के आखिरी पड़ाव में पहुंच चुके कोहली 2013 में धोनी की चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन टीम का भी हिस्सा थे। वनडे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में कोहली तीसरे नंबर पर आते हैं। 297 मैच में उनके नाम 57.93 की औसत से 13,963 रन हैं। सिर्फ सचिन तेंदुलकर (463 मैच में 18,426 रन) और कुमार संगाकारा (404 मैच में 14.234 रन) बनाकर कोहली से आगे हैं। कोहली और तेंदुलकर की अक्सर तुलना भी होती रही है। कोहली ने अपने पूरे करियर में चैंपियंस ट्रॉफी के कुल 13 मैच खेल चुके हैं। जहां 12 पारियों में उन्होंने 92.32 की स्ट्राइक रेट से 529 रन बनाए। छह बार वह नॉट आउट रहे। एक बार वे वह बिना खाता खोले भी आउट हो चुके हैं। 529 रन में से 124 रन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ बनाए हैं, इन पारियों में विराट का औसत 62 और स्ट्राइक रेट 96.87 का रहा है। वहीं सचिन तेंदुलकर ने चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 16 मैच खेले हैं, इसमें उन्हें 14 बार बल्लेबाजी का मौका मिला। इन 14 पारियों में तेंदुलकर ने 36.75 की औसत और 78.75 की स्ट्राइक रेट से 441 रन बनाए हैं। दो मौकों पर सचिन नॉटआउट लौटे हैं। कोहली से सचिन के रिकॉर्ड की तुलना करने पर ये चीज भी माननी पड़ेगी कि तेंदुलकर ने अपने करियर में कहीं बेहतर गेंदबाजों का सामना किया है।

मैनचेस्टर सिटी को बड़ा झटका, डिफेंडर मैनुअल अकांजी 10 सप्ताह के लिए बाहर

एजेंसी, लंदन

मैनचेस्टर सिटी की चोट की समस्याएं और गहरी हो गई हैं, क्योंकि स्विस डिफेंडर मैनुअल अकांजी जांघ की चोट के कारण लगभग 10 सप्ताह तक मैदान से बाहर रहेंगे। सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने शुक्रवार को न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ शनिवार को होने वाले प्रीमियर लीग मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की पुष्टि की। अकांजी को मंगलवार रात रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग प्ले-ऑफ में सिटी की 3-2 की हार के दौरान हाफटाइम पर बाहर होना पड़ा था। गार्डियोला ने बताया कि डिफेंडर की शनिवार को सर्जरी होगी और उन्हें ठीक होने में आठ से 10 सप्ताह का समय लग सकता है।

कोच ने कहा, "शनिवार को उनकी सर्जरी होगी। हमें उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होंगे। इस सीजन में उन्होंने अविश्वसनीय मेहनत की है, लेकिन अंततः शरीर ने संकेत दिया कि अब ब्रेक की जरूरत है।" हालांकि, मैन सिटी के लिए राहत की खबर यह रही कि विंगर जैक ग्रीलिश की चोट गंभीर नहीं है। गार्डियोला ने कहा, "यह मनु की चोट जितनी गंभीर नहीं है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह न्यूकैसल के खिलाफ खेलने के लिए तैयार होंगे या नहीं।" मैनचेस्टर सिटी अगले बुधवार को सैंटियागो बर्नब्यू में रियल मैड्रिड से मिली हार का बदला लेने की कोशिश करेगी।

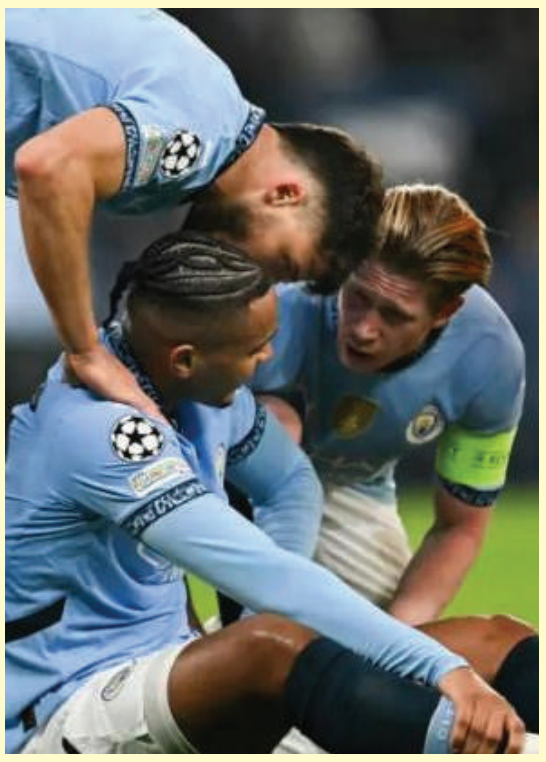

श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट: पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे श्याम लाल, श्रीराम कॉलेज

एजेंसी, नई दिल्ली

11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में मेजबान श्याम लाल कॉलेज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज और श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने जगह बना ली है। लीग दौर के अंतिम मैच में श्याम लाल कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए किरोड़ीमल कॉलेज को 8-1 से पराजित किया। श्याम लाल कॉलेज की ओर से प्रियांशु ने तीन, नवीन बिधूड़ी ने दो, जबकि मोहित राणा, मनमोहन और अतुल ने एक-एक गोल किया। किरोड़ीमल कॉलेज के लिए विशाल ने एकमात्र गोल दागा। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार श्याम लाल कॉलेज के हिमांशु लोहिया को मिला। वहीं, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने एमिटी यूनिवर्सिटी को 8-4 से हराया। इस मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की ओर से फरमान ने तीन, चिरंजीवी और शेखर ने दो-दो, जबकि राम यादव ने एक गोल किया। एमिटी यूनिवर्सिटी की तरफ से रूपेश बल्हारा ने चार गोल किए। फरमान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्याम लाल कॉलेज एलुमनाई को 5-0 से शिकस्त दी। श्रीराम कॉलेज की ओर से विपिन नांदल ने दो, जबकि इंद्रपाल सिंह, विभांशु तिवारी और रितिक ने एक-एक गोल किया। इस मैच में विभांशु तिवारी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। महिला वर्ग में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 4-0 से हराकर दमदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में पिंकी ने शानदार खेल दिखाते हुए तीन गोल, जबकि नेहा ने एक गोल किया। पिंकी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुके हैं, जहां टीमें खिताब के लिए जोरदार टक्कर देने को तैयार हैं।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज सोनी बेकर को विकास अनुबंध दिया

एजेंसी, लंदन

हैम्पशायर के 21 वर्षीय तेज गेंदबाज सोनी बेकर को इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा इंग्लिश पुरुष टीम का विकास अनुबंध प्रदान किया गया है। उन्होंने लायंस के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन कर यह अवसर अर्जित किया। इंग्लैंड के पूर्व अंडर-19 खिलाड़ी बेकर, सर्दियों में हैम्पशायर में शामिल होने से पहले समरसेट के लिए खेलते थे। उन्हें इंग्लैंड लायंस के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए बुलाया गया था, जहाँ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ़ अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की और अंतिम दौरे के मैच में 60 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। उनके प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया XI के खिलाफ़ 71 रन देकर 5 विकेट लेना भी शामिल था। इस शानदार प्रदर्शन ने लायंस के मुख्य कोच एंड्रयू फ़्लिंटॉफ़ को प्रभावित किया, जिसके बाद ईसीबी ने उन्हें सितंबर तक अनुबंधित कर लिया। फ्लिंटॉफ ने कहा, "सर्दियों में सोनी को उभरते हुए देखना बहुत खुशी की बात है। मैं और वह चरित्र और व्यक्तित्व में बहुत अलग हैं, लेकिन श्री लॉयन्स पहनने में उन्हें जो गर्व महसूस होता है, हर गेंद पर जो ऊर्जा लाते हैं और पिच पर जो नाटक और जादू करते हैं, उसे देखना बेहद प्रेरणादायक है। उनके खेल के प्रति व्यावसायिकता और समर्पण सभी खिलाड़ियों के लिए एक मिसाल है। सोनी का भविष्य उज्ज्वल है और हम आने वाले वर्षों में उनके और हैम्पशायर के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।" बेकर की इस उपलब्धि से इंग्लैंड क्रिकेट में एक और युवा प्रतिभा का उदय हुआ है और आगामी टूर्नामेंटों में उनसे बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

एएफसी अंडर-20 एशियाई कपः जापान और दक्षिण कोरिया की धमाकेदार जीत

एजेंसी, शेन्ज़ेन

एएफसी अंडर-20 एशियाई कप के ग्रुप डी मुकाबलों में जापान और दक्षिण कोरिया ने शानदार प्रदर्शन किया। शुक्रवार को खेले गए मैच में जापान ने थाईलैंड को 3-0 से हराकर अपना दबदबा कायम रखा, जबकि दक्षिण कोरिया ने सीरिया को 2-1 से मात दी।

जापान की ओर से 14वें मिनट में हिसात्सुगु इशी ने पहला गोल किया। इसके बाद 33वें मिनट में रियोन इचिहारा ने पेनल्टी पर गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। 69वें मिनट में रयुनोसुके सातो ने तीसरा गोल दागते हुए जापान की जीत सुनिश्चित कर दी। दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया ने भी दमदार प्रदर्शन किया। सीरिया के खिलाफ आठवें मिनट में सुंग शिन ने पहला गोल किया, जबकि 23वें मिनट में बेक मिन-ग्यू ने स्कोर 2-0 कर दिया। सीरिया के लिए 60वें मिनट में अलंद अब्दी ने गोल कर टीम की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन अंतिम 30 मिनट में उन्हें बराबरी का मौका नहीं मिल सका। शनिवार को टूर्नामेंट में मेजबान चीन अपने दूसरे ग्रुप मैच में किर्गिस्तान से भिड़ेगा। पहले मुकाबले में चीन ने कतर को 2-1 से हराया था। वहीं, ग्रुप ए के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया और कतर आमने-सामने होंगे।

डी. गुकेश फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में आठवें स्थान पर रहे

एजेंसी, हैम्बर्ग

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने शुक्रवार को फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में अपना अभियान आठवें स्थान पर समाप्त किया। उन्हें सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच के दूसरे गेम में ईरानी-फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ गुकेश टूर्नामेंट में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सके।

गुरुवार को पहले गेम में फिरोजा के खिलाफ ड्रा करने के लिए गुकेश ने प्रभावशाली वापसी की थी, जिससे उम्मीद बंधी थी कि वह सफेद मोहरों से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हालांकि, शुक्रवार को खेले गए 30 चालों में समाप्त हुए निर्णायक मुकाबले में वह हार गए। फिरोजा ने अंतिम

गेम में अपना दबदबा बनाए रखा और मौकों का पूरा लाभ उठाते हुए जीत हासिल की। इस बीच, जर्मनी के विंसेंट कीमर ने टूर्नामेंट का पहला संस्करण जीतकर सभी को चौंका दिया। उन्हें टूर्नामेंट से पहले एक नौसिखिया माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों को मात देते हुए खिताब अपने नाम किया। उनकी यह जीत शतरंज जगत में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

शतरंज 960 को लेकर फिडे की असहमति : फ्रीस्टाइल शतरंज, जिसे फिशर रैंडम शतरंज या शतरंज 960 के नाम से भी जाना जाता है, को लेकर अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की असहमति बनी हुई है। हालांकि, यह प्रारूप धीरे-धीरे अपनी लोकप्रियता बढ़ा रहा है और इसका भविष्य उज्ज्वल नजर आ रहा है।

24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 17 से भोपाल के बोट क्लब में

एजेंसी, भोपाल

अखिल भारतीय स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा इस वर्ष 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन मध्य प्रदेश पुलिस की मेजबानी में 17 से 21 फरवरी, 2025 तक स्थानीय बोट क्लब बड़ा तालाब भोपाल में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 22 राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेशों तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कुल 557 प्रतिभागी सहभागिता करेंगे। इनमें 123 महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। प्रतियोगिता में मेजबान मध्य प्रदेश पुलिस के अतिरिक्त असम, मणिपुर, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान, तमिलनाडू, तेलंगाना, पंजाब, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, जम्मू एण्ड कश्मीर, ओडिशा, केरल, सी.आर.पी.एफ., एस.एस.बी., बी.एस.एफ., असम राईफल्स, आई.टी.बी.पी., अण्डमान एवं निकोबार एवं चण्डीगढ की कुल 22 टीमें भाग लेंगी। जनसम्पर्क अधिकारी आशीष शर्मा ने शनिवार को बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 17 फरवरी को बोट क्लब बड़ी झील पर किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के सुगम संचालन के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग का भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के इतिहास में प्रथम बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्बन फाइबर की समस्त बोट्स में प्रतियोगिता संपादित कराई जा रही है।

सर्विसेज़ ने हासिल किया शीर्ष स्थान, मेजबान उत्तराखंड सातवें स्थान पर रहा

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल 2025 का सफल समापन 14 फरवरी को हुआ। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 28 राज्यों, आठ केंद्र शासित प्रदेशों और सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) सहित विभिन्न टीमों ने भाग लिया। 26 जनवरी को आरंभ हुआ यह खेल आयोजन देशभर के खेल प्रेमियों के लिए उत्साह का केंद्र बना।

सर्विसेज़ ने पदक तालिका में मारी बाज़ी : सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (सर्विसेज़) ने 121 पदकों (68 स्वर्ण, 26 रजत और 27 कांस्य) के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र ने कुल 201 पदक (54 स्वर्ण, 71 रजत, 76 कांस्य) जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि हरियाणा ने 153 पदक (48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य) के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। मेज़बान उत्तराखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में सातवाँ स्थान प्राप्त किया। हालांकि, नागालैंड, पुडुचेरी और सिक्किम इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने में असफल रहे। इस आयोजन ने खेल प्रतिभाओं को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, रविवार, 16 फरवरी, 2025

ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन

अगर आप देश-दुनिया की सैर करने के शौकीन हैं और किसी करियर के तलाश में हैं, तो आप ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं।

अक्सर हम पढ़ाई या अपने करियर में ऐसी स्थिति पर आकर खड़े हो जाते हैं जब कुछ समझ नहीं आता है। किस दिशा में करियर बनाया जाए, इस बात को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज रहते हैं। सब लोग अलग-अलग राय दे रहे होते हैं। ऐसे में, समझ नहीं आता कि क्या करना कितना सही होगा। जबकि, आज का समय सिर्फ कोर्स या डिग्री तक ही सीमित नहीं है। अगर, आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसमें भी अपना करियर देख सकती हैं। पर, आज हम बात कर रहे हैं ट्रैवलिंग में करियर बनाने की। यदि आप घूमने-फिरने की शौकीन हैं और अक्सर सैर-सपाटे पर निकलते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में भी अपना करियर देख सकती हैं। चलिए आज हम आपको ट्रैवल से जुड़े कुछ करियर की ऑप्शन के बारे में बताते हैं।

टूर गाइड में बनाएं करियर

अगर आपको जगह-जगह पर घूमने और उसके बारे में जानने में दिलचस्पी है, तो आप टूर गाइड में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए आपको नई जगहों की जानकारी होने के साथ ही कहानी कहने का हुनर भी आना चाहिए। दरअसल, टूर गाइड का काम पर्यटकों को विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी देना और उससे जुड़े इतिहास के बारे में बताना होता है। ऐसे में, आपको इन स्थलों के इतिहास की जानकारी होने के साथ उसे बताने का तरीका भी आना चाहिए, ताकि लोगों को आपकी बताई गई बातें आसानी से समझ आए।

ट्रैवल एजेंट की नौकरी भी कर सकते हैं आप

ट्रैवल एंड टूरिज्म के क्षेत्र में ट्रैवल एजेंट की नौकरी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस नौकरी के लिए आपके अंदर मैनेजमेंट और बजट स्किल का होना जरूरी है। ट्रैवल एजेंट का काम लोगों के लिए बढ़िया ट्रिप खोजना और उसके लिए टूर या ट्रैवल पैकेज तैयार करना होता है। इसमें रिसॉर्ट्स की बुकिंग से लेकर खाने-पीने और घूमने तक पूरा वैकेशन पैकेज तैयार किया जाता है।

ट्रैवल फोटोग्राफी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप ट्रैवल की शौकीन हैं, तो आप ट्रैवल फोटोग्राफर भी बन सकते हैं। इसके साथ ही आप अपना पर्सनल पेज बना सकते हैं, जिसमें कुछ क्रिएटिव फोटोग्राफ क्लिक करके अपलोड कर सकते हैं। आप एक फ्रीलांस ट्रैवल फोटोग्राफर के रूप में काम कर सकते हैं। अपने काम को अलग-अलग ब्रैंड और कंपनियों को बेच सकते हैं। इसके अलावा, आप किसी ट्रैवल कंपनी या प्रकाशन के लिए भी काम कर सकते हैं।

मेडिकल लैब टेक्निशियन चुनौती भरा कॅरियर

लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में क्लिनिक्ल प्रयोगशाला एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। छोटी से छोटी बीमारी के लिए डॉक्टर मरीजों का विभिन्न तरह की जांच कराते हैं, ताकि असली मर्ज और उसकी स्थिति का पता चल सके। ऐसे में सही इलाज और दवा के लिए क्लिनिकल प्रयोगशाला की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसी प्रयोशालाओं पर काम करने के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत होती है। इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल लेबोरेट्री टेकनोलॉजिस्ट (एमएलटी) कहा जाता है। एमएलटी की पढ़ाई में बायो केमेस्ट्री, माइक्रोबायलॉजी और ब्लड बैंकिंग शामिल हैं। एमएलटी शरीर में खून, खून के प्रकार, सेल और अन्य की अवस्थाओं का विश्लेषण करता है।

नेचर ऑफ वर्क

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

कोर्स के दौरान क्या पढ़ें

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह के मुताबिक मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकेमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवारमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी एंव अस्पताल प्रषिक्षण की पढ़ाई जाती है।

कोर्स एवं योग्यता

सर्टिफिकेट इन मेडिकल लैब टेक्नालॉजी (सीएमएलटी) यह छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक साल। 12वीं में प्रमुख विशय के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) के साथ पास होना अनिवार्य है। बीएससी इन एमएलटी के लिए 12वीं विज्ञान विशयों के साथ तो उत्तीर्ण होना जरूरी है ही साथ ही इस कोर्स की अवधि है तीन वर्श। एमएससी इन मेडिकल लेबोरेटी टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोसमा होना चाहिए। इसके बाद दो साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टेक्निक्ल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

कहां कहां है अवसर

मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लेबोरेट्री कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है। प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मेडिकल लेबोरेट्री, हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी डिमांड रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टेंट के अलावा खुद का क्लिनिक खोल सकते हैं ऐसा कहना है डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह का।

आमदनी

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन दस हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार से चालीस हजार तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफ ा होता चला जाता है। देष के साथ साथ विदेषों में भी इनकी खासी डिमांड है।

प्रमुख संस्थान

- डेल्ही पारामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई), नई दिल्ली
- षिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पारा मेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, पष्चिम बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

पहली जॉब ज्वॉइन करने से पहले इन बातों का रखें रखना

यह सच है कि पहली जॉब अपने साथ एक उमंग लेकर आता है। लेकिन इस उमंग और उत्साह के बीच आपको अपनी समझदारी को नहीं खोना चाहिए। चूंकि आप अभी-अभी अपने प्रोफेशनल जीवन की शुरूआत कर रहे हैं, इसलिए आपको कई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। याद रखें कि एक अच्छी जॉब मिलना जितना मुश्किल है, उससे भी कठिन है उसमें बने रहना और समय के साथ ग्रोथ करना। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बता रहे हैं, जो पहली जॉब में आपको ग्रोथ करने में मदद करेंगे-

जॉब आपके अनुकूल है या नहीं

कुछ लोगों के मन में अपनी प्रोफेशनल लाइफ को शुरू करने को लेकर इतना उत्साह होता है कि वह अन्य कुछ भी सोचना नहीं चाहते। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप अपनी जॉब ज्वॉइन कर रहे हैं तो यह अवश्य देखें कि ऑफिस आपके घर से कितना दूर है। क्या आप हर दिन सुविधापूर्वक ऑफिस जा सकते हैं। इसके अलावा, आपके काम की टाइमिंग क्या है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देकर ही जॉब ज्वॉइन करें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको तनाव होने लगेगा।

सीखते रहने पर दें जोर

कुछ लोग जॉब शुरू करते हैं तो उनके कोई खास टास्क दिया जाता है और वह केवल उसे ही करते चले जाते हैं। लेकिन आपको यह ध्यान देना चाहिए कि यह आपकी पहली जॉब है और इसलिए ऐसा बहुत कुछ है, जिसे अभी सीखा जाना बाकी है। इसलिए, जब आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रख दें, तब भी अपने सीखने के प्रोसेस को स्टॉप ना करें। ऑफिस के अलावा इंटरनेट, किताबों व शॉर्ट टर्म कोर्सेस के जरिए ऐसी चीजें सीखने की कोशिश करें, जो आपको एक अच्छी ग्रोथ दे सकें।

ऑफिस वियर का ध्यान रखना

जो लोग अपनी फर्स्ट जॉब में होते हैं, वह अक्सर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बेहद सजग नहीं होते। खासतौर से, जिन ऑफिस में ड्रेस कोड नहीं होता है, वहां पर अक्सर न्यूकमर्स कुछ भी पहन लेते हैं। जबकि आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। ध्यान दें कि इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज डैमेज होती है। भले ही यह आपकी पहली जॉब है, लेकिन फिर भी आपको अपने आउटफिट से लेकर बातचीत करने के अंदाज यहां तक कि बॉडी लैंग्वेज आदि हर चीज का ख्याल रखना चाहिए। यह सभी चीजें आपके करियर को बहुत अधिक इफेक्ट करती हैं।

कंपनी पॉलिसी को करें चेक

अगर नई जॉब ज्वॉइन करते समय आप कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि आप सभी नियमों व कंपनी पॉलिसी को अवश्य पढ़ें। अक्सर पहली जॉब में लोग इसे पढ़ना जरूरी नहीं समझते। लेकिन वास्तव में यह बेहद अहम् है। कभी-कभी कंपनी के ऐसे कुछ नियम होते हैं, जो बाद में आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसके अलावा, आपको कंपनी की सोशल मीडिया पॉलिसी भी अवश्य चेक करनी चाहिए। दरअसल, इन दिनों कई कंपनियां काम के घंटों में कर्मचारियों को सोशल मीडिया साइट्स चलाने की अनुमति नहीं देती हैं। ऐसे में अगर आप उस समय सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो यह आपके काम व जॉब के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

बैंक एग्जाम में इंग्लिश की तैयारी के टिप्स

बैंकिंग या अन्य सरकारी जॉब पाने के इच्छुक युवाओं को रिटन टेस्ट व इंटरव्यू के दौर से गुजरना ही होता है। ऐसी परीक्षाएं मुख्य रूप से ऑब्जेक्टिव टाइप होती हैं और उनमें 4 से 5 पेपर होते हैं। इनमें इंग्लिश लैंग्वेज पेपर भी होता है, जिसमें आप सही तरह से तैयारी करके काफी अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

इंग्लिश के पेपर में इंग्लिश कॉम्प्रिहेंशन, ग्रामेटिकल स्किल्स तथा वोकैब्युलरी स्किल्स को परखने के लिए प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्न इस तरह सेट किए जाते हैं कि आपके अंगरेजी ज्ञान को अच्छी तरह जांचा जा सके। आम तौर पर यह पेपर 40 अंक का होता है और इसमें वोकैब्युलरी सेक्शन प्रमुख होता है। इसी से सबसे ज्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। उम्मीदवार की वोकैब्युलरी स्किल्स को जांचने के लिए एंटॉनिम्स, सिनॉनिम्स, कॉमन एरर्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स एंड फ्रेजेस से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। इन्हें हल करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को भाषा की अच्छी समझ हो। एक नजर डालते हैं वोकैब्युलरी सेक्शन में अच्छा स्कोर करने के लिए जरूरी बातों पर।

पढ़ने की आदत

अपनी वोकैब्युलरी सुधारने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि लगातार इंग्लिश पढ़ते रहें। चाहे अखबार हों या मैग्जीन, ब्लॉग हों या वेबसाइट या फिर किताबें... आपको चाहिए कि आप जहां, जो मिले, उसे पढ़ डालें। जो भी पढ़ें, उसमें नए शब्दों और वाक्यों में उनके प्रयोग पर गौर करें।

नए शब्द सीखें

जब भी, जो भी नया शब्द दिखे, उसका अर्थ डिक्शनरी में देखें। इससे आपकी वोकैब्युलरी सुधरेगी और आपका शब्द भंडार समृद्ध होगा।

लिखते रहें

पढ़ने के साथ ही लिखने की आदत भी डालें। लिखने का अभ्यास भाषा पर आपकी पकड़ को मजबूत करेगा। इससे, जब आप कंपोजिशन लिखेंगे, तो नए शब्दों का प्रयोग करना आपके लिए आसान हो जाएगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

किताबें, मैग्जीन आदि पढ़ना अच्छी बात है लेकिन इसके साथ ही आपको इंग्लिश फिल्में, टीवी सीरियल व नाटक भी देखने चाहिए और इंग्लिश गाने भी सुनने चाहिए। कुल मिलाकर, भाषा को जिस भी रूप में ग्रहण कर सकते हैं, करें। इससे आप और वृहद स्तर पर भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

प्रैक्टिस करें

अनेक कॉम्पिटिशन गाइड बुक्स में इंग्लिश लैंग्वेज के मॉक टेस्ट पेपर तथा सैंपल क्वेश्चन पेपर उपलब्ध होते हैं। इन्हें हल करते रहने से भी आपको काफी मदद मिलेगी। आपको परीक्षा के वोकैब्युलरी सेक्शन के बारे में भी अंदाजा हो जाएगा और नए शब्द व वाक्य भी सीखने को मिलेंगे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

विनीत कुमार सिंह ने बताया कवि कलश के रूप में एक योद्धा की भूमिका के लिए कैसे तैयारी की

छावा रिलीज हो गई है। इस ऐतिहासिक फिल्म में हैरान करने वाला तत्व अभिनेता विनीत कुमार सिंह हैं, जिन्होंने राजे के करीबी विश्वासपात्र चंदोगामात्य कवि कलश की भूमिका निभाई है। चंदोगामात्य, जैसा कि संभाजी महाराज ने भी पूरी फिल्म में उन्हें प्यार से संबोधित किया है, उन्होंने हर कदम पर साबित किया कि वे स्वराज के प्रति वफादार थे। जहां तक यह भूमिका निभाने वाले विनीत की बात है, तो उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने और बाकी कलाकारों ने फिल्म में प्रतिष्ठित मराठा योद्धाओं की भूमिका निभाने के लिए कितनी कठिन मेहनत की थी।

विनीत ने खुलासा किया, मैंने छावा के लिए व्यापक तैयारी की। और यह लगभग 11 महीने तक चली। उस समय, हमें पूरी तरह से प्रशिक्षित किया गया था कि मराठा योद्धा की बारीकियों को कैसे अपनाया जाए। मैंने घुड़सवारी, तलवारबाजी, लाठी चलाना और भाला चलाना आदि सीखा और ये प्रशिक्षण अवधि भी फिल्म की शूटिंग के साथ मेल खाती थी। अब आप कह सकते हैं कि मैं शास्त्र विद्या में थोड़ा प्रशिक्षित हूं। मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। मुझे ये अवसर देने के लिए फिल्मों को धन्यवाद। लक्ष्मण उतेकर सर और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद। काम के मोर्चे पर, विनीत जल्द ही सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में नज़र आएंगे, जहां वह एक भावुक लेखक की भूमिका निभाएंगे। 28 फरवरी को रिलीज होने के लिए तैयार, रीमा कागती निर्देशित इस फिल्म में अभिनेता महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। इसके बाद उनके पास जाट है, जिसके लिए वह फिलहाल शूटिंग कर रहे हैं।

मुझे भी डिंपल मैम जैसा कुछ शानदार करना है

निर्देशक आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' के पोस्टर में सुट्टा मारती नजर आईं अभिनेत्री कृति सेनन का अभिनय फिल्म दर फिल्म निखरा है। वह मानती हैं कि उन्हें हिंदी सिनेमा की दमदार अभिनेत्रियों से काफी कुछ सीखने को मिला है। हाल ही में कृति सेनन से साझा कि उन्होंने बॉलीवुड की कुछ नामी, टैलेंटेड एक्ट्रेसेस से काफी कुछ सीखा है। वह इन्हें अपना आइडल मानती हैं। इन एक्ट्रेसेस में काजोल, तब्बू, डिंपल कपाड़िया और करीना कपूर शामिल हैं।

डिंपल मैम के रंग बिरंगे चश्मे

मुझे पता है कि ये इतना आसान नहीं होता लेकिन अभिनय मैंने दूसरों को देखकर ही सीखा है। अक्सर कहा जाता है कि अभिनेत्रियों के बीच सहज संवाद कम ही होता है पर मैंने जितनी भी हीरोइन के साथ काम किया, उनमें डिंपल (कपाड़िया) मैम का रुतबा सबसे अलग दिखा है। उनका क्या ही तो स्टाइल है, कमाल कॉन्फीडेंस और उनके रंग बिरंगे धूप के चश्मे, उफ़! एक दिन मैं भी उनके जैसे किरदार करना चाहूंगी।

करीना का करिश्मा

करीना कपूर को वैसे देखिए तो वह बहुत ही मस्तमौला टाइप की इंसान लगती है। लेकिन, सेट पर आते ही वह एकदम से बदल जाती हैं। कैमरे की नजरों में वह अलग ही दिखती हैं। हर सीन से पहले हर संवाद को तरह तरह से बोलकर याद करती हैं।

तब्बू मैम का ताव

तब्बू मैम का ताव हिंदी सिनेमा में सबसे अनोखा है। उनके किरदारों की पूरी एक फेहरिस्त मेरे पास है जिनको मौका मिले तो मैं तुरंत करना चाहूंगी। वह अपने अभिनय की आशुकवि हैं। उनके दिमाग में न जाने कहां से वह सब कैमरा ऑन होते ही आ जाता है। उनके चेहरे की एक मुस्कुराहट पूरे सीन का भाव बदल देती है।

काजोल की कलाकारी

काजोल मैम के साथ मैंने पहले फिल्म 'दिलवाले' की थी और फिर 'दो पत्ती'। इतने साल अभिनय करने के बाद भी वह हर बार कुछ नया, कुछ बेहतर करने के लिए एक न्यूकमर की तरह लालायित दिखती हैं। अभिनय के प्रति उनका ये समर्पण अक्सर मुझे शाहरुख (खान) सर की याद दिलाता है।

स्टार किड्स से बेहतर काम कर रहे हैं बाहरी कलाकार

साल 2016 में आई फिल्म सनम तेरी कसम को सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर आई नई फिल्मों से ज्यादा फैंस का प्यार मिल रहा है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा हो रही है। इस फिल्म को देख फैंस की मांग बढ़ गई है कि अभिनेता को बड़ी फिल्मों में कास्ट किया जाए। हर्षवर्धन राणे इन दिनों इंडस्ट्री में स्ट्रगल कर रहे हैं।

चर्चा से ज्यादा है काम पर विश्वास

बातचीत में हर्षवर्धन ने बताया कि कैसे उन्हें इंडस्ट्री में चल रहे भाई-भतीजावाद से परेशानी है। हर्षवर्धन ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं उन लोगों में से हूं जो अपने आस-पास चल रही आवाजों से ज्यादा काम करने में विश्वास करता हूं। कहा जाता है कि स्टार किड्स को बेहतर काम मिला है, लेकिन जब मैं लिस्ट देखता हूं, तो इसमें से कुछ लोग पहले ही अपने काम से हट चुके हैं।

बाहर से आए लोग कर रहे बेहतर काम

हर्षवर्धन राणे ने कहा कि स्टार किड्स से ज्यादा इंडस्ट्री के लोग बेहतर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उनकी सफलता पर नजर क्यों नहीं डालते हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री से ही नहीं अगर हमें किसी भी चीज पर संशय हो तो हमें उसके नोट्स बनाकर रख लेने चाहिए, इसमें कोई बुराई नहीं है।

बाहरी कलाकार कर रहे हैं अच्छा काम

हर्षवर्धन ने कहा, मैं कहता हूं कि स्टार किड्स से ज्यादा बाहर से आए लोग बेहतर काम कर रहे हैं। स्टार किड्स को इंडस्ट्री बाहर से आए कलाकारों से कम ही काम मिल रहा है। इंडस्ट्री से कोई ताल्लुक न रखने वाले कलाकार ही बेहतर काम कर रहे हैं।

प्रोड्यूसर का मिला प्यार

अभिनेता ने इस बातचीत में कहा कि मैं चाहता हूं कि इंडस्ट्री मुझ पर विश्वास करे। सनम तेरी कसम फिल्म को लेकर हर्षवर्धन ने कहा, मुझे उन्होंने एक बेहतर कहानी दी, जिसे मैंने बहुत अच्छे तरीके से लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की। मैं आखिरी में प्रोड्यूसर को खुश देखना चाहता हूं। उन्होंने मुझे जोर से गले लगा लिया था, जब ये फिल्म रिलीज हुई थी। मुझे फिल्म के कारण बहुत सारे फैंस का प्यार भी मिला है, जो मेरे लिए बहुत महत्व रखता है।

कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का गाना खुद गाया और लिखा है?

बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी कावेरी कपूर के लिए हमेशा खास रहेगी। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है, बल्कि इसलिए कि उन्होंने फिल्म के लिए एक खूबसूरत गाना गाया और कंपोज किया। फिल्म का गाना एक धागा तोड़ा मैंने एक खूबसूरत धुन है, जो जीवन के उस उथल-पुथल में खुद को खोजने के बारे में है, जो कभी-कभी जीवन बन जाता है। यह इस के बारे में है कि जीवन के घटित होने के बाद जीवन का क्या अर्थ है। यह आगे बढ़ने के बारे में है चाहे कुछ भी हो। और जो चीज़ गाने के पीछे के अर्थ की सुंदरता में जान डाल देती है, वह है कावेरी की भावपूर्ण आवाज़। यह गाना कैसे बना, इस बारे में बात करते हुए कावेरी ने बताया कि जब वह केवल 15 साल की थीं, तब उन्होंने यह गाना लिखा था। यह उन्होंने एक याद के रूप में लिखा था। लेकिन जैसे गाने में बताया गया है, कावेरी का जीवन और उनके प्लान उस समय बदल गए जब उन्हें बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का प्रस्ताव मिला और कुछ बदलावों के बाद इसे फिल्म के साउंडट्रैक में इस गाने को शामिल किया गया। कावेरी ने कहा, यह गाना कभी भी हिंदी गाना नहीं था और मेरी इसे किसी फिल्म में शामिल करने की कोई योजना नहीं थी। जब मैं 15 साल की थी तब मैंने यह गाना बनाया और लिखा था। लेकिन जब फिल्म बनी और कुणाल कोहली और निर्माता मोहन नादर ने इसे सुना, तो उन्हें यह इतना पसंद आया कि उन्होंने मुझसे इसे शामिल करने के लिए कहा। गाना, जिसे दरअसल पहले ए.आर. रहमान और कावेरी ने अंग्रेज़ी में रिकॉर्ड किया था। गीतकार प्रसून जोशी द्वारा केवल दो दिनों में हिंदी में फिर से तैयार की गई और ए. आर. रहमान द्वारा निर्मित की गई, जिसमें मूल रचना और गायन का श्रेय स्वयं कावेरी को दिया गया।

स्क्रिप्ट अच्छी हो तो बाकी चीजें मायने नहीं रखती

पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार इन दिनों अपने नए गाने 'कह दो ना' को लेकर चर्चा में हैं। ये गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। इस गाने में उनके साथ मनप्रीत कौर भी हैं। अब जीतेंद्र ने गाने और अपने इंडस्ट्री के सफर के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि फिल्ममेकिंग में राइटिंग सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर स्क्रिप्ट अच्छी हो तो बाकी चीजें मायने नहीं रखती है।

गाने की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

जब मैंने पहली बार गाना सुना, तो मुझे यह नहीं पता था कि इसे किसने बनाया है। लेकिन रेखा मैम (रेखा भारद्वाज) की आवाज ने मुझे आकर्षित किया। जब मैं क्रिएटिव टीम से मिला और उन्होंने जिस तरीके से ब्रीफ किया मुझे बहुत अच्छा लगा। शूटिंग के दौरान, जब भी मस्ती और मजाक का मौका मिलता, हम इसका आनंद लेते थे और इस दौरान कुछ नई दोस्तियां भी बनीं।

आप अपनी जर्नी को किस तरह से देखते हैं?

मेरी जर्नी काफी रोचक रही है। मुझे बहुत अच्छे मौके मिले और मैं कई दिलचस्प किरदारों का हिस्सा बना। मुझे खुशी है कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बना जो अलग और यूनिक थीं। मैं चाहता हूं कि मैं और भी नई कहानियां और किरदार करूं, जो लोगों ने पहले नहीं देखे हों।

अब राइटिंग के काम को किस तरफ से देखते हैं?

फिल्ममेकिंग में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा राइटिंग है। वही लोग जो फिल्म बना रहे हैं, उन्हें पता होता है कि क्या होने वाला है, कौन से किरदार होंगे और स्क्रीन पर क्या दिखाई देगा। राइटर और डायरेक्टर की कल्पना बहुत जरूरी है। अब एक्टर्स भी अच्छे राइटर्स के साथ काम करना चाहते हैं क्योंकि अगर स्क्रिप्ट अच्छी हो, तो बाकी सारी चीजें सेकेंडरी हो जाती हैं। इसलिए राइटिंग को सबसे ज्यादा महत्व दिया जा रहा है।

ओटीटी कैसा प्लेटफॉर्म है?

7-8 साल पहले जो साधारण कंटेंट था, वह अब बदल चुका है। अब लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बहुत तरह के कंटेंट देख रहे हैं, जो रोमांटिक, थ्रिलर और फैंटेसी जैसी शैलियों में होते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने फिल्म मेकर्स को ज्यादा स्वतंत्रता दी है, जिससे वे अपना कंटेंट ज्यादा प्रयोगात्मक तरीके से बना सकते हैं। अगर कंटेंट अच्छा होता है, तो लोग उसे पसंद करते हैं और यह हिट हो जाता है।

डिसएग्रीमेंट्स को कैसे हैंडल करते हैं?

ऐसी स्थितियां आती हैं जब डिसएग्रीमेंट्स होते हैं और उस समय लगता है कि सबसे बुरा हो गया है। कई बार यह निगेटिव एनर्जी देती है और आगे बढ़ने में रुकावट डालती है। मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति में हमें कुछ भी दिल पर नहीं लेना चाहिए, क्योंकि जिंदगी बहुत छोटी है। किसी के साथ बिना कुछ कहे अगर आप कुछ रखते हैं, तो वह सिर्फ आपका नुकसान है। इसलिए, हमेशा खुलकर अपनी बात कहनी चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।

बजट की वजह से ऋतिक की कृष 4 में हो रही देरी

तिक रोशन की फिल्म ऋकृष भारतीय सिनेमा की सबसे सफल फ्रेंचाइज फिल्मों में से एक है। अब इसका चौथा पार्ट आने वाला है। राकेश रोशन ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने फिल्म स्केल और बजट को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा... मुझे पता है कि लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब तक किसी तरह फिल्म के बजट को सही तरीके से तय नहीं कर पाए हैं। यह फिल्म लार्ज स्केल पर बननी है। अब अगर मैं बजट को कम करने के लिए इसके स्केल को कम करता हूं, तो यह एक साधारण फिल्म की तरह लगती है। अब दुनिया छोटी हो गई है। इन दिनों, बच्चों को कई तरह की सुपरहीरो फिल्में दिखाई जा रही हैं। ऐसे में छोटी से छोटी गलती भी पकड़ में आ जाएगी और उसकी आलोचना होगी।

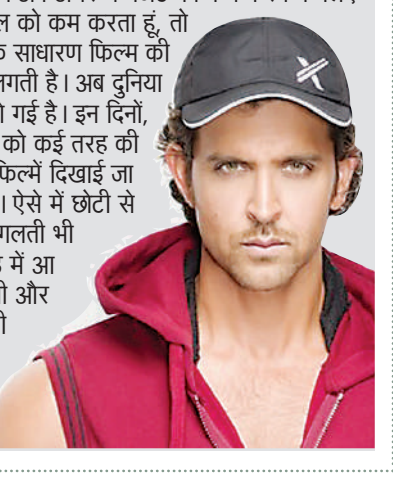

सत्य, तथ्य और विचारों से संवाद तक....

राष्ट्रीय मुख्यधारा का मासिक परिशिष्ट

खोजखबर

फ़रवरी, 2025; अंक-06

दिल्ली के दिल में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की भावना

केजरीवाल के सपनों का धुआँ...

यूएसएआईडी का दुरुपयोग

साहित्य-खण्ड

देश के प्रतिष्ठित रचनाकारों की रचनाएँ...

महाकुंभ 2025

सत्य, तथ्य और विचारों से संवाद तक....

PRESS

राष्ट्रीय मुख्यधारा

PRINT | WEB | VIDEO

राष्ट्रीय मुख्यधारा का परिशिष्ट

खोजसंवाद

ADVERTISEMENT TARIFF

Back Cover	:	5000/-
Inner Covers	:	3000/-
Inner Pages	:	2000/-
Half Pg inner	:	1000/-

We book your ads on a tri-monthly, half-yearly, and annual basis, all at DISCOUNTED PRICES.

COMPLEMENTARY :
...your Ad will be on our news portal too for 15 days or as per your booking period!

Please use the Following Contact details :

8873319159

khojsamwad@gmail.com

Join us to reach at the Intellectual's world....

खोजसंवाद

अंक - 06 FEB 2025

पृष्ठ- 34 (आवरण रहित)

Email : khojsamwad@gmail.com

Mobile : 8873319159

◦ प्रबंध संपादक ◦

राजेश मोहन सहाय

◦ मुख्य संपादक ◦

डॉ. प्रशान्त करण

◦ सह-संपादक ◦

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश',
संतोष कुमार श्रीवास्तव

◦ आवरण ◦

अंजान जी

: संपादकीय कार्यालय:

मुख्यधारा कार्यालय, गोपीन्दु भवन,
श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो, झारखण्ड।

आवरण कथा

08
नया आयकर विधेयक: करदाताओं की सुविधा और राष्ट्र की समृद्धि
– नितेश वर्मा

06
सौंदर्य की अनुभूति में तादात्म्य पहली शर्त
– अरुण कुमार दीक्षित

26
पूर्व जन्म के कर्म और इस जन्म के रिश्तों का रहस्य
– आचार्य संतोष

18
यूएसएआईडी का दुरुपयोग

– डॉ. प्रशांत करण

मुक्तध्वनि 10
केजरीवाल के सपनों का धुआँ और दिल्ली की राजनीति का नया रंग

आपकी रचनाएँ, आपके मुद्दे प्रकाशित करवाने के लिए हमसे सम्पर्क करें!

Associated with

नक्शा से निर्माण तक

Er. Santosh Srivastava
B.Tech. (Civil)
CHARTERED ENGINEER (INDIA)

jannat
ENGINEER & DEVELOPER

You dream it, we build it!

We specialize in all aspects of land development civil engineering. In addition to our design knowledge, experience and resources, we utilize a close network of surveyors, land planners, landscape architects and architects to provide you with the most comprehensive design plan(s) you require.

Drawing/permit requirements can be pretty nebulous to most individuals trying to get their plan(s) approved. We have experience with most regulatory municipalities within the DMV. Let us use this experience to assist you with your project.

वास्तुशास्त्र के अनुसार
आपकी जमीन पर हम आपके सपने को
आकार देते हैं...

- 2D & 3D Architectural & Structural Design
- Building Elevation Design
- Bottom to Floor Construction

https://www.jedindia.com

/jannatengineer @jannatindia jannatengineer@gmail.com +91 8409999333

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025:

दिल्ली के दिल में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की भावना, भाजपा की बड़ी जीत

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'
पत्रकार-साहित्यकार-कलाकार
बोकारो , झारखण्ड।

दिल्ली के सियासी मैदान में इस बार बड़ा उलटफेर देखने को मिला। 27 साल बाद भाजपा ने सत्ता में वापसी की और 70 में से 48 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की। वहीं, अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) सिर्फ 22 सीटों पर सिमट गई। दिल्ली में लगातार तीन बार सत्ता में रहने वाली 'आप' के लिए ये करारी हार थी। अब बड़ा सवाल ये है कि आखिर भाजपा ने ऐसा क्या किया जिससे 'आप' सत्ता से बाहर हो गई? इस चुनाव परिणाम के पीछे कई अहम कारण छिपे हैं, जिन्हें विस्तार से समझना जरूरी है।

मोदी फैक्टर और भाजपा की जबरदस्त रणनीति

भाजपा की जीत का सबसे बड़ा कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई नेतृत्व और पार्टी की आक्रामक चुनावी रणनीति रही। दिल्ली में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर जबरदस्त मेहनत की और बूथ स्तर तक अपनी पकड़ मजबूत की। नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीति ने चुनाव को भाजपा के पक्ष में मोड़ दिया। दिल्ली में प्रचार अभियान को बड़े स्तर पर चलाया गया और जनता को यह भरोसा दिलाया गया कि भाजपा 'आप' से बेहतर सरकार चला सकती है।

विकास और लोकल मुद्दों पर भाजपा का जोर

भाजपा ने विकास और स्थानीय मुद्दों पर पूरी ताकत झोंक दी। महिलाओं को ₹2500 महीने देने की स्कीम, गरीब परिवारों को सस्ते एलपीजी सिलेंडर और त्योहारों के दौरान मुफ्त गैस सिलेंडर देने जैसी योजनाओं को जोर-शोर से प्रचारित किया गया। वहीं, भाजपा ने 'आप' सरकार की खामियों को खुलकर उजागर किया, खासकर यमुना नदी की सफाई, ट्रैफिक जाम और जल संकट जैसे मुद्दों पर। इन समस्याओं को जनता ने करीब से महसूस किया था, जिससे भाजपा के आरोप असरदार साबित हुए।

भ्रष्टाचार के आरोपों ने 'आप' को कमजोर किया

'आप' की हार का सबसे बड़ा कारण था, भ्रष्टाचार के आरोपों में उसकी फंसी हुई छवि। दिल्ली की शराब नीति घोटाले में अरविंद केजरीवाल और उनके कई बड़े नेता जांच के घेरे में आ गए। यही नहीं, भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, जिससे पार्टी पूरी तरह कमजोर हो गई। जनता में यह संदेश गया कि 'आप' भी अब पारदर्शिता की पार्टी नहीं रही, जिससे उसके कोर वोटर्स भी हिल गए।

हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की लहर

भाजपा की इस बड़ी जीत में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की विचारधारा की भी अहम भूमिका रही। दिल्ली में पिछले कुछ सालों में सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना पहले से कहीं अधिक बढ़ी है। इस बदलाव का असर इस चुनाव में भी साफ दिखाई दिया। भाजपा ने इस जागरूकता को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी और इसे अपने प्रचार अभियान का अहम हिस्सा बनाया। राम मंदिर निर्माण, काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और अन्य धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स ने दिल्ली के मतदाताओं को भी प्रभावित किया।

इसके अलावा, अनुच्छेद 370 हटाने, तीन तलाक कानून,

नागरिकता संशोधन कानून (CAA) और समान नागरिक संहिता (UCC) जैसे मुद्दों पर भाजपा की स्पष्ट और मजबूत नीति ने राष्ट्रवादी मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में एकजुट किया। दिल्ली जैसे शहरी क्षेत्र में भी, जहां पहले तक यह माना जाता था कि लोग केवल बुनियादी सुविधाओं पर वोट डालते हैं, अब हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की भावना भी एक निर्णायक मुद्दा बन गई है।

भाजपा के प्रचार अभियान में राष्ट्रवाद और हिंदू गौरव को प्रमुख स्थान दिया गया। चुनावी सभाओं में बार-बार भारत की सांस्कृतिक धरोहर, गौरवशाली इतिहास और सनातन मूल्यों की बात की गई। मंदिरों के निर्माण, गौरक्षा, धर्मांतरण पर नियंत्रण और शिक्षा में भारतीय मूल्यों के समावेश जैसे विषयों को भी प्रचार के दौरान उछाला गया। भाजपा ने दिल्ली के मतदाताओं को यह संदेश दिया कि उनकी सरकार ही सनातन संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम है।

इसका सीधा असर हिंदू मतदाताओं पर पड़ा, खासकर उन लोगों पर जो लंबे समय से यह महसूस कर रहे थे कि उनकी धार्मिक पहचान को बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। दिल्ली में पहले यह माना जाता था कि राष्ट्रवादी और हिंदू विचारधारा को लेकर मतदाता ज्यादा उत्साहित नहीं होते, लेकिन इस चुनाव ने यह धारणा पूरी तरह बदल दी। जनता ने राष्ट्रवाद और हिंदुत्व को गले लगाया और भाजपा को भारी बहुमत से सत्ता में पहुंचा दिया।

नेतृत्व संकट और 'आप' की रणनीतिक गलतियां

नेतृत्व संकट ने 'आप' को और कमजोर कर दिया। केजरीवाल की गैरमौजूदगी में पार्टी ने आतिशी मार्लेना को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में पेश किया, लेकिन वह जनता में वह भरोसा नहीं जगा पाईं, जो केजरीवाल के पास था। भाजपा ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और मतदाताओं को विश्वास दिलाया कि अब बदलाव का समय आ गया है।

'आप' की चुनावी रणनीति भी भाजपा के मुकाबले कमजोर साबित हुई। भाजपा जहां हर वार्ड, हर गली तक पहुंची थी, वहीं 'आप' का प्रचार उतना दमदार नहीं था। पार्टी अभी भी अपने पुराने चुनावी एजेंडे, जैसे मुफ्त बिजली-पानी और मोहल्ला क्लीनिक को लेकर ही चुनाव लड़ रही थी। लेकिन जनता को अब नए मुद्दों पर भी जवाब चाहिए था—जैसे प्रदूषण, ट्रैफिक, सरकारी स्कूलों की हालत और बेरोजगारी। इन मुद्दों पर 'आप' कुछ ठोस नहीं कर पाई और न ही जनता को भरोसा दिला पाई कि वह इन समस्याओं को हल कर सकती है।

मोदी के प्रति विश्वास और भाजपा की रणनीति

मोदी सरकार की नीतियों और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण ने भी भाजपा की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मोदी सरकार की योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान से जनता को यह महसूस हुआ कि भाजपा विकास पर केंद्रित पार्टी है। भाजपा की इस जीत में मोदी सरकार की विदेश नीति, चीन और पाकिस्तान को लेकर कड़ा रुख, और कश्मीर में बदलाव जैसे कारकों का भी योगदान रहा। दिल्ली के मतदाताओं ने मोदी के नेतृत्व में भरोसा जताया और भाजपा को मजबूत जनादेश दिया।

विपक्षी एकता की कमी

विपक्षी एकता की कमी भी 'आप' के लिए नुकसानदायक रही। अगर 'आप' कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लेती, तो शायद मुकाबला भाजपा के लिए इतना आसान नहीं होता। लेकिन दोनों दलों की आपसी खींचतान ने भाजपा को खुला मैदान दे दिया। इससे भाजपा का वोट बैंक मजबूत हुआ और कांग्रेस तथा 'आप' का वोट आपस में बंट गया।

दिल्ली में राजनीति का नया अध्याय

इस चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया कि अब दिल्ली की जनता सिर्फ मुफ्त योजनाओं के नाम पर वोट नहीं देने वाली। लोग सुशासन, पारदर्शिता और स्थानीय मुद्दों के समाधान को तरजीह देने लगे हैं। भाजपा ने गवर्नेंस और मजबूत संगठन के दम पर यह चुनाव जीता, जबकि 'आप' अपनी पुरानी रणनीति, भ्रष्टाचार के आरोपों और कमजोर नेतृत्व की वजह से हार गई।

अब बड़ा सवाल यह है कि भाजपा दिल्ली में अपनी सरकार को कैसे चलाएगी? क्या वह अपने चुनावी वादों को पूरा कर पाएगी? और सबसे अहम बात, क्या 'आप' इस हार से सबक लेकर फिर से वापसी की रणनीति बना पाएगी? दिल्ली की राजनीति अब और दिलचस्प हो गई है, और आने वाले दिनों में इसमें और भी नए मोड़ देखने को मिल सकते हैं!

लड़की कामकाजु

डॉ. प्रशान्त करण
साहित्यकार
(पूर्व आईपीएस), राँची , झारखण्ड।

सरपंच जी – मुखिया जी, मेरे चचेरे भाई के साले के बेटे के लिए लड़की देखने शहर चलना है। आप अनुभवी और परख रखने वाले हैं, इसलिए लड़की वालों से आपको बात कर जाँच-परख लेना है। दोपहर में चलेंगे।

मुखिया जी – सरपंच जी, एक बात तो है, सब लोग आदमी परखने में हमारा लोहा मानते हैं। हमें भी शहर के खाद व्यापारी से अपना कमीशन लेना है। चलिए, हम अपनी मोटरगाड़ी से ही चलेंगे। लड़की वालों पर प्रभाव और दबाव भी अलग से पड़ेगा। दहेज बढ़वा नहीं दिया तो कहिएगा। लेकिन यह तो बताइए कि लड़का कुछ करता भी है?

सरपंच जी – लीजिए, यह भी कोई बात हुई? लड़का तो हीरा है। सरकारी विद्यालय में स्थायी शिक्षक की नौकरी लगाने में आप ही तो पैरवीकार थे उसके। आप तो भलाई कर भूल जाते हैं।

मुखिया जी – हें-हें! अरे, वही न जिसमें पाँच लाख की माँग थी और शिक्षा विभाग के अधिकारी से हमने तीन ही लाख में मामला सलटा दिया था? ससुरे ने गृह शहर में पदस्थापना के अलग से एक लाख लिए थे।

सरपंच जी – मुखिया जी, आपकी स्मरण शक्ति भी अद्भुत है। अब उसके जाली प्रमाण पत्र वाली बात का पोल मत ही खोलिए।

मुखिया जी – हा-हा! नहीं जी, इतने कच्चे नहीं हैं। आप यह तो बताइए कि उस मास्टर साहब को लड़की कैसी चाहिए?

सरपंच जी – अरे, लड़की कमाऊ हो तो इससे बढ़िया क्या होगा? और गोरी, दबकर रहने वाली हो, खूब दहेज ले आए, ऐसी तो होनी ही चाहिए न!

मुखिया जी – हम समझ गए। हम बहुत शादियाँ ठीक कराए हैं जी।

फिर दोनों शहर जाकर सरपंच जी के और रिश्तेदारों के साथ लड़की वालों के घर गए। औपचारिकताओं के बाद असली बात प्रारंभ हुई। सरपंच जी की ओर से दहेज में पचास लाख नकद, एक एसयूवी गाड़ी, लड़के वालों को शादी खर्च आदि के नाम पर दस लाख अलग से और सोने के जेवर तीन सौ ग्राम की माँग रखी गई।

लड़की के पिता – दहेज में तो हम बीस लाख से अधिक नहीं देंगे, बाकी सब स्वीकार है। हमारी लड़की कमाऊ जो है, बैंक में अधिकारी है, बीस लाख का पैकेज है उसका।

सारे सगे-संबंधी और सरपंच जी समझाते थक गए, लेकिन लड़की के पिता अड़े रहे।

मुखिया जी – अच्छा, छोड़िए यह बात। लड़की खाना बनाना जानती है न? क्या-क्या बनाती है?

लड़की के पिता – उसको यह सब करने का समय ही कहाँ मिलता है? सुने हैं कि मास्टर साहब अच्छा खाना बनाते हैं।

सरपंच जी – अरे कहाँ! वह तो जब शहर में पढ़ता था, तब अपना खाना बना लेता था। सब काम स्वयं करता था। होनहार है।

लड़की के पिता – हाँ, अच्छा तो है। शहरी सरकारी शिक्षक को तो खूब समय मिलता है। महीने में पाँच दिन विद्यालय भी गए तो बहुत है। शादी होने दीजिए, मेरी बच्ची सब काम अच्छे से समझा देगी। ये लोग अलग किराए के मकान में रहेंगे। मास्टर साहब घर की पूरी ज़िम्मेदारी संभाल ही लेंगे। और हाँ, मेरी बेटी को किसी तरह की कोई तकलीफ न हो, नहीं तो हमारा साला पुलिस में है, याद रहे।

अब सभी बाहर देखने लगे। बाहर सड़क के उस पार एक बैल पुआल मुँह में दबाकर गाय की नाद में बार-बार भर रहा है।

मुखिया जी ने सरपंच जी को देखा। सरपंच जी ने लड़के के पिता और अन्य को देखा। दहेज पर भी सहमति बन गई। कालांतर में विवाह भी हो गया।

कामकाजी पत्नी के आते ही मास्टर साहब महीने में सिर्फ एक बार वेतन लेने विद्यालय जाते हैं। वेतन के बीस प्रतिशत प्राचार्य बट्टा काट लेते हैं। बाकी वेतन पत्नी ले लेती है। मास्टर साहब दबते हुए अपनी पत्नी की सेवा में लगे रहते हैं। परिवार छूट गया है।

उसके दोस्त ताना मारते हैं – *"यह तेरे सिर में चोट कैसे लगी? बन गया न, जोरू का गुलाम?"*

मास्टर साहब मुस्कुराते हुए कहते हैं – *"लड़की कमाऊ है न!"*

सौंदर्य की अनुभूति में तादात्म्य पहली शर्त

अरुण कुमार दीक्षित
लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार

सौंदर्य आनंदित करता है। भारतीय दर्शन सौंदर्य को शब्दातीत मानता है। रामायण में सौंदर्य शब्द के स्थान पर रमणीय, शोभन और चारु शब्द आए हैं। वैदिक साहित्य में मनुष्य का मन सहज प्रकृति के दिव्य रूपों में रमण करता है। वैदिक कालीन अनुभूति प्रतीति को सौंदर्य कह सकते हैं। जब हम आनंद मगन हों तब सौंदर्य घटित होता है। जब सूर्य की अरुणाभा के दर्शन होते हैं तब सौंदर्य ही है। जब पक्षियों का कलरव ब्रह्म मुहूर्त में छंद बन जाए तब सौंदर्य समझो। जब आकाश गंगा रात्रि में जगमग उद्दीप्त दिखे तो सौंदर्य ही होता है। जब नदियां-झरने गीत गाते आगे बढ़ रहे हो तब वह सौंदर्य ही प्रवाहित होता है। जब अथाह जलराशि पर शुभ्र ज्योत्स्ना नर्तन में हो सौंदर्य है। नदी समुद्र में जब लहरें उफान मारती मचलती हैं तब सौंदर्य है। जब फूल खिलते हैं, सौंदर्य ही है। जब अनायास कोई गीत आपके हृदय में उमड़ आए तब वह ऋचा रूप सौंदर्य है। पूर्णिमा और अमावस्या दोनों सौंदर्य हैं। एक तमस का सौंदर्य तो दूसरा दीप्ति का सौंदर्य है। ऋतुराज बसन्त ऋतुओं का सौंदर्य है।

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के शब्दों में सौंदर्य हमारी धारणा में निहित है। वह कहते हैं- सौंदर्य की विकृत अभिव्यक्ति ही कुरूपता है। कला आत्मविस्मृत आनंद से पोषित होती है। सौंदर्य अनुभूति, भावना कल्पना, संपूर्णता, कला और सौंदर्य शास्त्र की मूल अवधारणाएं हैं। वे न केवल कला को परिभाषित करते हैं, कला और सौंदर्य को जोड़ते भी हैं। कला मानवीय भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

यूनानी दार्शनिक अरस्तू का कहना है कि सुंदरता को मापा जा सकता है। सुंदरता के लिए व्यवस्था समरूपता और निश्चितता प्रमुख है। सुंदर शरीर के रूप को परिभाषित किया है। सुंदरता के लिए गणितीय विज्ञान का भी उपयोग किया। उसका मानना था कला प्रकृति की नकल करती है। अरस्तू ने सौंदर्य के साथ राजनीति और तत्व मीमांसा पर भी कई रचनाएं लिखी है। सौंदर्य मूल्य और कला के बारे में दार्शनिक जांच है। सौंदर्य बोध की प्रथम यात्रा है। सुंदरता नैतिक या शारीरिक आंतरिक सौंदर्य के रूप में व्यक्ति परक है।

श्रीमद्भागवद गीता में सौंदर्य को सत्य कहा गया है। सांसारिक सौंदर्य कृष्ण के सर्वोच्च सौंदर्य की एक झलक है, आभा है। कृष्ण परम सत्य की अभिव्यक्ति हैं। दसवें अध्याय का 41वां श्लोक।

रामचरितमानस के बालकांड में तुलसीदास ने राम के सौंदर्य पर लिखा है। उनके (राम) नील कमल और गम्भीर (जल से भरे हुए) मेघ के समान श्याम शरीर मे करोड़ों कामदेवों की शोभा है। लाल-लाल चरण कमल के नखों की (शुभ्र) ज्योति ऐसी मालूम होती है जैसे कमल के पत्तों पर मोती स्थिर हो गए हों। (पृष्ठ 182 बालकांड)।

कालिदास ने मेघदूत में कई प्रकार के सौंदर्य का वर्णन किया है। नदी, पर्वत, वन, मेघ, पुष्पों और पक्षियों के सौंदर्य को अद्वितीय ढंग दिया है। यक्ष की कथा में अभूतपूर्व सौंदर्य की झलक है।

सौंदर्य प्रसाधन का करोड़ों का कारोबार है। सुंदर दिखने की होड़ है। टीवी-सोशल मीडिया पर सुंदर दिखने और बनने के लाखों तरीके बताए दिखाए जा रहे हैं। नकली पलकें हैं। आंखों के बदलते रंग हैं, रंगों भीतर भी कई रंग हैं। नकली बालों को लगाने और रंगने का चलन बढ़ा है। पहले महिलाओं के लिए साज-सज्जा केन्द्र आये। अब पुरुषों के पार्लर बढ़े हैं। सौंदर्य प्रसाधन क्षेत्र में देशी-विदेशी कम्पनियों का भारी मुनाफा है। बात यहीं समाप्त नहीं होती। शरीर को काट कर सुंदर दिखने का चलन यूरोप की तर्ज पर बढ़ा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में

प्लास्टिक सर्जरी की मांग बढ़ी है। विज्ञापनों की भरमार है। अन्तस् का सौंदर्य बाजार में नहीं मिलता।

सौंदर्य की अनुभूति में तादात्म्य (एम्थी) पहली शर्त है। जब हम प्राकृतिक दृश्यों को देखते हैं तो केवल स्वयं एक सुखद अनुभूति में होते हैं। हम बगल में बैठे व्यक्ति का ध्यान सुंदर दृश्य की ओर खींचते हैं कि वह भी सौंदर्य का आनंद ले। सौंदर्य का व्यावहारिक पक्ष यही है कि प्रत्येक व्यक्ति सुंदर वस्तुओं से आकर्षित होता है। चाहे हंसता गुलाब, जूही-चम्पा, लीली और उस पर मंडराती तितलियां, रंगबिरंगी चिड़िया भौंरें हों। मनोरम घाटियां, जगमग सितारे, भव्य पूर्णिमा के चांद का सौंदर्य आकर्षित करता हैं। प्रत्येक सुंदर वस्तु के दो पक्ष होते हैं- जड़ और चेतन। इंद्रियों से समझा जाने वाला रूप आकार और उसके माध्यम से अभिव्यक्त विचार, सौंदर्य अनुभूति, कला सृजन परस्पर संबंधित हैं। सौंदर्य शास्त्र का एक विषय के रूप में अध्ययन (स्टेथिक्स) कहलाता है। इसे स्वतंत्र विषय बनाने वाला 18वीं सदी का जर्मन दार्शनिक बामगार्टन था। भारत में सौंदर्य रस रूप में देखा गया है।

सौंदर्य अनुभूति का सबसे सशक्त स्थल भरत मुनि ने रंगमंच को माना है, जहां प्रत्येक प्रेक्षक भाव विभोर होकर रस अनुभूति करता है। जिन चीजों में आनंद आता है उन सुंदर चीजों को देखकर हृदय बार- बार उसी ओर आकर्षित हो जाता है। उसकी छाया पीछा करती है। गीत फूटने लगते हैं। यह भौतिक आनंद क्षणिक होता है। सौंदर्य विषय पर प्राचीनकाल से चिंतन मंथन है। कला शरीर है। सौंदर्य उसकी आत्मा है। सच्ची कला सौंदर्य का ही मूर्ति रूप होती है। कला बिना पढ़े समझ में आती है।

प्राचीनकाल में मानव ने पर्वतों की गुफाओं में पशुओं सहित भिन्न प्रकार के चित्र उकेरे हैं। यह चित्र हमें उस पाषाण, पुरापाषाण काल की सूचनाएं देते हैं कि तब का मानव कैसा था। चित्र भाषा, मानव आत्मा की भाषा है। सौंदर्य का अस्तित्व भी इसलिए है कि दुनिया में कुरूपता भी है। यही कारण है कि सौंदर्य कुरूपता का परिष्कृत रूप है। गुण की पहचान अवगुण है। विशेष कर पश्चिमी देशों में सौंदर्य की प्रतियोगिताएं होती हैं। विश्व सुंदरी के चुनाव के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता होती है। ऊपर से कुरूप व्यक्ति तब सुंदर दिखाई देगा जब उसके कार्यों में शुभता और लोकमंगल हो। सौंदर्य अनुभूति अन्य अनुभूतियों से भिन्न है।

आंतरिक आनंद की भावना इस अनुभूति में बड़ी होती है। सौंदर्य की प्रशंसा और सम्मोहन इसका चरित्र है। सौंदर्य की अनुभूति को अंग्रेजी में (एम्थी) कहते हैं यह आवश्यक शर्त है। तादात्म्य के अभाव में सौंदर्य को पूरा का पूरा अनुभव नहीं किया जा सकता। गायक कुछ गा रहा है। एक चित्रकार चित्र बना रहा है। अभिनेता अभिनय कर रहा है जो उसके साथ एकात्म हो जाए तभी वह उसके भीतर सौंदर्य की अनुभूति कर सकता है। दुनियाभर में सौंदर्य के प्रति विशेष दृष्टिकोण है। प्रत्येक व्यक्ति का अलग विचार है। आदर्शवादी सौंदर्य को केवल एक हृदय और मस्तिष्क से देखते हैं। वस्तुओं में नहीं। इसके विपरीत यथार्थवादी उसे वस्तुओं में निहित एक ठोस वास्तविकता मानते हैं। (पृष्ठ 27, 33 सौंदर्य पुस्तक डॉ० राजेन्द्र वाजपेयी)

हम सब प्रथम सौंदर्य का दर्शन अपने अंतःकरण में हृदय और मानव चक्षुओं से करते हैं। सौंदर्य सापेक्ष होता है। किसी विशेष वस्तु के सौंदर्य के संबंध में कोई सर्वमान्य अधिकृत मत नहीं दिया जा सकता है। कला प्रकृति के सौंदर्य को प्रतिध्वनित करती है। समस्त कला में सौंदर्य तत्व और आनंद तत्व विद्यमान रहता है।

सुप्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक कांट ने सौंदर्य को कामना रहित आनंद बताया है। बौद्ध दर्शन में सौंदर्य दिव्य ज्योति और उज्ज्वल प्रकाश कहा गया है। उसकी अनुभूति मानव को बोध होने पर होती है। भारत में सौंदर्य को मूलतः रस रूप देखा गया है। ऋग्वेद में सौंदर्य को श्रीनाम से कहा गया है। उपनिषदों में भी रस के व्यापक अर्थ हैं। भारत में रस सिद्धांत का श्रेय भरत मुनि को जाता है। वहीं, अभिनव गुप्त भारतीय सौंदर्य दर्शन के विशिष्ट प्रवर्तक माने जाते हैं। आयुर्वेद में रस रसायन के अर्थों में है। दार्शनिक आगस्टीन कहता है ब्यूटी इज यूनिटी संसार तत्त्वतः सुंदर है। वैदिक ऋषि सत्यम शिवम सुन्दरम का समन्वय सौंदर्य में देखते हैं। परम सत्ता के रूप में जानते हैं।

नया आयकर विधेयक: करदाताओं की सुविधा और राष्ट्र की समृद्धि

नितेश वर्मा
पत्रकार

सरकार ने 63 वर्ष पुराने आयकर कानून को संशोधित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। नया आयकर विधेयक, जिसे लोकसभा में प्रस्तुत किया गया है, कर प्रक्रिया को अधिक सरल, स्पष्ट और करदाताओं के अनुकूल बनाने का प्रयास करता है। मौजूदा आयकर अधिनियम की जटिलता को देखते हुए, नए विधेयक में अनावश्यक कानूनी प्रावधानों को हटाने और कर प्रणाली को सुगम बनाने का प्रयास किया गया है।

वित्त मंत्री का दावा है कि इस नए कानून से करदाताओं को राहत मिलेगी और आयकर अधिकारियों के साथ उनके संवाद को सहज बनाया जाएगा। मौजूदा आयकर अधिनियम 1647 पृष्ठों का है, जबकि नया विधेयक केवल 622 पृष्ठों में समेटा गया है। यह बदलाव इस ओर संकेत करता है कि कर नियमों को संक्षिप्त और समझने योग्य बनाया जा रहा है।

आयकर प्रणाली में पारदर्शिता और करदाताओं की सुविधा

आयकर प्रणाली को पारदर्शी और करदाताओं के लिए सुविधाजनक बनाना अत्यंत आवश्यक है। लोगों को स्वेच्छा से कर भुगतान के लिए प्रेरित करने हेतु ऐसी नीतियां अपनानी होंगी, जिनसे करदाताओं के मन में आयकर विभाग के प्रति भय की भावना समाप्त हो। इसके लिए आवश्यक है कि कर अधिकारियों को भी करदाताओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाए।

इसके अलावा, करदाताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। कई बार आयकर संबंधी प्रक्रियाएं इतनी जटिल होती हैं कि आम करदाता उन्हें समझ नहीं पाता और अनावश्यक कानूनी झंझटों में फंस जाता है। नए कानून में इसे ध्यान में रखते हुए कई प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे करदाताओं को राहत मिलेगी।

कर चोरी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की आवश्यकता

कर चोरी और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। हाल ही में फेसलेस असेसमेंट योजना में गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कर प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की आवश्यकता है। कर अधिकारियों द्वारा अनावश्यक पूछताछ और उत्पीड़न की संभावना को समाप्त करना भी इस सुधार का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य होना चाहिए।

इस कानून के तहत करदाताओं को केवल उनके वास्तविक आय पर कर देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे कर चोरी की प्रवृत्ति को रोका जा सके। सरकार का यह प्रयास न केवल करदाताओं को राहत देगा, बल्कि कर संग्रहण की प्रक्रिया को भी सुचारू बनाएगा।

करदाताओं के दायरे का विस्तार

इसके अतिरिक्त, करदाताओं के दायरे को बढ़ाने की जरूरत है। वर्तमान में केवल चार करोड़ लोग आयकर देते हैं, जिनमें मुख्य रूप से नौकरीपेशा वर्ग शामिल है। यह उचित होगा कि उन लोगों को भी कर के दायरे में लाया जाए जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं, लेकिन कर का भुगतान नहीं कर रहे हैं। साथ ही, संपन्न किसानों की आय पर कर लगाने पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि कृषि आय करमुक्त होने के कारण इसका दुरुपयोग किया जा रहा है।

देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और कर प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए यह संशोधन एक बड़ा कदम है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया जाए, तो यह कर संग्रह में वृद्धि के साथ-साथ आर्थिक पारदर्शिता को भी सुनिश्चित करेगा। इससे सरकार को अधिक संसाधन उपलब्ध होंगे, जिससे देश के बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं पर अधिक निवेश किया जा सकेगा।

आयकर कानून में यह संशोधन केवल करदाताओं की सुविधा के लिए ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। यह सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत कर प्रशासन को अधिक सरल, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाया जा रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस नए कानून से करदाताओं को न केवल राहत मिलेगी, बल्कि वे स्वेच्छा से कर भुगतान करने के लिए भी प्रेरित होंगे। इससे भारत की कर प्रणाली मजबूत होगी और देश आर्थिक विकास की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेगा।

मुक्तध्वनि

वक्फ संशोधन: विपक्ष की छटपटाहट और खोखले तर्क

विपक्ष का दर्द बड़ा गहरा है। आखिर लोकतंत्र में जब सबको बोलने का अधिकार है, तो विरोध करने का भी तो होना ही चाहिए! अब सरकार ने वक्फ कानून में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का साहस कर लिया, तो विपक्ष बेचैन क्यों न हो? इतने सालों से जिस संपत्ति को कुछ गिने-चुने लोग अपनी जागीर समझ बैठे थे, भला उसे सार्वजनिक हित में पारदर्शी तरीके से प्रबंधित करने की बात कैसे हजम होगी!

सबसे ज्यादा शोर इस बात पर मचाया जा रहा है कि वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिमों को भी शामिल किया जाएगा। अरे भाई, अगर वक्फ संपत्तियों को पूरी तरह धार्मिक मामला मानते हो, तो फिर सरकार से इनकी सुरक्षा और रखरखाव की गुहार क्यों लगाते हो? जब सरकार पैसा और संसाधन दे सकती है, तो प्रतिनिधित्व क्यों नहीं? लेकिन विपक्ष का यह तर्क मानो खुद अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

अब देखिए, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात आई तो भी विरोध शुरू! एक तरफ समानता और अधिकारों की लंबी-लंबी बातें करने वाले नेता, जब मुस्लिम महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने की बात आती है, तो उनका गला सूख जाता है। तीन तलाक कानून का विरोध करने के बाद अब वक्फ में महिलाओं की भागीदारी रोकने के लिए भी पुरजोर कोशिश की जा रही है। लगता है, कुछ लोगों को महिलाओं की तरक्की से विशेष एलर्जी है।

संसद में चर्चा के दौरान विपक्ष ने अपने 44 "महान सुझाव" पेश किए, जो किसी भी तरह से जनता के हित में होते तो शायद स्वीकार कर भी लिए जाते। लेकिन दुर्भाग्य से ये सुझाव उसी मानसिकता के परिचायक थे जो वक्फ संपत्तियों को कुछ खास हाथों में बनाए रखने के पक्षधर हैं। सरकार ने 14 जरूरी बदलाव किए, जिससे पारदर्शिता बढ़े, लेकिन विपक्ष को इससे भी तकलीफ हो गई। अब यह समझना मुश्किल नहीं कि विपक्ष को वक्फ सुधार से दिक्कत नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक जमीन खिसकने का डर सता रहा है।

और हां, वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले अब सीधे हाई कोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी। यह तो न्यायिक व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है, लेकिन विपक्ष इसे भी "धार्मिक हस्तक्षेप" बताने में जुटा है। लगता है, वे न्यायपालिका को भी अपनी सुविधानुसार इस्तेमाल करने की आदी हो चुके हैं।

इसके अलावा, वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण और पंजीकरण को अधिक पारदर्शी और डिजिटल बनाने की पहल भी की जा रही है। इसका सीधा मतलब है कि अब संपत्तियों के दुरुपयोग पर लगाम लगेगी। लेकिन जिन लोगों को वर्षों से इन संपत्तियों पर नियंत्रण का सुख भोगने की आदत थी, वे इसे अपनी निजी जागीर समझने की गलती कर बैठे हैं। और जब सरकार ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि संपत्तियों का सही उपयोग हो, तो वही लोग विरोध में खड़े हो गए। आखिर, मलाई हाथ से निकलते देख किसे अच्छा लगेगा?

इस पूरी बहस में सबसे दिलचस्प बात यह है कि जो लोग हर बार संविधान की दुहाई देते हैं, वे ही बराबरी के इस कदम को असंवैधानिक बताने में जुटे हैं। क्या संविधान में यह नहीं कहा गया कि हर नागरिक को समान अवसर मिलना चाहिए? अगर हां, तो फिर वक्फ बोर्ड में महिलाओं और अन्य पिछड़े वर्गों को प्रतिनिधित्व देने पर हाय-तौबा क्यों?

आखिर में, जनता को भी समझना होगा कि ये सुधार उनके हक में हैं। वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग रोका जाएगा, महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिलेगा, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और पूरी व्यवस्था पारदर्शी होगी। अब अगर विपक्ष इसे मुस्लिम मामलों में हस्तक्षेप बता रहा है, तो साफ है कि उसकी चिंता समुदाय के विकास की नहीं, बल्कि अपनी राजनीति की है। लेकिन जनता अब इतनी भोली नहीं रही कि ऐसे खोखले नारों में फंस जाए।

विपक्ष को चाहिए कि वह केवल विरोध करने के बजाय तर्कसंगत बातें करे। वरना जनता भी अब समझ चुकी है कि सुधार का विरोध करने वाले केवल अपने फायदे की राजनीति कर रहे हैं, न कि किसी समुदाय की भलाई के लिए लड़ रहे हैं।

मुक्तध्वनि

केजरीवाल के सपनों का धुआँ और दिल्ली की राजनीति का नया रंग

दिल्ली की राजनीति में बड़ा घमासान मचा और नतीजे ऐसे आए कि कुछ लोगों के चेहरे उतर गए, तो कुछ के चेहरों पर गज़ब की चमक आ गई। अरविंद केजरीवाल, जो कभी अन्ना आंदोलन की टोपी पहनकर जनता के सबसे प्रिय नेता बने थे, अब उसी जनता के फैसले से निराश बैठे होंगे। इस बार दिल्ली वालों ने "फ्री की रेवड़ी" को हल्के में ले लिया और भाजपा की चुनावी मशीनरी ने वह कर दिखाया, जो केजरीवाल एंड कंपनी सोच भी नहीं रही थी।

अब ज़रा कल्पना कीजिए, अरविंद केजरीवाल जब पहली बार राजनीति में उतरे थे, तब वह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वाले मसीहा लगते थे। वह आदमी, जो लोगों को सादगी और ईमानदारी का पाठ पढ़ा रहा था, अब उन्हीं पर भ्रष्टाचार के इतने आरोप लगे कि उनकी छवि का पोस्टर भी पुराने अख़बारों की तरह सिकुड़कर कूड़े में जा गिरा। शराब घोटाले ने उनकी "कट्टर ईमानदार" वाली टैगलाइन को ऐसा धोया कि अब वह टैग कहीं दिखाई ही नहीं देता। और जनता को जब एहसास हुआ कि मुफ्त बिजली, पानी और बस यात्रा के वादों से पेट नहीं भरता, तो वोटों की बौछार दूसरी तरफ होने लगी।

भाजपा ने इस बार पूरी रणनीति से खेला। पहले मोदी जी ने दिल्लीवालों को समझाया कि भाई, 'आप' सरकार ने तुम्हारा पैसा उड़ा दिया है, और फिर अमित शाह जी ने इस नैरेटिव को ऐसे भुनाया जैसे ठेले वाला चाट मसाले पर नींबू निचोड़ता है। चुनावी रैलियों में बड़े-बड़े वादे हुए, और जनता को यह भरोसा दिलाया गया कि भाजपा की सरकार बनी तो दिल्ली की तस्वीर बदलेगी। अब, तस्वीर कितनी बदलेगी, यह तो वक्त बताएगा, लेकिन फिलहाल केजरीवाल का हाल तो यही है कि उनके पुराने फार्मूले अब उतने कारगर नहीं रहे।

अब सोचिए, पहले केजरीवाल की चुनावी रणनीति बहुत साफ थी—फ्री दो, सत्ता लो। लेकिन इस बार जनता ने फ्री की थाली को किनारे रखकर असली मुद्दों की तरफ देखा। बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, प्रदूषण और

बुनियादी ढांचे जैसे मसले उठने लगे। और भाई, यमुना की सफाई वाला मुद्दा तो ऐसा भंवर बन गया कि उसमें 'आप' सरकार ही डूब गई। अरे भाई, यमुना साफ नहीं हुई, लेकिन वादों की गंगा ज़रूर बहती रही।

दिल्ली में भाजपा ने इस बार समझदारी से कार्ड खेले। पूर्वांचलियों, झुग्गीवासियों और महिलाओं को अपने पाले में खींच लिया। महिलाओं के वोट बैंक पर भाजपा ने ऐसी सेंध लगाई कि 'आप' की रणनीति पानी मांगने लगी। और हाँ, चुनाव से पहले फार्म भरवाने का जो ड्रामा चला कि हर महिला के खाते में पैसे आएँगे, उसकी पोल तब खुल गई जब कूड़े के ढेर में वे फार्म पड़े मिले। दिल्ली की महिलाओं को जब एहसास हुआ कि यह फॉर्म सिर्फ चुनावी नाटक था, तो उन्होंने भी अपना मूड बदल लिया।

अब केजरीवाल साहब की एक और पुरानी आदत थी—हर हार के बाद अपनी नाकामी का ठीकरा केंद्र सरकार और उप-राज्यपाल पर फोड़ना। लेकिन इस बार जनता ने कह दिया, "भाई साहब, दस साल से सत्ता में हो, अब भी अगर दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हो, तो समझ लो कि खेल खत्म है।" और वैसे भी, अगर सत्ता में बैठकर सिर्फ यह बताना है कि काम करने नहीं दिया जा रहा, तो जनता सोचेगी कि भाई, फिर सत्ता का मज़ा क्यों ले रहे हो?

और हाँ, टिकट बँटवारे का हाल तो यह रहा कि पुराने वफादारों को दरकिनार कर नए चेहरों को टिकट बाँटी गई। अब इसमें क्या हुआ? जिनको टिकट मिली, वे जनता से जुड़े ही नहीं थे, और जिनका टिकट कटा, वे अंदर ही अंदर नाराज़ होकर बैठ गए। तो ज़ाहिर है, चुनाव में नतीजे वैसे नहीं आए, जैसे केजरीवाल को चाहिए थे।

अब एक और मज़ेदार किस्सा देखिए। चुनाव से पहले केजरीवाल ने ऐलान किया था कि अगर 2025 तक यमुना साफ न कर पाया तो वोट मत देना। जनता ने कहा, "चलो ठीक है, बाबा जी का ठुल्लू!" और वोटों की बौछार भाजपा के खाते में डाल दी। लेकिन सबसे बड़ा झटका तब लगा जब हरियाणा के मुख्यमंत्री ने यमुना का पानी पीकर यह साबित कर दिया कि गड़बड़ दिल्ली में ही हो रही है। बस, फिर क्या था! मोदी जी और बाकी भाजपा नेताओं ने इस मुद्दे को इतना उछाला कि केजरीवाल साहब की सफाई देने की सारी कोशिशें धरी की धरी रह गईं।

अब आइए चुनावी आंकड़ों पर एक नज़र डालते हैं। भाजपा ने 48 सीटों पर धमाकेदार जीत दर्ज की और 'आप' 22 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस? अरे, वो तो अब 'गेस्ट अपीयरेंस' में ही दिखाई देती है। 70 में से 68 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवारों की जमानत ज़ब्त हो गई। दिल्ली में कांग्रेस का हाल ऐसा हो गया कि अब उसके समर्थकों को समझ ही नहीं आ रहा कि वे जाएँ तो जाएँ कहाँ?

कुल मिलाकर, इस बार जनता ने बता दिया कि सिर्फ मुफ्त योजनाओं के दम पर अब चुनाव नहीं जीते जा सकते। जनता को काम चाहिए, विकास चाहिए, और सबसे बड़ी बात—भरोसा चाहिए। 'आप' की मुश्किल यह है कि अब उसके समर्थक भी धीरे-धीरे यह सोचने लगे हैं कि मुफ्त की सुविधाएँ भी तभी तक अच्छी लगती हैं, जब तक उनके पीछे का सिस्टम मज़बूत हो।

अब केजरीवाल और उनकी पार्टी के लिए सबसे बड़ा सवाल यही है कि वे इस हार से क्या सबक लेंगे? क्या वे अपनी रणनीति बदलेंगे, या फिर पुरानी राहों पर ही चलते रहेंगे? भाजपा ने दिल्ली में अपने पैर जमा लिए हैं, और संघ की ज़मीनी पकड़ ने इस बार इसे और मज़बूत बना दिया है। चुनाव से पहले जितना ग्राउंडवर्क किया गया, घर-घर प्रचार हुआ, वह रंग लाया।

तो अब दिल्ली की राजनीति में नया दौर शुरू हो गया है। भाजपा ने खुद को मज़बूती से स्थापित कर लिया है, और 'आप' के सामने एक बड़ी चुनौती है—अपने पुराने वोटरों को वापस लाने की। लेकिन एक बात तो तय है, कि दिल्ली की राजनीति अब बदल चुकी है। अब सिर्फ वादों से कुछ नहीं होगा, बल्कि ठोस काम ही असली राजनीति का आधार बनेगा। और हाँ, अब चुनाव जीतने के लिए सिर्फ "फ्री फ्री फ्री" चिल्लाने से काम नहीं चलेगा, क्योंकि जनता अब समझदार हो चुकी है!

केजरीवाल अब दिल्ली की हार का ग़म भुलाकर पंजाब में सियासी सुख की खोज में निकल पड़े हैं। लेकिन ज़रा संभलकर! अगर सत्ता की मलाई चाटने के चक्कर में ज़रा भी फिसले, तो कहीं ऐसा न हो कि दिल्ली के बाद पंजाब भी "आप" से हाथ छुड़ा ले और केजरीवाल सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस करने लायक ही रह जाएँ!

सनातन संस्कृति के गौरव का दिव्य महोत्सव

महाकुंभ 2025

महाकुंभ मेला भारत की सनातन परंपरा का सबसे भव्य धार्मिक आयोजन है, जहाँ लाखों श्रद्धालु आत्मशुद्धि और मोक्ष की कामना से संगम में स्नान करते हैं। यह केवल एक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। 2025 का महाकुंभ विशेष है, क्योंकि यह 144 वर्षों के बाद एक दुर्लभ ज्योतिषीय संयोग में आयोजित हो रहा है। वर्तमान सरकार के सनातन संस्कृति को संरक्षित करने के प्रयासों से यह आयोजन और भी भव्य बन रहा है। शाही स्नान, अखाड़ों की पेशवाई और संतों के प्रवचन इसे एक अनुपम आध्यात्मिक अनुभव बनाते हैं।

महाकुंभ मेला सनातन धर्म की सबसे बड़ी और पवित्र धार्मिक परंपराओं में से एक है। यह प्रत्येक 12 वर्षों के अंतराल पर चार प्रमुख स्थानों—हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक—में आयोजित होता है। 2025 में मनाया जाने वाला महाकुंभ विशेष रूप से ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह 144 वर्षों के बाद एक दुर्लभ संयोग के रूप में आया है। विशेष ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, यह महाकुंभ कई विशेष योगों और नक्षत्रों के संयोग के कारण और भी अधिक पावन माना जा रहा है। इस आयोजन में लाखों श्रद्धालु एकत्रित होकर गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर स्नान करेंगे, जिससे यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक समरसता की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है।

सनातन संस्कृति और महाकुंभ का महत्व

महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि यह सनातन संस्कृति के मूल सिद्धांतों को जीवंत करने का एक माध्यम भी है। यह आयोजन आत्मशुद्धि, आध्यात्मिक जागरण और ज्ञान के प्रवाह का प्रतीक है। 2025 का महाकुंभ विशेष रूप से इस कारण से भी भव्य होने जा रहा है क्योंकि भारत में इस समय एक ऐसी सरकार है जो सनातन संस्कृति को समझती और उसका सम्मान करती है। केंद्र और राज्य दोनों ही स्तरों पर यह सुनिश्चित किया गया है कि यह महोत्सव ऐतिहासिक रूप से सबसे भव्य और दिव्य रूप में संपन्न हो। इस महाकुंभ के माध्यम से सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का भी एक सुनहरा अवसर मिलेगा। विभिन्न संस्कृतियों, पंथों और मतों के लोग इस आयोजन में सम्मिलित होकर सनातन धर्म के विराट स्वरूप को अनुभव कर सकेंगे।

शाही स्नान: आध्यात्मिकता और पवित्रता का संगम

महाकुंभ में शाही स्नान का विशेष महत्व होता

है। यह स्नान केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक यात्रा है जो आत्मशुद्धि और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रदान करती है। शाही स्नान के दिन, विभिन्न अखाड़ों के संत-महात्मा और नागा साधु अपने अनुयायियों के साथ गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान करते हैं। इस अवसर को देखने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक महाकुंभ में आते हैं। ऐसा माना जाता है कि शाही स्नान करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर वैदिक मंत्रों का उच्चारण, भजन-कीर्तन और साधना की जाती है, जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है। शाही स्नान का दृश्य अत्यंत भव्य और दिव्य होता है, जिसमें संत-महात्माओं की शोभायात्रा, धर्मध्वजा और रथों का विशेष महत्व होता है।

महाकुंभ का इतिहास और उसकी पौराणिकता

महाकुंभ की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब अमृत कलश को लेकर देवताओं और असुरों के बीच युद्ध हुआ, तब

भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर अमृत को सुरक्षित करने का प्रयास किया। इस दौरान अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी पर चार स्थानों—हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक—पर गिर गईं। यही कारण है कि इन स्थानों पर महाकुंभ का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन की परंपरा अति प्राचीन है और इसका उल्लेख विभिन्न पुराणों में भी मिलता है। ऋषि-मुनियों के अनुसार, महाकुंभ में स्नान करने से व्यक्ति को न केवल अपने पूर्व जन्मों के पापों से मुक्ति मिलती है, बल्कि उसे मोक्ष प्राप्ति का मार्ग भी प्राप्त होता है। इस आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक अनुष्ठान, प्रवचन और साधना का विशेष महत्व होता है।

144 वर्षों के बाद विशेष महाकुंभ

महाकुंभ 2025 का एक और विशिष्ट पहलू यह है कि यह 144 वर्षों के बाद एक विशेष रूप में मनाया जा रहा है। हालांकि, महाकुंभ प्रत्येक 12 वर्षों में आता है, लेकिन इस बार

विशेष ग्रह-नक्षत्रों और ज्योतिषीय गणनाओं के कारण यह आयोजन अत्यंत दुर्लभ संयोग के रूप में सामने आया है। इस अद्वितीय अवसर पर भारत व विश्वभर के संत, साधु, महात्मा, श्रद्धालु और शोधकर्ता महाकुंभ में भाग लेंगे। यह आयोजन न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक, आध्यात्मिक सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस बार के महाकुंभ में विशेष धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञ और हवन आयोजित किए जाएंगे, जिससे आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा।

आधुनिक भारत में महाकुंभ 2025 की भव्यता

वर्तमान सरकार ने इस आयोजन को भव्य और दिव्य रूप देने के लिए कई विशेष योजनाएँ बनाई हैं। कुंभ क्षेत्र में आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने और डिजिटल माध्यमों से इसकी व्यापक जानकारी प्रसारित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही स्तरों पर महाकुंभ की व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। विशेष रूप से सनातन धर्म और हिंदू संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने के लिए इस बार का महाकुंभ एक अभूतपूर्व अनुभव बनने जा रहा है। सरकार द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनों, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वच्छता अभियानों को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

महाकुंभ में संतों और अखाड़ों की भूमिका

महाकुंभ का सबसे प्रमुख आकर्षण विभिन्न अखाड़ों के संतों और महात्माओं का समागम होता है। शंकराचार्य परंपरा से लेकर नागा साधुओं तक, हर परंपरा के संत इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। अखाड़ों की पेशवाई और उनका शाही स्नान पूरे आयोजन की भव्यता को और बढ़ा देते हैं। संतों के प्रवचन, यज्ञ, अनुष्ठान और साधना के माध्यम से लाखों श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो जाते हैं। इन अखाड़ों की प्राचीन परंपराएँ और उनके द्वारा किए जाने वाले अनुष्ठान कुंभ के धार्मिक महत्व को और भी अधिक बढ़ा देते हैं।

महाकुंभ 2025 केवल एक धार्मिक मेला नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने और विश्व को आध्यात्मिक चेतना से जोड़ने का एक अवसर है। इस बार विशेष रूप से यह आयोजन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 144 वर्षों के बाद एक विशेष ज्योतिषीय संयोग के अंतर्गत आ रहा है। शाही स्नान, संतों की संगत, आध्यात्मिक प्रवचन और धार्मिक अनुष्ठान इस महाकुंभ को दिव्यता की नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार हैं। इस महायोग में भाग लेना हर सनातनी के लिए एक सौभाग्य की बात होगी, जो उसे जीवन की सच्ची आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करेगा।

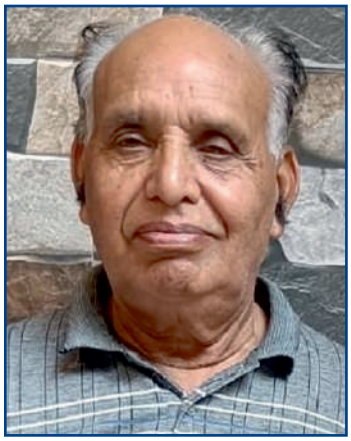

रमेश गुप्ता
लेखक

कश्मीरी एकजुटता दिवस और पाकिस्तान का 'आतंकी चेहरा'

5 फरवरी को पाकिस्तान में मनाया गया कश्मीर एकजुटता दिवस आतंकवाद के समर्थन का खुला प्रमाण बनकर सामने आया। इस दिन रावलाकोट में आयोजित रैली में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हमास के नेताओं की उपस्थिति ने पाकिस्तान की मंशा को स्पष्ट कर दिया। भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने के लिए इस कार्यक्रम का उपयोग किया गया। पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कश्मीर मुद्दे पर भारत पर दबाव बनाने का आह्वान किया। आतंकियों की उपस्थिति और रैली में लगाए गए नारे इस बात की पुष्टि करते हैं कि पाकिस्तान न केवल आतंकवाद को प्रश्रय देता है, बल्कि उसका समर्थन भी करता है।

पाकिस्तान में इस साल पांच फरवरी को कश्मीर एकजुटता दिवस पर फिर 'आतंकी चेहरा' दिखा। यही नहीं पाकिस्तान के हुक्मरान ने अपनी पुरानी आदत नहीं छोड़ी। इस बार भी कश्मीर का राग अलापते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारत पर दबाव डालने का आह्वान किया। पाकिस्तान कतई नहीं चाहता कि दुनिया कब्जाए गए उसके कश्मीर के लोगों के ऊपर ढाए जा रहे जोर-जुल्म को देखे। इस साल का कश्मीर एकजुटता दिवस पिछले समारोहों से जुदा है। हद तो यह है कि रावलाकोट में आयोजित कार्यक्रम में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा के अतिरिक्त हमास के नेताओं को बुलाया गया। इससे यह बात सिद्ध होती है कि पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थक है। इस कार्यक्रम में आतंकवादियों की मौजूदगी भारत के लिए चिंता का विषय है।

रावलाकोट में इस अवसर पर बड़ी रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य अतिथि खालिद-अल-कोदामी रहा। हमास के इस नेता ने ईरान के प्रतिनिधि के तौर पर रैली में पहुंचा। उसका भव्य स्वागत किया। उसके साथ जमात उलेमा इस्लाम के अध्यक्ष मौलाना फजल-उर-रहमान की अलग बैठक आयोजित की गई।

हमास की क्रूरता किसी से छुपी नहीं है। उसने इजराइल पर हमला कर सैकड़ों बेगुनाह नागरिकों की हत्या की है। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा 2001 में भारत की संसद, 2008 में मुंबई और 2019 में पुलवामा में हमला कर देश को हिलाकर रख चुके हैं। कश्मीर घाटी में आतंकवाद फैलाने में इन्हीं दोनों संगठनों का प्रमुख हाथ है। हाल के दिनों में भारत के जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कमी से पाकिस्तान तिलमिलाया हुआ है। उसने सीमा के पास लगभग दो दर्जन ट्रेनिंग कैंप खोले हैं। इसका मकसद भारत में घुसपैठ कराना है। हाल ही में राजौरी क्षेत्र में सीमापार करते हुए बिछाई सुरंगों की चपेट में आकर सात आतंकवादी मारे गए थे। रावलाकोट में हुए इन तीनों आतंकी सरगना के समर्थन में नारे लगवाए गए।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दिवस का उपयोग भारत के खिलाफ किया। दोनों ने कहा कि कश्मीर के लोगों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार है। प्रधानमंत्री शहबाज ने तो यहां तक कहा कि स्थानीय लोगों की वास्तविक आकांक्षाओं को दबाकर स्थायी शांति हासिल नहीं की जा सकती। रेडियो पाकिस्तान ने दोनों के संदेश जारी किए। शहबाज शरीफ ने कश्मीर एकजुटता दिवस के नाम पर कश्मीर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने कहा कि आत्मनिर्णय का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून का मौलिक सिद्धांत है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र महासभा एक प्रस्ताव अपनाती है जो लोगों के अपने भाग्य का फैसला करने के कानूनी अधिकार पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि 78 साल बीत जाने के बावजूद कश्मीरी लोगों को अभी तक इस अपरिहार्य अधिकार का प्रयोग नहीं करने दिया गया।

राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि यह दिन वैश्विक समुदाय को उत्पीड़ित कश्मीरी लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। संयुक्त राष्ट्र को 78 साल पहले कश्मीरियों से किए गए वादों का सम्मान करना चाहिए।

इस्लामिक विस्तार को रोकने में राजपूतों का योगदान

अंजान जी
संस्थापक
अंजान जी फाउंडेशन

राजपूतों का इतिहास भारतीय वीरता और संस्कृति का प्रतीक है। इस्लामिक आक्रमणों के समय, राजपूतों ने अपने बलिदान और साहस से मातृभूमि की रक्षा की। उन्होंने अपने समाज की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति दी, जिससे सती प्रथा और जौहर जैसी प्रथाओं का जन्म हुआ। राजपूत महिलाएं भी पुरुषों के साथ सम्मान की रक्षा के लिए लड़ीं। उनकी वीरता ने भारत को सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से सुरक्षित रखा, जबकि कई अन्य देशों ने इस्लामिक आक्रमणों का सामना किया। आज भी, राजपूतों की गाथाएं हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं, जो हमें स्वाभिमान और बलिदान का पाठ पढ़ाती हैं।

राजपूतों का इतिहास भारतीय संस्कृति और वीरता का ऐसा अध्याय है, जो न केवल प्रेरणा देता है बल्कि यह समझाने का प्रयास करता है कि बलिदान और समर्पण से किस प्रकार धर्म और सभ्यता की रक्षा की जा सकती है। वर्तमान में राजपूतों को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां फैलाई जाती हैं, विशेषकर यह कि वे जातीय भेदभाव और अत्याचार के लिए उत्तरदायी थे। लेकिन अगर इतिहास के पन्नों को ध्यानपूर्वक देखा जाए, तो राजपूतों की भूमिका भारत की रक्षा में नायकत्व की रही है।

इस्लामिक आक्रमण और राजपूतों का प्रतिरोध

मक्का से इस्लामिक विस्तार की शुरुआत ने दुनिया के कई देशों को बदल कर रख दिया। एक झटके में ईरान, इराक, सीरिया, मिस्र, अफगानिस्तान, कतर, बलूचिस्तान, और यहां तक कि मंगोलिया और रूस जैसे विशाल भूभाग इस्लाम के अधीन हो गए। तलवार के बल पर स्थानीय धर्मों और परंपराओं को समाप्त कर दिया गया। परंतु जब इस्लाम भारत पहुंचा, तो उसका सामना राजपूतों के अदम्य साहस और बलिदान से हुआ।

राजपूतों ने अपनी मातृभूमि और धर्म की रक्षा के लिए जो लड़ाई लड़ी, वह अभूतपूर्व थी। एक समय ऐसा आया जब भारत का प्रत्येक कोना इस्लामिक हमलों के साये में था। मगर राजपूत योद्धाओं ने अपने खून और पसीने से इस्लामिक विस्तार को भारत की सीमाओं पर ही रोक दिया। उनका प्रतिरोध इतना मजबूत था कि इस्लाम चाइना, जापान, कोरिया और नेपाल जैसे देशों तक नहीं पहुंच सका।

बलिदानों की महागाथा

राजपूतों का जीवन बलिदान का पर्याय रहा है। उन्होंने केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह कहना गलत नहीं होगा कि उनके बलिदान की गहराई इतनी थी कि उनके समाज में एक समय ऐसा भी आया, जब 18 वर्ष से ऊपर के लड़के ही नहीं बचे थे। विधवाओं की संख्या इतनी बढ़ गई कि सती प्रथा और जौहर जैसी प्रथाओं ने आकार लिया।

राजपूत महिलाएं इस बलिदान में अपने पुरुषों से पीछे नहीं रहीं। वे अपने पतियों और बेटों को युद्ध के लिए तिलक कर भेजतीं और स्वयं जौहर की आग में कूदकर अपने सम्मान की रक्षा करतीं। राजपूत नारियों के इस साहस ने न केवल समाज को प्रेरणा दी, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि उनकी आन और स्वाभिमान कभी कलंकित न हो।

सामाजिक संरचना और जिम्मेदारी

राजपूतों ने केवल युद्ध में ही नहीं, बल्कि समाज को संगठित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जातीय और वर्ण व्यवस्था का पालन किया और समाज के सभी वर्गों को संगठित रखा। उनके नेतृत्व में अन्य जातियों जैसे जाट, गुज्जर, यादव, ब्राह्मण और वैश्य ने भी इस्लामिक हमलों का प्रतिरोध किया। हालांकि, लड़ाई के मोर्चे पर हमेशा राजपूत सबसे आगे रहे। युद्ध के मैदान में उनकी भूमिका केवल आत्मरक्षा तक सीमित नहीं थी; वे पूरे समाज की रक्षा के लिए लड़ते रहे। उनकी यह प्रतिबद्धता इस बात का प्रमाण है कि वे न केवल योद्धा थे, बल्कि समाज के रक्षक भी थे।

राजपूतों की जनसंख्या में गिरावट

लगातार युद्धों और बलिदानों के कारण राजपूतों की जनसंख्या में भारी गिरावट आई। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में राजपूतों की संख्या घटकर 1% से भी कम हो गई थी। हालांकि, बाद में जनसंख्या वृद्धि के साथ यह प्रतिशत लगभग 9% तक पहुंचा। कुछ राज्यों में तो राजपूतों की उपस्थिति लगभग समाप्त ही हो गई।

इस गिरावट के बावजूद, राजपूतों ने कभी भी अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा करना नहीं छोड़ा। उनका यह संघर्ष भारतीय समाज की वर्तमान संरचना को बचाए रखने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।इस्लामिक विस्तार पर प्रभावराजपूतों के अदम्य साहस और बलिदान ने इस्लामिक विस्तार को भारत में रोके रखा। उनके प्रतिरोध का ही परिणाम था कि चाइना, कोरिया, जापान और नेपाल जैसे देश इस्लामिक आक्रमणों से बच गए। भारत के पूर्वी हिस्से जैसे बंगाल और असम भी उनके प्रतिरोध के कारण सुरक्षित रहे।अगर राजपूतों ने यह बलिदान न दिया होता, तो आज भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान पूरी तरह बदल चुकी होती।

गलत धारणाएं और वर्तमान समाज

आज के समय में राजपूतों को कई बार गलत दृष्टि से देखा जाता है। सोशल मीडिया और फिल्मों में उनकी छवि को अत्याचारी के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बॉलीवुड ने राजपूतों को अक्सर "ठाकुर" के रूप में क्रूर और शोषक दिखाया है। लेकिन यह नहीं दिखाया गया कि जब इस्लामिक तलवारें खून मांगती थीं, तो सबसे पहले राजपूतों ने अपने बेटे, भाइयों और पतियों का बलिदान दिया।

इतिहास को सही परिप्रेक्ष्य में समझने की जरूरत है। जिन वर्गों ने राजपूतों की छत्रछाया में धर्म और संस्कृति को बचाए रखा, आज वही वर्ग उनके ऊपर जातिवाद और शोषण का आरोप लगाते हैं। यह भूलना नहीं चाहिए कि राजपूतों के संघर्ष और बलिदान के बिना भारतीय समाज आज जिस स्वरूप में है, वह संभव नहीं होता।

प्रेरणा और गौरव

राजपूतों की वीरता और बलिदान भारतीय इतिहास के अमूल्य अध्याय हैं। उनकी गाथाएं केवल उनके समाज का गौरव नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के लिए प्रेरणा हैं।

यह समय है कि हम उनके बलिदानों को समझें और उन्हें सम्मान दें। यह भी जरूरी है कि हम इतिहास को सही तरीके से प्रस्तुत करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां राजपूतों के योगदान को जान सकें और उसे सराह सकें।

राजपूत वीरों और नारियों को सदैव नमन, जिन्होंने अपने धर्म, संस्कृति और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका जीवन और बलिदान हमें यह सिखाता है कि सच्चा साहस और स्वाभिमान क्या होता है। "धन्य है वह धरती जहां राजपूतों ने जन्म लिया, धन्य है वह इतिहास जहां उनकी वीरता अमर हो।

राजपूत केवल योद्धा नहीं, वे भारतीय सभ्यता के रक्षक हैं।

पंकज जगन्नाथ जायसवाल
लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार

यूएसएआईडी का दुरुपयोग

मानवता की आड़ में वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें डीप स्टेट ताकतें और यूएसएआईडी का हिस्सा शामिल है, स्वार्थी कारणों और दुनिया को अपने हिसाब से चलाने की इच्छा के लिए कई देशों की राजनीतिक प्रणालियों और संस्कृतियों को नष्ट कर रहा है।शाहीनबाग, किसान आंदोलन, बांग्लादेश हिंदू नरसंहार, कश्मीर नरसंहार, मुंबई आतंकवादी हमला, नक्सलवाद और आतंकवाद की गतिविधियाँ, शहरी नक्सलियों के भारत विरोधी आख्यान जैसे कई भारत विरोधी प्रदर्शन, सभी वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा वित्तपोषण की ओर इशारा करते हैं, जिनमें से एक यूएसएआईडी है।डोनाल्ड ट्रम्प और एलोन मस्क ने मानवता के लिए जोखिम देखा और यूएसएआईडी को बंद कर दिया।विदेशी सहायता रोकने और इसके वितरण के प्रभारी प्रमुख एजेंसी को बंद करने के ट्रम्प प्रशासन के हालिया कदमों ने संघीय खर्च में विवाद के अपेक्षाकृत मामूली लेकिन लंबे समय से चले आ रहे स्रोत पर ध्यान केंद्रित किया है।

इन कदमों ने दुनियाभर के मानवीय संगठनों और सरकारों के बीच अस्पष्टता पैदा कर दी है कि कौन-से कार्यक्रम जारी रह सकते हैं और कौन-से नहीं। स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और जल जैसी अनेक मानवीय सहायता जारी रखी जानी चाहिए और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प निःस्संदेह मानवता-विरोधी वामपंथी समूहों को हटाने के बाद ये सहायता शुरू करेंगे।

भारत तथा अन्य विकासशील और अविकसित देशों में मानवता विरोधी कार्रवाइयों के लिए मानवता विरोधियों के वित्तपोषण का किस प्रकार दोहन किया जा रहा है? कुछ उदाहरण-

यूएसएआईडी, जिसपर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना हो रही है, उसे अमेरिका के सभी अंतरराष्ट्रीय व्यय का आधे से अधिक फंड प्राप्त होता है। खतरे के संकेतों के बावजूद, यूएसएआईडी ने पाकिस्तान स्थित फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (FIF) को वित्तपोषित किया, जो हाफिज सईद के लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का मुखौटा है। इस तथ्य के बावजूद कि अमेरिकी सरकार ने एफआईएफ और एलईटी पर प्रतिबंध लगा दिया है, उन्हें यूएसएआईडी से वित्त पोषण प्राप्त हुआ।फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (FIF) और एलईटी मुंबई में 26/11 के हमलों के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें 166 लोग मारे गए थे। पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए

166 व्यक्तियों में छह अमेरिकी भी थे।

एफआईएफ को यूएसएआईडी का पैसा हेल्पिंग हैंड फॉर रिलीफ एंड डवलपमेंट (HHRD) के माध्यम से भेजा गया था, जो मिशिगन में स्थापित एक मुस्लिम गैर-लाभकारी संस्था है, जिसका दक्षिण एशिया में सक्रिय आतंकवादी समूहों से संबंध है। ट्रम्प ने यूएसएआईडी पर नकेल कसते हुए इसे डीपस्टेट करार दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, ट्रम्प से जुड़े एक अकाउंट ने दावा किया कि जॉर्ज सोरोस ने यूएसएआईडी से $260,000,000.00 प्राप्त किए और इस पैसे का इस्तेमाल श्रीलंका, बांग्लादेश, यूक्रेन, सीरिया, ईरान, पाकिस्तान, भारत, यूके और अमेरिका में अराजकता फैलाने, सरकार बदलने और

कि उन्होंने ट्रम्प के साथ यूएसएआईडी के बारे में बात की और [राष्ट्रपति] सहमत हुए कि हमें इसे बंद कर देना चाहिए, ट्रम्प द्वारा यूएसएआईडी के बारे में संवाददाताओं से कहने के बाद, इसे कट्टरपंथी पागलों के एक समूह द्वारा चलाया जा रहा है, और हम उन्हें बाहर निकाल रहे हैं, और फिर हम [इसके भविष्य के बारे में] कोई निर्णय लेंगे।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यूएसएआईडी द्वारा वित्तपोषित एनजीओ ने सरकार की अग्निवीर परियोजना का विरोध किया, जाति जनगणना को बढ़ावा दिया और देश में नक्सलवाद का समर्थन किया।

व्यक्तिगत लाभ के लिए किया। उनकी टिप्पणी अमेरिकी विदेशी सहायता की बढ़ती जांच में शामिल है, खासकर तब से जब ट्रम्प प्रशासन ने यूएसएआईडी के बजट को फ्रीज कर दिया है। डॉज (DOGE) के सीईओ एलन मस्क ने ट्रम्प की सरकार का समर्थन किया है, जो वामपंथ यूएसएआईडी की वित्तीय सहायता पर जोर देते हैं, जिसे वे विवादास्पद उपक्रम बताते हैं।

मस्क की भागीदारी और समर्थन ने शासन परिवर्तन और राजनीतिक प्रभाव के लिए विदेशी सहायता के उपयोग के बारे में रिपब्लिकन की चिंताओंको बढ़ा दिया है। मस्क ने एक्स स्पेसेस की बातचीत में कहा

अमेरिकी विदेशी सहायता पारंपरिक रूपसे विकास के बजाय राजनीतिक शक्ति पर केंद्रित रही है। USAID द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रमों ने बार-बार प्राप्तकर्ता देशों को अमेरिका के अनुकूल नीतियों को अपनाने, अमेरिकी फर्मों के पक्ष में बाजार सुधारों को लागू करने और सैन्य प्रभुत्व के लिए रणनीतिक आधार के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया है। सहायता स्वयं कभी-कभी सच्ची आत्मनिर्भरता बनाने के बजायअल्पकालिक उपायों को प्राथमिकता देती है, जिससे कई विकासशील देश आर्थिक सशक्तीकरण की बजाय निर्भरता के चक्र में फंस जाते हैं। इन कमजोरियों के बावजूद, USAID अमेरिकी सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण उपकरण रहा है।

देखिए, यूएसएआईडी किसी कारणयाकार्यके लिए सिर्फ चेक लिखकर नहीं चला जाता है। यह जमीन पर राज्य के कर्मियों, अनुबंध श्रमिकों और गैर-सरकारी संगठनों (NGO) के संयोजन को नियुक्त करता है। उनमें से कुछ पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं, लेकिन संघीय विशेषाधिकारों के बिना। और वे स्थायी सिविल सेवा पेशेवरों और विदेश सेवा अधिकारियों की तुलना में बहुत अधिक संख्या में हैं, जो आमतौर पर एक अमेरिकी सरकारी एजेंसी के लिए काम करते हैं। सीरिया के उदाहरण में, यूएसएआईडी ने शरणार्थियों को खिलाने के लिए धन उपलब्ध कराया। हालांकि, चार वर्षों में, एकएनजीओएजेंट ने इसका लगभग 10% हिस्सा चुरालिया और इसे अल-कायदा से जुड़े संगठन में भेज दिया।

संघीय अमेरिकी सरकार विदेशी सहायता पर कितना खर्च करती है?

कांग्रेस के बजट कार्यालय के जनवरी 2025 के पूर्वानुमानों के अनुसार, सरकार वित्तीय वर्ष 2025 में अंतरराष्ट्रीय सहायता कार्यक्रमों पर लगभग 58.4 बिलियन डॉलर खर्च करने की राह पर है। लेकिन, वित्तीय वर्ष के शुरू होने में बमुश्किल तीन महीने रह गए हैं, जब ट्रम्प प्रशासन आक्रामक रूप से सहायता को फिर से आकार दे रहा है और उसे कम कर रहा है, तो यह आँकड़ा बदल सकता है। ForeignAssistance.gov के अनुसार, संयुक्त राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय सहायता पर 71.9 बिलियन डॉलर खर्च किए, जो सबसे हालिया वित्तीय वर्ष है, जिसके लिए डेटा काफी हद तक पूरा है। इसकी तुलना में वित्तीय वर्ष 2022 में लगभग 74.0 बिलियन डॉलर खर्च किए गए। ये डेटा (और ForeignAssistance.gov के अन्य) अन्य देशों को हथियारों की बिक्री और सैन्य उपकरणों के हस्तांतरण के विषय से बाहर हैं। बदलती परिस्थितियों (जैसे युद्ध, आपदाएँ या बीमारी का प्रकोप) और बदलते राष्ट्रीय लक्ष्यों के आधार पर विदेशी सहायता की राशि, प्राप्तकर्ता और उद्देश्य साल-दर-साल बदलते रहते हैं। उदाहरण के लिए, वित्त वर्ष 2001 में यू.एस. विदेशी सहायता व्यय काफी कम था: मुद्रास्फीति-समायोजित 2023 डॉलर में $24.6 बिलियन। हालाँकि, संघीय राजकोषीय मानदंडों के अनुसार, हाल के वर्षों में वार्षिक सहायता व्यय में कोई खास बदलाव नहीं आया है। वित्त वर्ष 2008 और वित्त वर्ष 2023 के बीच, वार्षिक सहायता व्यय मुद्रास्फीति के लिए समायोजित $52.9 बिलियन और $77.3 बिलियन के बीच उतार-चढ़ाव रहा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यू.एस. सरकार दुनिया की सबसे बड़ी सहायता देने वाली संस्था है, जो 2024 में ट्रैक की गई सभी मानवीय सहायता का 40% से अधिक हिस्सा देती है।

पूरे संघीय बजट के हिस्से के रूप में विदेशी सहायता कितनी बड़ी है?

सरकार ने वित्त वर्ष 2023 में विदेशी सहायता पर $71.9 बिलियन खर्च किए, जो कि $6.1 ट्रिलियन से अधिक के कुल संघीय व्यय का 1.2% है। एक लाइन चार्ट यह दर्शाता है कि विदेशी सहायता व्यय अमेरिकी संघीय बजट का एक मामूली लेकिन विवादास्पद घटक है। वित्त वर्ष 2001 से, विदेशी सहायता ने समग्र संघीय व्यय का 0.7% से 1.4% हिस्सा लिया है। तुलना के लिए, सरकारी घाटा - प्राप्तियों और व्यय के बीच का अंतर जिसे उधार लेकर कवर किया जाना चाहिए- वित्त वर्ष 2023 में लगभग $1.7 ट्रिलियन था। शीत युद्ध के दौरान संघीय व्यय में विदेशी सहायता का हिस्सा बड़ा था। वास्तव में, वर्तमान सहायता प्रणाली को बड़े पैमाने पर संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच प्रतिद्वंद्विता द्वारा आकार दिया गया था।

अमेरिकी विदेशी सहायता राशि का उपयोग किस लिए किया जाता है?

अमेरिकी विदेशी सहायता मानवीय, आर्थिक विकास और लोकतंत्र निर्माण परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को निधि देती है, हालांकि श्रेणियां अस्पष्ट हो सकती हैं और उनके बीच अंतर अस्पष्ट हो सकता है। उदाहरण के लिए, वित्त वर्ष 2023 में सबसे बड़ा गतिविधि क्षेत्र, $15.9 बिलियन या सभी दी गई सहायता का 22.1%, विकास के लिए व्यापक आर्थिक आधार था। यह सब आर्थिक विकास के लिए लग सकता था, पर उस राशि का $14.4 बिलियन सीधे रूस के साथ युद्ध में यूक्रेनी सरकार का समर्थन करने के लिए खर्च किया गया था।

भारत में वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र की कठपुतलियाँ, जिनमें कुछ वंशवादी राजनीतिक दल, कई गैर सरकारी संगठन, शहरी नक्सली, स्वयंभू बुद्धिजीवी और कुछ मीडिया हस्तियाँ शामिल हैं, मानवता विरोधी और विभाजनकारी ताकतों के साथ उनके संबंधों के साथ-साथ व्यक्तिगत लाभ और पर्याप्त धन के लिए राष्ट्र और इसकी संस्कृति को कमजोर करने के उनके प्रयास स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
लेखक

प्रतिस्पर्धा नहीं बालमन को चाहिए मोटिवेशन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर परीक्षाओं से पहले देश के परीक्षार्थी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों से मन की बात के माध्यम से संवाद कायम कर मोटिवेट करने की बड़ी पहल की है। मन की बात में परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण और सामयिक हो जाता है कि आने वाले दिनों में सीबीएसई और राज्यों के बोर्डों की परीक्षाएं होने जा रही है। प्रधानमंत्री की संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अति महत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवनलीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। कोचिंग हब कोटा बच्चों की आत्महत्या के लिए बदनाम है पर कोटा से अधिक आत्महत्या देश के अन्य हिस्सों में भी हो रही है। कोटा को आत्महत्याओं के दाग को धोने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। खैर, प्रधानमंत्री मोदी ने जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुये ना केवल परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई की है अपितु अध्यापकों को भी स्पष्ट संदेश दिया है।

इसमें दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि कुछ दशक पहले तक दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक रहते थे, उसके बाद लगभग दोगुने द्वितीय श्रेणी व बाकी तीसरी श्रेणी पाकर संतोष कर लेते थे। आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी और प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर से उनके पैरेंटस में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बलि चढ़ाई जाने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही कहा है कि कूकर के प्रेशर की तरह बच्चों को प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चे की लगन किसी और दिशा

में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं।

परीक्षा पर चर्चा की अच्छी बात यह है कि देश के 3.30 करोड़ बच्चों, 20 लाख शिक्षकों और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक इससे जुड़े। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बैटिंग करने वाले खिलाड़ी की भूमिका निभाने का संदेश दिया तो टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करने, लिखने की आदत डालने, खुल कर अपनी बात कहने, मन को शांत रखने, केवल किताबी कीड़ा नहीं बनने, रोबोट नहीं इंसान बनने और पूरी नींद लेने के लिए मोटिवेट किया। सबसे खास बात यह कि बच्चों को स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया। हमें दूसरे के स्थान पर स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी है। स्वयं से प्रतिस्पर्धा करेंगे तो आत्मविश्वास बढ़ेगा। दरअसल होता यह है कि दूसरे से प्रतिस्पर्धा के चक्कर में नकारात्मकता अधिक आती है। होना यह चाहिए कि अपनी कमियों को ही सबक बनाकर बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदीजी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश न होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। मोदीजी ने मन की बात में बच्चों, परिजनों और टीचर्स तीनों को संदेश देने का प्रयास किया है। होता यह है कि जो बच्चे होशियार होते हैं या प्रभावशाली परिवार के हैं, उनपर टीचर्स का विशेष ध्यान होता है और जो बच्चे कमजोर होते उनके मामले में पीटी मीटिंग के माध्यम से पैरेंट्स को नीचा दिखा कर इतिश्री कर लेते हैं। बच्चों की नाकामी पर कभी किसी स्कूल या टीचर ने जिम्मेदारी ली हो, यह आज तो लगभग असंभव है। चाहे आप पढ़ाई के नाम पर स्कूल को कितनी ही फीस देते हो आप पर बच्चे को ट्यूशन कराने का दबाव आ ही जाता है। यदि शिक्षण संस्थानों में कमजोर और औसत बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाए तो तस्वीर बदल भी सकती है।

इसी तरह से पैरेंट्स को भी नसीहत देने में मोदी जी पीछे नहीं रहे। पैरेंट्स को बच्चों की लगन, रुचि को समझना होगा। अपनी अपेक्षाएं उस पर लादने के स्थान पर दिशा देने के प्रयास करने होंगे। बच्चों के साथ बैठकर खुलकर बात करें। उनकी इच्छा, लगन और कोई परेशानी है तो उसे समझने का प्रयास करें। बच्चों में परस्पर तुलना कर बालक मन को कुंठित नहीं करना चाहिए। बच्चों को निराश करने के स्थान पर मोटिवेट करने के समग्र प्रयास की आवश्यकता है। बच्चों को मशीन नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों को समझाया यह जाना चाहिए कि 24 घंटे का समय सभी के पास होता है, इस समय को किस प्रकार से उपयोग करना है इस पर फोकस हो तो निश्चित रूप से अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कहने का अर्थ यह है कि बच्चों का मनोबल बढ़ाने उनमें सकारात्मकता विकसित करने की दिशा में हमें काम करना होगा। बच्चों को समझाना होगा कि बड़ी बात जीवन में सफल होना है।

साहित्य संस्कार

◦ निर्मला कर्ण

परीक्षा

घड़ी परीक्षा की बड़ी, होती दुष्कर तात।
धैर्य परिश्रम से सदा, काज सफल हुइ जात।।

मात–पिता समझा रहे, रखकर सिर पर हाथ।
समझो महिमा समय की, मिले सफलता हाथ।।

संशय डर को छोड़ जो, कदम बढ़ाया एक।
आता लक्ष्य समीप है, साथी मिलते नेक ।।

दूजे पर निर्भर किया, उसके बिगड़े काम।
लक्ष्य कहाँ वह पा सके, हो जाते बदनाम।।

पाना है यदि लक्ष्य तो, अपने पर विश्वास।
कदम कदम आगे बढ़ो, पूरी होगी आस।।

◦ कृष्णा शर्मा

ग़ज़ल

पीड़ा से लिपटे पन्नों की स्याही में अश्क घुल गए।
यूँ लगता हैं मानो घाव के टाँके नमक में खुल गए।

बेटी होने का फर्ज कुछ यूँ अदा हुआ हमसे,न पूछ।
इश्क की लकीरो के निशां भी अश्को से धुल गए।

कुछ बेबसी मुकददर की, कुछ इश्क के करम हुए।
अपने घावो पर नमक भी अपने हाथो से ढुल गए।

कोई करिश्माई धोखा था या कोई रंजिश–ए–पैहम।
पहली नजर के इश्क में यारा हम बैठे–बैठे रुल गए।

उसकी कजरारी आँखों की खता क्या बताये अब।
जिस शौक–ए–कमाल से देखा हम खुद को भुल गए।

दिल को धड़कना का सबब तुझें देखा तो याद आया।
तेरी एक नजर की खातिर मरने पर कृष्णा तुल गए।

◦ अपर्णा सिंह

(लघुकथा)

रोटी का महत्व

रोहन, 13 साल का एक मासूम बच्चा, जिसकी दुनिया अचानक बदल गई थी। कोरोना महामारी में पिता के इंतक़ाल के बाद परिवार की ज़िम्मेदारी उसके कंधों पर आ गई थी। खेलने-कूदने की उम्र में ही उसे रोटी की अहमियत समझ आ गई थी।

घर में न पैसा था, न कोई रोज़गार। लेकिन भूख को मिटाना ज़रूरी था। तब उसकी माँ ने फैसला किया कि वह घर में वही चीनी वाली मिठाई बनाएगी, जिसे उसके पिता बेचा करते थे, और रोहन उसे बाज़ार में बेचने जाएगा।

दिसंबर की ठंडी रात और सर्द हवा के थपेड़े उसे बेचैनी से इधर-उधर भटकने पर मजबूर कर रहे थे। रात के 8 बज चुके थे, लेकिन अब भी उसके पास पाँच मिठाइयों के पैकेट बचे थे। तभी उसने देखा कि एक अधेड़ महिला चाऊमीन के स्टॉल पर रुकी। वह दौड़कर उनके पास पहुँचा और मिठाई खरीदने की गुहार लगाने लगा।

महिला ने पहले तो मना कर दिया, लेकिन फिर उसकी नज़र उस मासूम बच्चे की आँखों पर पड़ी, जो मानो कह रही थीं—अगर आप इसे खरीद लेंगी, तो हमारे घर में आज रोटी पक पाएगी। महिला अकेली रहती थी और मिठाई खा नहीं सकती थी, फिर भी उसने पाँचों मिठाइयाँ खरीद लीं। लेकिन उन्होंने रोहन को मिठाइयाँ भी लौटा दीं, ताकि वह खुद खा सके।

रोहन इसके लिए तैयार नहीं था। उसने विनम्रता से कहा, "मैं इन्हें पैसों के लिए बेच रहा हूँ। अगर आप मुझे ही ये मिठाइयाँ खाने देंगी, तो मैं माँ को जाकर क्या बताऊँगा?"

बच्चे की ईमानदारी से महिला बेहद प्रभावित हुईं। उन्होंने हाथ जोड़कर कहा, "बेटा, आज तुम रोटी के लिए भटक रहे हो, लेकिन तुम्हारी ईमानदारी तुम्हें उस मुक़ाम तक ले जाएगी, जहाँ तुम दूसरों को रोटी बाँटोगे।"

कुछ सालों बाद, वही बुजुर्ग महिला एक दुकान में सामान खरीद रही थीं। अचानक, किसी ने आकर उनके पाँव छू लिए। धुँधली आँखों से उन्होंने सामने खड़े व्यक्ति को पहचानने की कोशिश की, लेकिन नहीं पहचान पाईं।

तभी उस युवक ने मुस्कुराकर कहा, "आज से 10 साल पहले आपने जिस बच्चे को मिठाई और आशीर्वाद दिया था, वो मैं ही हूँ। आपकी दुआओं और मेरी ईमानदारी के कारण मुझे नौकरी मिली और आज मैं इस दुकान का मालिक हूँ। उस दिन के बाद से मैंने यह नियम बना लिया कि हर दिन किसी न किसी ज़रूरतमंद को रोटी ज़रूर खिलाऊँगा।"

महिला की आँखों में आँसू थे, लेकिन यह आँसू खुशी और संतोष के थे।

◦ राखी वैद्य

तुम्हारा होना

ये जो कस्तूरी सा महकता है
पलाश बन दहकता है
ओस सा चमकता है
फागुन सा लहकता है
दिन रात मेरे अंदर..

ये जो कुमुदिनी सा खिलता है
बर्फ सा पिघलता है
हरसिंगार सा झरता है
शरद सा सिमटता है
दिन रात मेरे अंदर...

ये जो शंखध्वनि सा गूंजता है
ज्वार सा उफनता है
करताल आ झनकता है
घुंघरू सा खनकता है
दिन रात मेरे अंदर...

ये जो यौवन सा निखरता है
बचपन सा बहलता है
वक्त आ फिसलता है
कविता सा मचलता है
दिन रात मेरे अंदर...

जानते हो ये क्या है ?
नहीं न
मैं बताऊं?
ये कुछ और नहीं
तुम्हारे होने का आभास मात्र है
तुम्हारे होने का आभास मात्र है

आचार्य संतोष
चार्टर्ड अभियंता (सिविल)
ज्योतिष विशारद एवं वास्तु आचार्य

पूर्व जन्म के कर्म और इस जन्म के रिश्तों का रहस्य

हमारे जीवन के सभी रिश्ते-नाते और परिस्थितियां हमारे पूर्वजन्म के कर्मों का परिणाम होती हैं। शास्त्रों के अनुसार, संतान चार प्रकार की होती है: ऋणानुबन्ध, शत्रु, उदासीन और सेवक। ये हमारे अच्छे या बुरे कर्मों का फल होती हैं। यदि हमने दूसरों की सेवा की है, तो हमारी संतान हमारी सेवा करेगी, और यदि हमने किसी का बुरा किया है, तो हमें दुख झेलना पड सकता है। धन-दौलत का मोह व्यर्थ है, क्योंकि साथ केवल हमारे अच्छे कर्म ही जाते हैं। इसलिए जीवन में सदैव नेक कार्य करें, दूसरों की मदद करें और सत्कर्मों का पालन करें

शास्त्रों और आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार, हमारा जीवन हमारे पूर्वजन्म के कर्मों से गहराई से जुड़ा हुआ है। हमारे वर्तमान जन्म में माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी, मित्र, शत्रु और अन्य सभी रिश्ते-नाते हमारे पूर्वजन्म के कर्मों का परिणाम होते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन सभी रिश्तों से हमारा कोई न कोई पुराना संबंध अवश्य होता है। ये संबंध या तो हमारे द्वारा पूर्वजन्म में किए गए कर्मों का प्रतिफल होते हैं या उन कर्जों का भुगतान जिनका हिसाब बाकी है।इसी प्रकार, हमारे घर में जन्म लेने वाली संतान भी हमारे पूर्वजन्म के किसी संबंधी का ही रूप होती है। यह संतान हमें विभिन्न रूपों में मिलती है, जो हमारे पूर्वजन्म के कर्मों और संबंधों के आधार पर चार प्रकार की होती है।

1. ऋणानुबन्ध पुत्र

यदि पूर्वजन्म में हमने किसी से ऋण लिया हो या किसी का धन नष्ट किया हो, तो वह व्यक्ति हमारे घर में संतान बनकर जन्म लेता है। यह संतान उस ऋण को वसूलने के लिए हमारे जीवन में आती है। इसका परिणाम यह होता है कि यह संतान बीमारी, व्यर्थ के कार्यों या अन्य तरीकों से हमारा धन तब तक नष्ट करती रहती है जब तक उसके पूर्वजन्म के ऋण का हिसाब पूरा न हो जाए।

इस प्रकार की संतान हमें यह सिखाती है कि हमें अपने कर्मों का हिसाब-किताब साफ रखना चाहिए। जो गलतियां हमने की हैं, उनका प्रभाव न केवल हमारे वर्तमान जीवन पर पड़ता है, बल्कि हमारे भविष्य के जीवन को भी प्रभावित करता है।

2. शत्रु पुत्र

यदि पूर्वजन्म में हमारा किसी के साथ दुश्मनी का संबंध रहा हो, तो वह व्यक्ति इस जन्म में हमारे घर में संतान बनकर जन्म ले सकता है। ऐसा व्यक्ति बदला लेने के लिए हमारे जीवन में आता है।

यह संतान बड़े होकर माता-पिता से झगड़े करती है, मारपीट करती है, और उन्हें तरह-तरह से सताती है। वह हमेशा कटु वाणी बोलकर माता-पिता की बेइज्जती करती है और उन्हें दुखी रखकर स्वयं खुश होती है। इस प्रकार की संतान हमारे लिए एक प्रकार की परीक्षा होती है, जो हमें हमारे पूर्वजन्म के कर्मों का प्रतिफल दिखाती है।

3. उदासीन पुत्र

उदासीन संतान वे होती हैं जो न तो माता-पिता की सेवा करती हैं और न ही उन्हें कोई सुख देती हैं। ये संतानें अपने माता-पिता को उनके हाल पर छोड़ देती हैं। विवाह के बाद वे माता-पिता से अलग हो जाती हैं और उन्हें अपने जीवन से दूर कर देती हैं।

इस प्रकार की संतान का जन्म भी हमारे पूर्वजन्म के कर्मों का परिणाम होता है। यह हमें यह सीख देती है कि हमें दूसरों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए और हमेशा अपने कर्तव्यों को निभाना चाहिए।

4. सेवक पुत्र

यदि हमने पूर्वजन्म में किसी की निस्वार्थ भाव से सेवा की हो, तो वह व्यक्ति इस जन्म में हमारी सेवा करने के लिए हमारे घर में संतान बनकर जन्म लेता है।

क्रमशः...

सेवक संतान माता-पिता की पूरी सेवा करती है और उनके बुढ़ापे का सहारा बनती है। यह संतान हमें यह दिखाती है कि **"जो बोया है, वही काटोगे।"** यदि हमने अपने माता-पिता की सेवा की है, तो हमारी संतान भी हमारी सेवा करेगी। लेकिन यदि हमने अपने माता-पिता की उपेक्षा की है, तो बुढ़ापे में हमारे पास एक गिलास पानी देने वाला भी नहीं होगा।

अन्य जीव भी बन सकते हैं संतान

यह नियम केवल मनुष्यों पर ही लागू नहीं होता। हमारे कर्मों का प्रभाव अन्य जीवों के साथ भी हमारे संबंधों पर पड़ता है। यदि हमने किसी गाय या अन्य जीव की सेवा की है, तो वह भी हमारे जीवन में संतान बनकर आ सकता है।

यदि हमने किसी गाय को स्वार्थवश पालकर उसे दूध देना बंद करने के बाद घर से निकाल दिया हो, तो वह ऋणानुबन्ध पुत्र बनकर जन्म ले सकती है। इसी प्रकार, यदि हमने किसी निर्दोष जीव को सताया है, तो वह शत्रु बनकर हमारे जीवन में प्रवेश कर सकता है।

कर्म और प्रकृति का नियम

जीवन में किए गए प्रत्येक कर्म का परिणाम हमें भुगतना पड़ता है। प्रकृति का नियम अटल है – जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा। यदि हमने किसी को एक रुपया दिया है, तो हमें सौ रुपये के बराबर पुण्य मिलता है। लेकिन यदि हमने किसी से एक रुपया छीना है, तो हमारी जमा पूंजी से सौ रुपये कम हो जाते हैं।

इसलिए यह समझना आवश्यक है कि हमारे कर्म न केवल हमारे वर्तमान को प्रभावित करते हैं, बल्कि भविष्य के जीवन में भी हमारे लिए परिस्थितियां तैयार करते हैं।

धन और उसकी सीमाएं

धन-दौलत का मोह हमें इस सत्य से भटकाता है कि हम यहां कुछ भी लेकर नहीं आए थे और कुछ भी साथ लेकर नहीं जाएंगे। जो लोग मर चुके हैं, वे कितना धन, सोना-चांदी अपने साथ ले गए? जो धन बैंकों में पड़ा रह गया, वह व्यर्थ ही कमाया गया था।

यदि हमारी औलाद अच्छी और योग्य है, तो उसे हमारी छोड़ी हुई संपत्ति की आवश्यकता नहीं होगी। वह स्वयं अपना जीवन संवार लेगी। लेकिन यदि हमारी संतान बिगड़ी या नालायक है, तो जितना भी धन हम छोड़कर जाएं, वह कुछ ही समय में सब बर्बाद कर देगी।

इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि यह सब माया है। हमारा "मैं" और "मेरा" यहीं का यहीं रह जाएगा। हमारे साथ केवल हमारे अच्छे कर्म ही जाएंगे। हमारे जीवन का उद्देश्य नेक कार्य करना और दूसरों के लिए अच्छाई करना होना चाहिए। जो कर्म हम करते हैं, वे ही हमारे साथ जाते हैं। इसलिए जितना हो सके, दूसरों की मदद करें, सेवा करें, और सत्कर्म करें।

जीवन में कभी किसी का बुरा न करें। यदि हम दूसरों का भला करेंगे, तो प्रकृति हमें उसका सौ गुना वापस लौटाएगी। लेकिन यदि हमने दूसरों को दुख पहुंचाया, तो वही दुख हमें इस जन्म या अगले जन्म में भुगतना पड़ेगा।

इसलिए सच्चाई, सेवा और सहानुभूति के मार्ग पर चलें। यही हमारे जीवन का वास्तविक उद्देश्य है।

नेकी करो, सतकर्म करो।

◦ प्रियंका सौरभ

सामाजिक नैतिकता को खोखला करता एकल परिवारों का चलन

औरत-मर्द और बच्चे के एकल परिवारों के चलन ने समय के साथ विभिन्न सामाजिक समूहों को बेहद प्रभावित किया है। इसके साथ सामाजिक नैतिकता और भारतीय परिवारों की पारंपरिक मूल्य भी छिन्न-भिन्न हो रहे हैं। शहरीकरण, वित्तीय दबाव और व्यक्तिवादी जीवन शैली के कारण हुए इस बदलाव ने मूल्यों को हस्तांतरित करने के तरीके को बदल दिया है। हालांकि एकल परिवार स्वतंत्रता और निजी विकास को प्रोत्साहित करते हैं लेकिन उन्हें सांस्कृतिक और नैतिक मूल्य बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सामाजिक मूल्यों को विकसित कर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक उसे पहुंचाने में परिवार नामक संस्था की भूमिका सीमित कर दी गई है।

पारंपरिक संयुक्त परिवारों में दादा-दादी, चाचा और चाची ने कहानी सुनाने, सलाह देने, पहचान देने और सामूहिक भावना जैसे मूल्यों को लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। एकल परिवारों के साथ, यह अंतर-पीढ़ीगत सम्बंध कमजोर हो गया है, जिससे बच्चों के विभिन्न दृष्टिकोणों के संपर्क में आने पर रोक लग गई है। कन्फ्यूशियस ने सद्गुण की पहली क्षमता के रूप में अपने परिवार के सदस्यों पर जोर दिया। बहु-पीढ़ीगत जीवन की गिरावट भी इस नैतिक शिक्षा को कमजोर कर सकती है। एकल परिवारों में, माता-पिता मूल्यों की आपूर्ति का पूरा बोझ उठाते हैं, नियमित रूप से पेशेवर प्रतिबद्धताओं के साथ इसे जोड़ते हैं। इससे समय की कमी या तनाव के कारण कमी आ सकती है। शहरी एकल परिवार सहानुभूति या धैर्य की कोचिंग पर शैक्षिक पूर्ति को प्राथमिकता दे सकते हैं, जिससे बच्चों में व्यक्तिवादी दृष्टिकोण पैदा होता है।

एकल परिवार स्वायत्तता, निर्णय लेने और व्यक्तिगत जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जो वर्तमान सामाजिक मांगों के साथ संरेखित होते हैं। जॉन स्टुअर्ट मिल ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को व्यक्तिगत और सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक गुणों के रूप में महत्त्व दिया, जिसे एकल परिवार प्रभावी रूप से बेचते हैं। एकल परिवार अक्सर अपने परिवार की ज़रूरतों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे निःस्संदेह सामूहिक मूल्यों जैसे साझा करना, त्याग करना और आपसी सहायता के प्रति जागरूकता कम हो जाती है, जो संयुक्त परिवार व्यवस्था के लिए आवश्यक थे। त्योहार, जो कभी संयुक्त परिवारों में सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करते थे, अब एकांत में मनाए जाने लगे हैं। जबकि पारंपरिक व्यवस्थाएँ कमजोर होती जा रही हैं, एकल परिवार शिक्षा के लिए स्कूलों, साथियों के समूहों और आभासी प्रणालियों पर अधिक से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं।

हालाँकि, निजी सलाह की कमी से नैतिक

विकास में भी कमी आ सकती है। एकल परिवारों में, एक से अधिक पदों के मॉडल की अनुपस्थिति बच्चों की कई गुणों को देखने और उनका अध्ययन करने की क्षमता को भी सीमित कर सकती है। एकल परिवारों के बढ़ते जोर ने मूल्यों को विकसित करने में परिवार की स्थिति को नया रूप दिया है। स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए, यह अक्सर विस्तारित परिवारों द्वारा प्रदान की गई सामूहिक जानकारी और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूकता को कम करता है। इस अंतर को पाटने के लिए एकल परिवारों को सुखद पालन-पोषण, नेटवर्क कनेक्शन को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी से आधुनिक उपकरणों का लाभ उठाने पर जोर देते हुए सचेत रूप से अनुकूलन करना चाहिए। जैसा कि कन्फ्यूशियस ने कहा, राज्य की ऊर्जा घर की अखंडता से प्राप्त होती है, इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि परिवार, चाहे किसी भी संरचना में हों, नैतिक नागरिकों को आकार देने के लिए मूल्यवान बने रहते हैं।

एकल परिवार-परिवार प्राइमेट मानव समाज की जैविक घटना है। यह मानव विकास के विकासवादी संग्रह में एक अनुकूल रूप नहीं है और न ही आर्थिक समाज की उपयोगी चीज है। बल्कि यह मानव समय और सामाजिक स्थान में लगभग प्रथागत है। इसका केंद्र पति-पत्नी और माता-पिता-बच्चों की एक इकाई है। इसका सामान्य रूप अक्सर मृत्यु या परित्याग या संतान की हानि के कारण ग़लत हो जाता है, लेकिन इसका मॉडल रूप अधिकतम स्थिर होता है। सभी परिस्थितियों में परिवार के भीतर पति या पत्नी के बुज़ुर्ग माता-पिता और कभी-कभी अतिरिक्त दूरस्थ परिवार होने की प्रवृत्ति होती है, हालांकि वे अर्ध-बाहरी कारक किसी अन्य कारण से नहीं बल्कि आवश्यकता और पितृभक्ति से अधिक होते हैं। अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियों में एकल परिवार कुलों, जातियों, गांवों और सार्वजनिक विनियमन के माध्यम से विभिन्न तरीकों का उपयोग करके बाहरी समाज में एकजुट होते हैं।

पश्चिमी समाज में परमाणु इकाई नैतिक प्रबंधन के लिए आध्यात्मिक नौकरशाही और शासन उद्देश्यों के लिए नागरिक विनियमन के लिए अधिक से अधिक कठिनाई बन गई है। रिश्तेदारों ने, प्रियजनों के अलावा, शक्ति खो दी है। इसने अपने स्वयं के परिवार को अत्यधिक नैतिकता के अपने पूर्व राज्य की तुलना में अधिक तथ्यात्मक बना दिया है। परिणामस्वरूप परमाणु परिवार कमजोर हो गया है क्योंकि यह काफ़ी हद तक धर्म का संगठन है और अब मुकदमेबाजी और सार्वजनिक विनियमन की सहायता से बहुत अधिक नियंत्रणीय नहीं है। इसलिए यह पश्चिमी देशों में ठीक से नहीं चल रहा है, जिससे मौलिक प्राइमेट मूल्यों को आम तौर पर नुक़सान होता है। यह परिवार निगमों के सुधार की ओर ले जाता है जो सहज नैतिक दबावों को फिर से तस्वीर में लाते हैं। परमाणु परिवार के परिवार का भाग्य, जिसे यहाँ प्रतिक्रांति कहा जाता है, संभवतः अगली पीढ़ी में रिश्तेदारों की सहायता से बढ़ती सहायता में से एक होगा।

सामाजिक ढांचे में इतना अधिक परिवर्तन आ चुका है कि अब लिव इन रिलेशनशिप और वैवाहिक मामलों में थोड़ा बहुत ही अंतर रह गया होगा जिसके परिणामस्वरूप महिलाएं और पुरुष वैवाहिक संबंधों में रुचि ना लेकर एकल रहने को वरीयता देने लगे हैं। गलती इसमें किसी भी परिजन की ना होकर पश्चिमी मूल्यों को तरजीह दिए जाने की है। हम हिन्दुस्तानी अब ज़िम्मेदारियों को निभाने की तुलना में उससे अलग हो जाना बेहतर समझने लगे हैं। अब पश्चिम में अपने ही परिवार के लोग कई पीढ़ियों के छोटे अंतराल पर चक्रीय रूप से स्थानांतरित होने की प्रवृत्ति रखते हैं। 55,000 परिवारों का एक अध्ययन इस सुझाए गए उलटफेर को दर्शाता है।

• शहनाज़ हुसैन

सुंदरता के लिए भी वरदान है तुलसी

तुलसी को जड़ी-बूटियों का राजा माना जाता है। आयुर्वेद में इसे पवित्र पौधा माना जाता है। तुलसी भारतीय घरों में पूजा और औषधि दोनों के लिए इस्तेमाल की जाती है। तुलसी को लोक कथाओं/धार्मिक मान्यताओं में सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। दुनिया भर में तुलसी की खेती का लंबा इतिहास रहा है और सदियों से इसका इस्तेमाल पवित्र, सुगंधित और सजावटी जड़ी-बूटी के रूप में किया जाता रहा है। अभी तक तुलसी की लगभग 60 प्रजातियों की पहचान की गई है, जिनकी विश्व भर में खेती की जाती है।

सेहत के साथ तुलसी सौन्दर्य निखारने के काम में भी लाई जाती है। तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट एंटीसेप्टिक और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा की रंगत को निखारने में सहायक साबित होते हैं। ये स्किन को ठंडक देने के साथ चेहरे के ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ा कर चेहरे पर सोने से निखार देने में मददगार साबित होते हैं।अगर आप काफी व्यस्त रहते हैं और सौन्दर्य प्रसाधनों के लिए समय नहीं निकाल पाते तो भी आप तुलसी का सेवन कर सकते हैं।

आप तुलसी को चेहरे पर सीधा भी लगा सकते हैं। इसके लिए आप तुलसी के कुछेक पत्ते पीस कर रस निकाल लें और इस रस को चेहरे पर लगा लें। इसे आधे घंटे बाद ताजा पानी से धो डालिये। कांच के बर्तन में तुलसी की कुछ पत्तियां लेकर इसमें 2 चम्मच चावल का आटा और 1 चम्मच शहद डालकर पेस्ट तैयार कर लें और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगा कर आधे घण्टे बाद चेहरे को पानी से अच्छी तरह धो लें। इससे त्वचा में लचीलापन पन आता है।

तुलसी का फेस पैक बनाने के लिए 10-15 तुलसी के पत्ते, दो चम्मच दही, आधा चमच्च शहद और एक चमच्च चावल का आटा लें। तुलसी के पत्तों को पीस कर एक कटोरी में डाल लें। अब इसमें दही, शहद और चावल का आटा मिला लें। इन सभी चीज़ों का मिश्रण करके क्रीमी पेस्ट तैयार कर लें। इस फेस पैक को एयर टाइट बर्तन में फ्रीज में रख लें। जब भी जरूरत पड़े तो इसे चेहरे पर 15 मिनट तक लगाने के बाद चेहरे को साफ़ पानी से धो डालिये। इसके नियमित इस्तेमाल से चेहरा कोमल, मुलायम और आकर्षक दिखेगा।

तुलसी त्वचा के अतिरिक्त बालों की सुन्दरता में भी काफी सहायक है। तुलसी के पत्तों को पीस कर कांच की कटोरी में डाल लें। अब इसमें नारियल तेल की कुछ बूंदे मिलाकर उसे बालों पर लगाएं। आधा घण्टा बाद बालों को हल्के शैम्पू से धो डालें। इससे बाल कुदरती तौर पर मजबूत होंगे और उनका झड़ना भी कम हो जायेगा।

तुलसी का टोनर बनाने के लिए तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें और इस पानी को ठंडा करके एक बोतल में भर कर रख लें। रोज रात को सोने से पहले इस टोनर को चेहरे पर लगाने से त्वचा में ताजगी बनी रहेगी और पोर्स भी कम हो जाएंगे। तुलसी के तेल को त्वचा पर लगाने से त्वचा सम्बन्धी विकारों से लड़ने में मदद मिलती है जिससे त्वचा पर कील, मुहांसों आदि से छुटकारा मिलता है और त्वचा साफ और निखरी नजर आती है।

तुलसी के पत्तों का स्क्रब त्वचा के डेड सेल्स को हटाने में कारगर साबित होता है जिससे चेहरे की प्रकृतिक सुन्दरता निखर कर बाहर आती है। तुलसी के पत्तों का स्क्रब बनाने के लिए 10 -15 तुलसी के पत्ते, एक चम्मच शहद, एक चम्मच नींबू रस, एक चम्मच चीनी और चावल और ओटमील एक चम्मच लें। सबसे पहले तुलसी के पत्तों को धोकर सुखा लें। फिर उन्हें ब्लेंडर में डालें और पीसकर चिकना पेस्ट बना लें। कांच के कटोरे में तुलसी की पेस्ट को लेकर उसमें शहद, नींबू का रस, चीनी, आटोमील और चावल का आटा डालकर अच्छी तरह मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर हल्के-हल्के लगाकर चेहरे की मसाज करें और 10 मिनट बाद उसे गुनगुने पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा सुन्दर और मुलायम हो जाएगी।

तुलसी का इस्तेमाल स्किन इंफेक्शन जैसी समस्याओं के लिए भी

फायदेमंद होता है। तुलसी का रस दाग-धब्बे हटाने में मदद करता है और त्वचा की रंगत को निखारता है। तुलसी का इस्तेमाल त्वचा की तरह बढ़ती उम्र से होने वाली झुर्रियों को रोकता है और त्वचा को चमकदार बनाता है। 1 गिलास पानी में तुलसी के पत्तों को उबाल कर इसकी चाय बना कर रोज सुबह सेवन करें। ये आपकी सेहत, बालों और त्वचा तीनों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

अगर आप चेहरे पर दाग, धब्बों और मुहांसों से परेशान हैं तो तुलसी मददगार है। दो लौंग के साथ नीम और तुलसी के पत्तों को बराबर मात्रा में मिलाकर थोड़ा पानी डाल कर इसे पीस लें। इसे आँखों के आसपास क्षेत्र को छोड़ कर बाकी सारे चेहरे पर लगाएं और आधा घण्टा बाद साफ ताजा पानी से चेहरा धो डालिये। यह फेस मास्क मुंहासों और काले धब्बों को कम करेगा।

LICENCE NUMBER : CHARTERED ENGINEER (INDIA) - AM1964669, ICAS - 13072/18, UDYAM-BR-26-0014910

30+ वर्षों का अनुभव और हजारों लोगों का विश्वास

Acharya Santosh

चार्टर्ड अभियंता (सिविल) एवं ज्योतिष विशारद, हस्तरेखा प्रवीण तथा वास्तु आचार्य

[द इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजिनियर (भारत) एवं भारतीय ज्योतिर्विज्ञान परिषद, चेन्नई]

@astrosantosha

जन्म पत्रिका निर्माण
तथा विश्लेषण,
वर-वधू कुंडली निर्माण,
मिलान एवं विश्लेषण,
हस्तरेखा परीक्षण,
वास्तु सलाह, रत्न,
रुद्राक्ष, यंत्र इत्यादि के
लिए संपर्क करें

क्या आप समस्याओं से परेशान हैं ?
क्या बनते काम बिगड़ रहे हैं ?
विवाह में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है ?
कैरियर की चिन्ता सता रही है ?
वास्तुशास्त्र के अनुसार घर बनाने की सोच रहे हैं ?
अनेकों ऐसे सवाल जिनका

जन्म-पत्रिका, हस्तरेखा, वास्तुशास्त्र के अनुसार पूजन, रत्न, रुद्राक्ष तथा यंत्र-मंत्र द्वारा समस्याओं का समाधान

नोट : ग्रह शांति, पूजन सामग्री तथा सभी प्रकार के प्रमाणित रत्न एवं उपरत्न सस्ते दामों में उपलब्ध है.

ज्योतिर्विज्ञान™
अनुसंधान संस्थान

+91 99343 24 365

DELHI | PATNA | ARA | BOKARO | RANCHI

#asriindia asriindia.com